सृजन

सड़क एवं कामकाजी बच्चों को वैकल्पिक शिक्षा देने हेतु

मार्गदर्शिका

CHETNA

सृजन

सड़क एवं कामकाज़ी बच्चों को वैकल्पिक शिक्षा देने हेतु मार्गदर्शिका

CHETNA
चाइल्डहुड ऐन्हान्समेंट थ्रू ट्रेनिंग एण्ड एक्शन (चेतना)
40/22 ग्राउण्ड फ्लोर, मनोहर कुंज,
गौतम नगर, नई दिल्ली–110049
फोन-011-30585757, फैक्स-41644470
Email:chetna@vsnl.net, chetna@airtelmail.in
Website:www.chetna-india.org

• *आलेख*

अवलोकना अग्रवाल, सोनल नेगी, वैशाली सिंह,
सोनू फर्त्याल, अलका, दीपा, अपर्णा द्विवेदी

• *संकल्पना एवम् संपादन*

संजय गुप्ता

• ***प्रथम संस्करण -2010***

• *कॉपीराईट*

जन साधारण के नाम

• *आवरण एवम् कला*

आरुषि कंसल एवं चेतना टीम

• *टाइप सेटिंग*

धर्मेन्द्र सिंह नेगी

• *आभार*

चेतना के समस्त कार्यकर्ता, सभी व्यक्ति एवं संस्थाएं जिन्होंने इस पुस्तक को विकसित करने में सहयोग दिया है।
पुस्तक में सम्मिलित सामग्री के लिए संबंधित लेखकों के आभारी है।

• *मुद्रण और डिजाइन*

लतीफ किरमानी
9810985063

• *सहयोग राशि*

100/रुपए

भूमिका

सड़क एवं कामकाजी बच्चों को पढ़ाते समय प्राय: यह समस्या आती है कि बच्चों को किस माध्यम से पढ़ाई की तरफ आकर्षित किया जाए। इस समस्या का समाधान करने हेतु सामाजिक संस्था 'चेतना' (Childhood Enhancement through Training & Action) जो सन् 2002 से ज़मीनी स्तर पर सड़क एवं कामकाजी बच्चों के लिए कार्य कर रही है, ने इस का सृजन किया है। यह मार्गदर्शिका चेतना द्वारा संचालित वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों में चलाई जा रही अनौपचारिक शिक्षा के कुछ वर्षों के अनुभवों से दिशा निर्देशित है।

इस पुस्तिका को सड़क एवं कामकाजी बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देने वाले कार्यकर्ताओं के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की गयी है। इस मार्गदर्शिका के माध्यम से हमारी यह कोशिश है कि बच्चों को उनके विषयों क्रमश: हिन्दी, अंग्रेज़ी, गणित एवं सामान्य ज्ञान को सरल व सुगम तरीके से समझाया जाए। इस मार्गदर्शिका में बच्चों के हर विषय को चार माध्यमों क्रमश: वार्तालाप, खेल, कलात्मक कार्य एवं कविताओं के द्वारा सिखाया गया है। यह मार्गदर्शिका इस बात को ध्यान में रख कर बनाई गयी है कि सड़क एवं कामकाजी बच्चे शिक्षा से अनभिज्ञ होने के साथ उसे अरुचिकर भी पाते हैं। अत: मनोरंजन के माध्यम से शिक्षा को रुचिकर बनाकर ही उनका रुझान इस ओर बढ़ाया जा सकता है।

यह मार्गदर्शिका एक सुझाव मात्र है, आपसे नम्र निवेदन है कि समय-समय पर अपने विवेक एवं अनुभवों के आधार पर अन्य गतिविधियां भी करवायें। बचपन में सीखी गई कविताएं एवं खेलों का प्रयोग भी बच्चों को सिखाने के लिए कर सकते हैं।

अंग्रेज़ी एक ऐसा विषय है जिसका प्रयोग प्राय: आम बोलचाल में नहीं किया जाता है, जिसकी वजह से बच्चे इससे अपरिचित रहते हैं। इसलिए इस विषय को पढ़ाने के लिए एक सहायक की जरूरत होती है जो बच्चों को सरल एवं मनोरंजक तरीके से अंग्रेज़ी सिखा सके। अंग्रेजी एक अहम् विषय है जिसे सीखने के बाद हर बच्चा अपने में आत्मविश्वास महसूस करता है। इस किताब में बच्चों को सरल ढंग से अंग्रेजी सिखाने का प्रयास विभिन्न माध्यमों से किया गया है।

बच्चे प्राय: गणित से दूर भागते हैं, क्योंकि इसमें मौखिक से अधिक लिखित कार्य होता है। गणित करने के लिए बच्चों को बहुत सारे नियमों का पालन करना पड़ता है जिसके कारण बच्चों में इसके प्रति अरुचि हो जाती है। इस मार्गदर्शिका में बच्चों को गणित सिखाने के ऐसे माध्यम दिये गये हैं, जिससे बच्चे मनोरंजक ढंग से गणित सीख सकें। इस किताब में बच्चों को विभिन्न माध्यमों के द्वारा संख्या लिखना एवं पढ़ना सिखाया गया है। बच्चों को गिनती सिखाना इसीलिए आवश्यक होता है क्योंकि यह सबकी रोजमर्रा की जिंदगी का एक हिस्सा है तथा इसका ज्ञान हर तरह से लाभ पहुंचाता है। जैसे समय देखना, कलेण्डर पढ़ना, नोट गिनना आदि।

हिन्दी हमारी मातृभाषा है। जिसे बच्चे भली-भांति बोल तो लेते हैं, परन्तु लिखने में वह अकसर असमर्थ रहते हैं। इस किताब में हिन्दी की वर्णमाला का ज्ञान दिया गया है। बच्चों से वार्तालाप के माध्यम से यह पूछें कि उन्हें हिन्दी का कितना ज्ञान है तथा वह उसका उच्चारण भली-भांति कर पाते हैं या नहीं, तत्पश्चात उनकी गलतियों को सुधारें एवं धीरे-धीरे उन्हें अक्षरों को मौखिक तथा बाद में लिखित रूप से समझायें। हिन्दी के अक्षर लिखने में कुछ कठिन होते हैं। इसलिए इन्हें लिखना सिखाते समय अपना ध्यान पूर्ण रूप से बच्चों पर केन्द्रित करें। प्रारंभ में उन्हें सीधा पढ़ाने की जगह कविताएं करवायें क्योंकि कविता वह माध्यम है जिसमें बच्चे नये-नये शब्द तो सीखते ही है, साथ ही साथ उनका मनोरंजन भी होता है। पढ़ाने से पहले कवितायें सिखाने से उनका ध्यान स्थिर रहता है तथा वह पढ़ने तथा लिखने में स्वयं को सहज महसूस करते हैं।

इस मार्गदर्शिका में सड़क एवं कामकाजी बच्चों हेतु वैकल्पिक शिक्षा को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। प्रथम या पहला स्तर, मध्यम या दूसरा स्तर, उच्चतम या तीसरा स्तर। प्रथम स्तर में लिए जाने वाले बच्चे वो बच्चे हैं जो पढ़ना व लिखना बिलकुल नहीं जानते हैं। हमारी कोशिश होती है कि वो स्तर के अंत तक हिन्दी और इंग्लिश के अक्षर लिखना तथा गणित में 1 से 100 तक गिनती सीख जाएं। इसी प्रकार प्रत्येक स्तर के अनुसार निम्नलिखित टेबल में बताया गया है।

	प्रथम स्तर	*दूसरा स्तर*	*तीसरा स्तर*
हिन्दी	अ से ज्ञ तक अक्षर	बिना मात्रा के शब्द पढ़ना व लिखना	लिंग-वचन का ज्ञान, सरल वाक्य पढ़ना व लिखना
इंग्लिश	A-Z- और a-z	शब्दों का सही उच्चारण और सरल वाक्य पढ़ना व लिखना,	लिंग-वचन का ज्ञान, सरल वाक्य पढ़ना व लिखना
गणित	1 से 100 तक गिनती	छोटे अंकों का जोड़ घटा गुणा भाग	स्थानीय मान, गुणा व भाग

शिक्षकों से दो शब्द

प्रिय साथियों!

- मार्गदर्शिका में दी गई गतिविधियों के अतिरिक्त आप स्वयं भी कुछ गतिविधियां बच्चों से करवा सकते हैं।
- बच्चों को पढ़ाते समय ध्यान दें कि सभी बच्चे लेवल अनुसार अलग-अलग बैठें।
- सप्ताह में प्रत्येक विषय के लिए एक दिन सुनिश्चित करें और सभी स्तरों के बच्चों को उस दिन वही विषय पढाएं।
- कॉन्टेक्ट प्वाइंट पर पढ़ाने से पूर्व कुछ बातें ध्यान रखने से कार्य करने में आसानी होगी जैसे-
  बच्चों को रोज क्या पढ़ाना है व कौन सा अध्याय पढ़ाना है यह पूर्वनिश्चित कर लें।
  बच्चों के लेवल के अनुसार उनके लिए वर्कशीट चुनें।
  बच्चों को पढ़ाने के लिए आवश्यक शिक्षण सामाग्री रख लें।
- बच्चों को कॉन्टेक्ट प्वाइंट पर पढ़ाने के दौरान ध्यान दें कि सभी बच्चों को उनके लेवल के अनुसार ही कार्य मिला हो।
- बच्चों को आदर्श रूप से पहले वार्तालाप, फिर कहानी या कविता, फिर कलात्मक कार्य व उसके पश्चात खेल करवाने चाहिए।
- प्रत्येक दिन बच्चे के कॉन्टेक्ट प्वाइंट से लौटते समय उसे यह आभास कराएं कि उसने आज ऐसा क्या नया सीखा जो कि उसके काम आएगा।
- बच्चों को प्वाइंट पर पढ़ाने के उपरान्त यह देखें कि कोई भी वस्तु बाहर न छूटी हो।
- प्राय: हमारे शिक्षक मित्रों को यह समस्या आती है कि नए जुड़े साथी को किस स्तर में रखा जाए। आपका यह जानना आवश्यक है कि स्तरों को उम्र सीमा के आधार पर नहीं अपितु बच्चे की शिक्षा की जानकारी के आधार पर विभाजित किया गया है।
  अत: बच्चा जिस स्तर पर है उसी अनुसार लेवल, 1, 2, या 3 में जाएगा।
- चूंकि बच्चों की एकाग्रता जल्दी भंग हो जाती है अत: यह सुनिश्चित करें कि कोई भी गतिविधि 20 मिनट से अधिक की न हो।
- शिक्षण सामग्री को बनाने में आप बच्चों की मदद भी ले सकते हैं, जिससे बच्चों की कलात्मक बढ़ेगी।
- यदि बच्चों के ग्रुप में कोई मंद बुद्धि या अपंग बच्चा हो तो उसे उसकी क्षमता के अनुसार कार्य दें जिससे वह भी विभिन्न गतिविधियों को हिस्सा बन सके।
- समय-समय पर इस मार्गदर्शिका में दिए गए विषयों की पुनरावृत्ति कराते रहें।

विषय सूची

वातावरण निर्माण 8

प्रथम स्तर Lavel-I

हिन्दी

अध्याय-I	अ आ इ ई उ ऊ ऋ	12
अध्याय-II	ए ऐ ओ औ अं अः	14
अध्याय-III	क ख ग घ ड.	15
अध्याय-IV	च छ ज झ ञ	16
अध्याय-V	ट ठ ड ढ ण	17
अध्याय-VI	त थ द ध न	18
अध्याय-VII	प फ ब भ म	19
अध्याय-VIII	य र ल व	20
अध्याय-IX	श ष स ह	21
अध्याय-X	क्ष त्र ज्ञ	22
अध्याय-XI	अ से ज्ञ के अक्षरों की पुनरावृत्ति	23

English

अध्याय-I	A B C D E तथा a b c d e	25
अध्याय-II	F G H I J तथा f g h i j	27
अध्याय-III	K L M N O तथा k l m n o	30
अध्याय-IV	P Q R S T U तथा p q r s t u	31
अध्याय-V	V W X Y Z तथा v w x y z	33
अध्याय-VI	A से Z तक के अक्षरों की पुनरावृत्ति	34

गणित

अध्याय-I	1 से 10 तक गिनती	36
अध्याय-II	11 से 20 तक गिनती	38
अध्याय-III	21 से 30 तक गिनती	40
अध्याय-IV	31 से 40 तक गिनती	41
अध्याय-V	41 से 50 तक गिनती	41
अध्याय-VI	51 से 70 तक गिनती	42
अध्याय-VII	71 से 90 तक गिनती	43
अध्याय-VIII	91 से 100 तक गिनती तथा अंकों की पुनरावृत्ति	44

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I	आकार	45
अध्याय-II	रंग	46
अध्याय-III	शरीर के अंग	48
अध्याय-IV	सब्जियां व फल	49
अध्याय-V	जानवरों के नाम	50
अध्याय-VI	पक्षियों के नाम	52
अध्याय-VII	क्षेत्रीय त्यौहार	53
अध्याय-VIII	ट्रैफिक सिग्नल	54
अध्याय-IX	मौसम की जानकारी	56
अध्याय-X	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	58

मध्यम स्तर Lavel-II

हिन्दी

अध्याय-I	बिना मात्रा वाले दो अक्षरों के शब्द	60
अध्याय-II	बिना मात्रा वाले तीन अक्षरों के शब्द	61
अध्याय-III	बिना मात्रा वाले चार अक्षरों के शब्द	62
अध्याय-IV	आ की मात्रा का प्रयोग	63
अध्याय-V	इ, ई की मात्रा का प्रयोग	65
अध्याय-VI	उ, ऊ की मात्रा का प्रयोग	67
अध्याय-VII	ए, ऐ की मात्रा का प्रयोग	69
अध्याय-VIII	ओ, औ की मात्रा का प्रयोग	71
अध्याय-IX	अं, चन्द्रबिन्दु का प्रयोग	73
अध्याय-X	पुनरावृत्ति	75

English

अध्याय-I	a, e, i, o, u, की ध्वनि वाले 3 अक्षर के शब्द	76
अध्याय-II	4 to 5 Letter words	77
अध्याय-III	More thern 5 Letter words और शब्दों को तोड़कर पढ़ना और लिखना	78
अध्याय-IV	Revision	79
अध्याय-V	Vowel & Consonant	80

अध्याय-VI	Simple Sentance	81
अध्याय-VII	Self introduction	82
अध्याय-VIII	सदाचर के वाक्य	83
अध्याय-IX	Revision	84

गणित

अध्याय-I	जमा अथवा जोड़	86
अध्याय-II	घटा	88
अध्याय-III	जमा व घटा की पुनरावृत्ति	90
अध्याय-IV	दो, तीन व चार अंकों की संख्या का जोड़ व घटा (बिना हासिल)	91
अध्याय-V	2 से 5 तक पहाड़े व सरल गुणा	93
अध्याय-VI	सरल भाग	94
अध्याय-VII	पुनरावृत्ति	96

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I	लम्बा छोटा, मोटा पतला कम ज्यादा	97
अध्याय-II	डूबना-तैरना, घुलनशील-अघुलनशील	98
अध्याय-III	सुरक्षा के नियम	100
अध्याय-IV	खेलों और खिलाड़ियों के बारे में बताना	102
अध्याय-V	अधिकारों और पुलिस के बारे में	103
अध्याय-VI	राष्ट्रीय गान व देशभक्ति गीत	105
अध्याय-VII	यातायात के साधन	106
अध्याय-VIII	त्यौहार-राष्ट्रीय	107

उच्च स्तर Lavel-III

हिन्दी

अध्याय-I	र-रेफ (`), र- पदेन (्र), व अः की मात्रा	110
अध्याय-II	वचन	111
अध्याय-III	शब्दों के लिंग की जानकारी	112
अध्याय-IV	विलोम शब्द	113
अध्याय-V	सरल वाक्य पढ़ना व लिखना	114
अध्याय-VI	सरल कहानी पढ़ना व लिखना	114
अध्याय-VII	प्रार्थना पत्र	115
अध्याय-VIII	अपठित गद्यांश	116
अध्याय-IX	पुनरावृत्ति	117

English

अध्याय-I	Simple sentances & Small Paragraphs	118
अध्याय-II	Singular-Plural & Gender	119
अध्याय-III	Opposite words & Dictation	120
अध्याय-IV	Days & Months Name	121
अध्याय-V	Unseen Passage, Application letter, Reading stories, Write comma, full stop. colon, semi-colon	112
अध्याय-VI	Revision	123

गणित

अध्याय-I	स्थानीय मान	124
अध्याय-II	बराबर, कम व ज्यादा (=,>,<)	126
अध्याय-III	दो, तीन व चार अंकों का जोड़	127
अध्याय-IV	दो, तीन, चार, अंकों का घटा	128
अध्याय-V	6,7,8, व 9 का पहाड़ा	130
अध्याय-VI	पुनरावृत्ति	131
अध्याय-VII	भागफल सिखाना	132
अध्याय-VIII	माम का रूपान्तरण	133
अध्याय-IX	समय देखना	134
अध्याय-X	पुनरावृत्ति	135

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I	देश, राजधानी व अपने राज्य की जानकारी	136
अध्याय-II	राष्ट्रीय ध्वज, पशु, पक्षी, व पुष्प	137
अध्याय-III	सजीव निर्जीव वस्तुएं	139
अध्याय-IV	आपातकालीन सेवाएं	140
अध्याय-V	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	141
अध्याय-VI	नशे से नुकसान	142

वातावरण निर्माण

उद्देश्य- बच्चों के अनुरूप सहज वातावरण तैयार करना जिससे उनका पढ़ाई के प्रति रूझान जागृत हो

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को स्वयं का परिचय दें तथा उनसे अनौपचारिक वार्तालाप करें, जिससे वह आपके साथ सहज महसूस करें।

2. बच्चों से उनके परिवार, उनके बीते हुए कल, उनके कार्य तथा ऐसी ही अन्य बातें पूछें।

3. बच्चों से वार्तालाप के द्वारा यह जानने की कोशिश करें कि उनकी पढ़ाई के प्रति कितनी रुचि है एवं उनमें से कितने बच्चे पहले पढ़ चुके हैं यदि पढ़ चुके हैं, तो उन्हें कितना ज्ञान है।

4. बच्चों से गाने, चुटकुले, पहेली इत्यादि सुनाने को कहें।

2. खेल-

1. **बच्चों को विभिन्न खेलों से अवगत करायें।**

2. घोड़ा जमाल खाई—सर्वप्रथम बच्चों को एक गोले में बिठायें, उनमें से एक बच्चे को उठायें तथा उसे रूमाल पकड़ा दें। उस बच्चे को रूमाल लेकर गोले के चक्कर लगाने को कहें जो बच्चा चक्कर लगा रहा है उसे चूहा कहें तथा गोले में बैठे हुए बच्चों से बोलने को कहें-

घोड़ा जमाल खाई,
पीछे देखे मार खाई,
जो पीछे देखेगा,
वही मार खायेगा।

अब चूहे से गोले में बैठे हुए किसी भी एक बच्चे के पीछे रूमाल रखने को कहें, साथ ही बैठे हुए बच्चों को निर्देश दें कि पीछे न देखें। जिस बच्चे के पीछे चूहा रूमाल डालेगा उसे बिल्ली कहेंगे। यदि चूहे के एक चक्कर पूरा होने से पहले अनुमान लगा लेती है, कि उसके पीछे रूमाल है, तो वह रूमाल उठाकर चूहे को पकड़ने के लिए भागे, और चूहे को बिल्ली से बचकर जल्द से जल्द बिल्ली की जगह पर बैठना है। यदि बिल्ली चूहे को पकड़ लेती है तो चूहा इस खेल से बाहर हो जायेगा, यदि बिल्ली चूहे को नहीं पकड़ पाती है तो इसी क्रम में खेल आगे बढ़ेगा। यदि बिल्ली समय से अनुमान नहीं लगा पायी। तो वह खेल से बाहर हो जाएगी।

2. **रस्सी कूद**- बच्चों को विभिन्न तरीकों से रस्सी कूद खिलायें। जैसे-बच्चों को एक-एक करके क्रमशः रस्सी कूदने को दें, तथा दो बच्चों को रस्सी पकड़कर घुमाने को कहें तथा एक बच्चे को कूदने को

कहें।

3. **आँख मिचौली-** बच्चों में से किसी एक बच्चे की आँखों पर पट्टी बांधने को कहें तथा उस बच्चे से अन्य बच्चों को पकड़ने के लिए कहें। बच्चों के लिए एक सीमा बना दें, जिससे आँख बन्द किए बच्चे के लिए सीमा तय करना आसान हो।

3 कविताएं-

बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन-कौन सी कविताएं आती हैं तथा सभी बच्चों से वह कविताएं करवायें, बच्चों से अन्य कविताएं भी पूछें।

मछली जल की रानी है,
जीवन उसका पानी है,
हाथ लगाओ डर जाएगी,
बाहर निकालो मर जाएगी।

एक छोटी कश्ती मेरे पास,
मैंने मंगवाई नीली रंगवाई,
और पानी में तैराई,
एक मेंढक बैठा पानी में,
उसने देखा आंख से घूरा
और कूदा पानी में,
मेरी कश्ती डगमगा गयी,
उलट-गयी, पलट-गयी,
और डूबी पानी में।

आलू, कचालू बेटा कहां गए थे,
बन्दर की झोपड़ी में सो रहे थे,
बन्दर ने लात मारी रो रहे थे,
मम्मी ने प्यार किया हंस रहे थे,
पापा ने पैसा दिया नाच रहे थे।

4 कलात्मक कार्य- बच्चों को विभिन्न आकृतियाँ बना कर दें, तथा उनमें पेंसिल या मोम कलर करवायें। बच्चों को उनके मन-मुताबिक कोई भी चित्र बनाने को कहें।

LEVEL-1

हिन्दी वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः		

क	ख	ग	घ	ङ.
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	

हिन्दी

अध्याय-I

बच्चों को अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ तक पढ़ना व लिखना, सिखाना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप -

1. बच्चों को अलग-अलग कोई भी शब्द बोलने को कहें, जो वह अपनी दिनचर्या में बोलते हो, और जिनका पहला अक्षर अ से ऋ तक शुरू होता हो। जैसे अ से अनार, ऊ से ऊन।

2. आस-पास के वातावरण में उपस्थित विभिन्न वस्तुएं जैसे- आग, आकाश, आदमी, इमली, ऊन आदि बच्चों को दिखायें, तथा उनके नाम व पहला अक्षर उन्हें बतायें।

3. बोर्ड पर कुछ चित्र बनायें, तथा बच्चों से उनका पहला अक्षर पूछें।

4. बिन्दुओं को मिलाकर बच्चों को हिन्दी की वर्णमाला लिखना सिखायें।

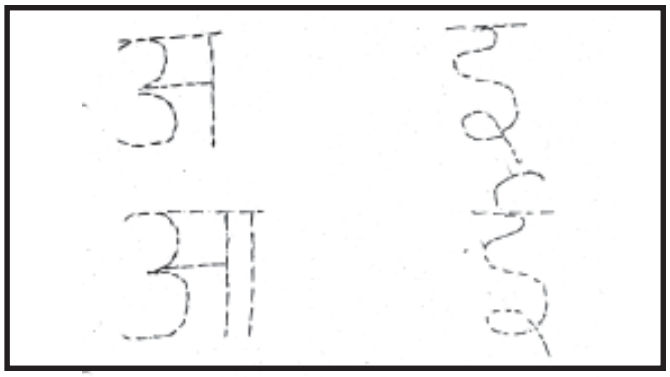

2. खेल-

1. अपने आस-पास के वातावरण से बच्चों को अ-ऋ तक अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं का चित्र बनाने को कहें जो बच्चा सबसे अधिक चित्र बनाए उसे विजेता घोषित करें।

जैसे- अ बोलने पर बच्चे अखबार, अनाज, अमरूद आदि के चित्र बना सकते हैं। कुछ कार्ड्स बनायें, जिनमें अ से ऋ तक अक्षर लिखें, तथा अन्य कार्ड्स में अ-ऋ तक अक्षरों से शुरू होने वाले चित्रों को बनायें बच्चों से सही चित्रों को उनके अक्षर के सामने रखने को कहें।

2. अक्षर के अनुसार बनाए गए कार्ड्स को बच्चों के सामने रखें व उनसे सम्बन्धित चित्रों के कार्ड्स भी सामने रखें। अब बच्चों को उनका सही मिलान करने को कहें।

3. अ–ऋ तक के अक्षर लिखी हुए पर्ची बच्चों को दें। उसके बाद आप उन अक्षरों में से एक अक्षर बोलें और कहें कि वह अक्षर जिस किसी भी बच्चे की पर्ची में हैं, वह आकर आपको छुए। इससे उन्हें अक्षरों को पहचानना आयेगा। जो बच्चा सबसे पहले और सही तरह से मिलान कर ले उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य–

1. एक कागज पर बिन्दुओं की सहायता से अ–ऋ तक कोई भी अक्षर बना लें, तथा बच्चों को अपनी उंगली की सहायता से उस अक्षर पर रंग करने को कहें, इस कला को finger printing कहते हैं। इस गतिविधि को बच्चों को सिखाने के लिए पहले स्वयं उन्हें कर के दिखायें।

2 कोई तीन–चार चित्र बनाये, जिसका पहला अक्षर अ से ऋ तक शुरू होता हो, व उसके सामने सम्बन्धित तीन–चार अक्षर लिखें, बच्चों को चित्र के नाम से शुरू होने वाले पहले अक्षर को मिलाने को कहें, तत्पश्चात् उसमें रंग भरने को कहें। जैसे– अनार, आम, अमरूद, इमली आदि।

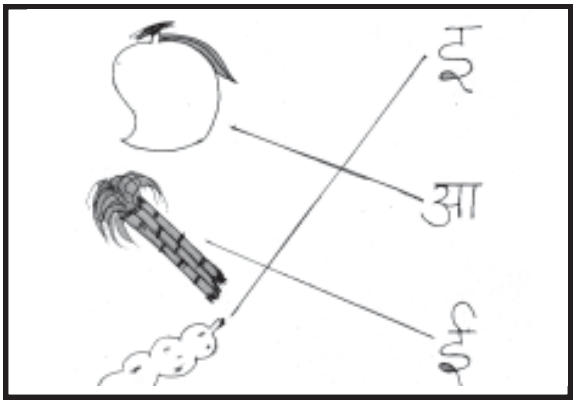

4. कविताएं–

अ से अनार
आ से आम
इ से इमली
ई से ईख
मुन्ने राजा कुछ तो सीख
बने डॉक्टर छोटे भईया
फीस मांगे बीस रुपया

अध्याय–II

बच्चों को ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा–4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों से ए–अः तक अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के नाम पूछें, तथा उन्हें बोर्ड पर लिखें।

2. बच्चों को ए–अः तक के अक्षरों से प्रारम्भ होने वाली वस्तुओं के चित्र दिखायें, बच्चों से उनके नाम बुलवायें। जैसे ऐनक, एक, औरत, अंडा, अंगूर, एडी, ओखली आदि।

3. बिन्दुओं को मिलाकर बच्चों से ए–अः तक अक्षर बनावाएं।

2. खेल–

1. अक्षर से चित्र मिलाओ

कागज़ में एक तरफ ए–अः तक अक्षर लिख दें, तथा दूसरी तरफ अक्षरों से सम्बन्धित चित्र बनायें। बच्चों को सही जोड़े बनाने को कहें।

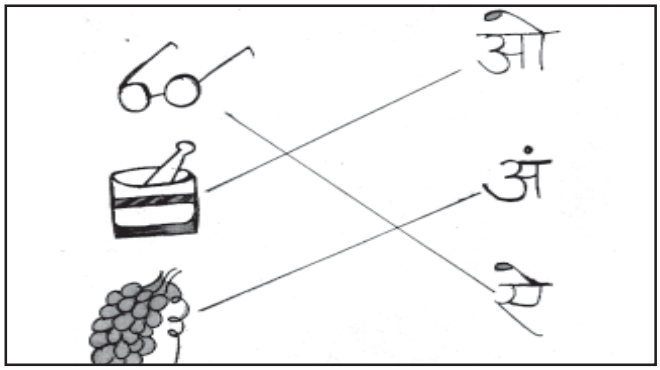

2. ए से अः तक के अक्षरों की पर्चियों के चार Set बना कर पर्चियों को बन्द कर दें, कुछ खाली पर्चियां भी डालें जिनमें कुछ न लिखा हो, उन्हें भी मोड़ दें अब कुछ बच्चों को बुलायें तथा उन्हें ए से अः तक के अक्षरों को ढूंढने को कहें, जो बच्चा सबसे पहले ए–अः तक की पर्ची ढूंढेगा, वह विजेता कहलायेगा।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को पुराने अखबारों से ए–अः तक के अक्षरो को ढूंढने को कहें, तथा उन अक्षरों को काटकर अपनी फाइल में चिपकाने को कहें।

2. बच्चों की कॉपी में ए–अः तक के अक्षरों से सम्बन्धित चित्र बनवाएं, तथा उन चित्रों में रंग करने को कहें, तथा उनके चित्रों के सामने उसका पहला अक्षर लिखने को कहें।

3. बच्चो को ए–अः तक के अक्षरों से उनके आसपास के वातावरण को देखकर संबंधित चित्र को बनाने को कहें, तथा उनमें रंग भी करने को कहें।

4. कवितायें–

रीना मैडम कितनी प्यारी
रोज आकर हमें बुलाती
ए से एकता का पाठ पढ़ाती,
ऐ से ऐनक पहन पढ़ाती,
ओ से ओस उन्हें है भाती,
औरत का सम्मान करना सिखाती
अं से अंधरे से हमें बचाती,
अः है खाली हमें बतलाती,

अध्याय-III

बच्चों को क, ख, ग, घ, ड. तक पढना व लिखना सिखाना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1 बच्चों से क-घ अक्षर से शुरू होने वाली विभिन्न वस्तुओं के नाम पूछें, तथा उन्हें बोर्ड पर लिखें व बताएं जैसे-घड़ी, कबूतर, कमल, खरगोश, खटमल, गधा, घर आदि।

2 बोर्ड पर क-घ से शुरू होने वाले अक्षरों के कुछ चित्र बनायें तथा बच्चों से उनका पहला अक्षर लिखने को कहें।

3 बच्चों को क-ड. तक सिखाने के बाद, क्रमशः हर बच्चे से सुनें।

2. खेल-

1. बच्चों को अक्षर से चित्र मिलाओ खेल 'खिलाएं'। *(पृष्ठ 14 पर देखें)*

2. बच्चों से गद्यांश में से क-ड. तक के अक्षर ढूंढने को कहें, जो सबसे पहले सबसे ज्यादा अक्षर ढूंढेगा, वह जीतेगा।

3. अपने आस-पास के वातावरण से बच्चों को क-घ तक के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं को एकत्रित करने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक वस्तुएं लाये, उसे विजेता घोषित करें जैसे क बोलने पर कलम, ककड़ी, कोयला, कंकड़, कपड़ा, कागज, कॉपी आदि।

3. कलात्मक कार्य-

1 बच्चों को क-ड. के अक्षरों पर finger printing करवायें।

2. बच्चों को मिट्टी या आटा गुंथवाकर उनसे अक्षर बनाने को कहें।

3. बच्चों को क-घ तक के अक्षरों से सम्बन्धित चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।

4. कवितायें-

क से कबूतर उड़ता जाता,
ख से खरगोश दौड़ लगाता,
ग से गमले में पौधा उगता,
घ से घड़ी में समय है दिखता,
ड. हमेशा खाली रहता।

अध्याय–IV

बच्चों को च, छ, ज, झ, ञ तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा– 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1 वार्तालाप–

1. बोर्ड पर च – झ से शुरू होने वाले अक्षर के चित्र बनायें तथा उनका पहला अक्षर लिखने को कहें। जैसे चम्मच, छतरी, जूता, झरना, छलनी, चप्पल, जहाज, झण्डा आदि।

2. बोर्ड पर कई अक्षर एक साथ लिख लें, जैसे–क, ड., ख, इ, ओ, च, ञ, अ, ड., क, ख, च, आदि। फिर बच्चों से पूछें कि कौन सा अक्षर कितनी बार आया है। इससे बच्चों की अक्षर की पहचान की क्षमता बढ़ेगी।

3. बच्चों को एक चार्ट पर च–झ तक के अक्षरों से सम्बन्धित चित्र दिखायें, तथा उनके बारे में जानकारी दें। बच्चों को च–झ से शुरू होने वाले अन्य शब्द पूछें, जो वह जानते हैं।

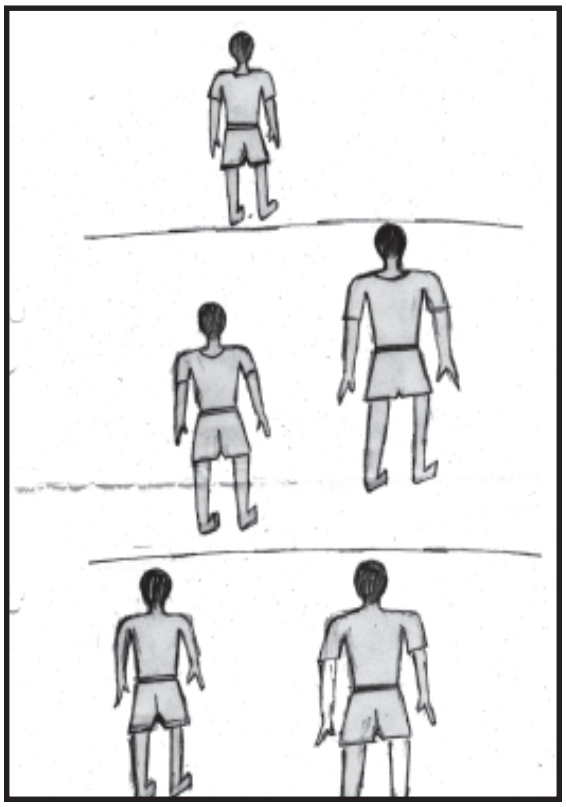

2. खेल–

1. ***"शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ"***:- पन्द्रह कदमों की दूरी पर दो रेखायें खींचें। एक रेखा के पीछे बच्चों को खड़ा कर दें, अब च–झ तक कोई एक अक्षर चुने व उस से सम्बंधित जो भी शब्द उन्हें आते हैं, बच्चों को अपना हाथ उठाकर बोलने को कहें। जो बच्चा एक–एक शब्द बताता जायेगा, वह एक–एक कदम आगे बढ़ाता जाएगा। याद रखें कि किसी भी शब्द की पुनरावृत्ति न हो, अक्षरों को कुछ देर बाद बदलते रहें, और इस प्रकार जो बच्चे सबसे पहले दूसरी रेखा के करीब पहुंचें, उन्हें क्रमश : प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय घोषित करें।

2. बच्चों को एक गोले में बिठायें, तथा बच्चों से कहें कि च–ञ तक के अक्षर बोले जाने पर उन्हें अपने स्थान पर खड़ा होना है, परन्तु यदि कोई और अक्षर बोला जाए, तो उन्हें अपने स्थान पर बैठे रहना है। यदि कोई बच्चा कोई और अक्षर बोलने पर खड़ा हो जाये, तो वह खेल से बाहर हो जाएगा।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को च–झ तक अक्षरों का ज्ञान कराने के लिए उन्हें अलग अक्षरों के चित्रों व वस्तुओं को जमा

करने को कहें, तथा उन्हें इन चित्रों को एक फाइल में चिपकाने को कहें।

2. बच्चों को एक पेपर पर बड़े-बड़े अक्षर लिखवाएं, तथा बच्चों से रंगीन पेपर के छोटे-छोटे टुकड़े करवायें। अब बच्चों को थोड़ा गोंद दें, तथा बच्चों को यह रंगीन टुकड़े उन अक्षरों के अन्दर चिपकाने को कहें।

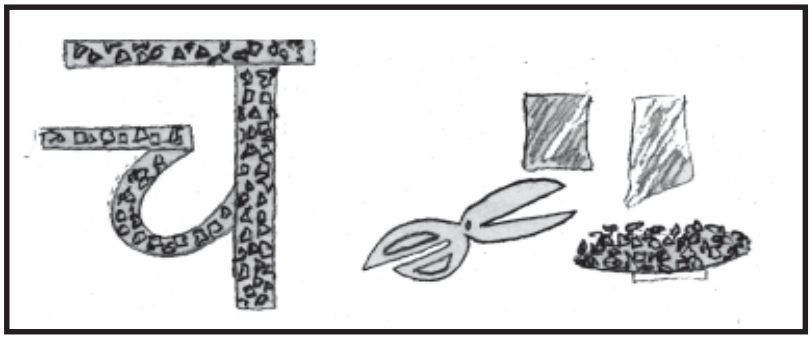

4. कवितायें-

च से चरखे से कपड़ा बनता,
छ से छाता बारिश से बचाता,
ज से जहाज पानी में चलता,
झ से झरना बहता जाता,
ञ हमेशा खाली, बच्चों बजाओ ताली।

अध्याय-V

बच्चों को ट, ठ, ड, ढ, ण, तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को चार्ट के द्वारा ट-ढ के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र दिखायें, तथा अक्षरों का ज्ञान करवायें। जैसे-टमाटर, टब, ठठेरा, डमरू, डलिया, ढक्कन आदि।

2. बोर्ड पर ट से ण तक के अक्षरों से शुरू होने वाले चित्र बनायें, तथा उनका पहला अक्षर लिखने को कहें।

3. बोर्ड के एक तरफ ट-ण तक अक्षर लिखें तथा दूसरी तरफ उनसे सम्बन्धित चित्र बनाने को कहें, तथा बच्चों को सही जोड़े बनाने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को अक्षर से चित्र मिलाओ, खेल खिलायें।

2. बच्चों को ट-ण तक के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं को अपने आस-पास से ढूंढने को कहें, तथा

उनके नाम भी बताने को कहें।

3. बच्चों को गद्यांश में से ट–ण तक के अक्षर ढूंढने को कहें, जो सबसे ज्यादा अक्षर ढूंढेगा, वह जीतेगा।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को एक कागज पर बड़े–बड़े अक्षरों में ट–ण तक लिखवाएं, तथा उस पर रंगीन कागज के छोटे–छोटे टुकड़े बच्चों को गोंद की सहायता से चिपकाने को कहें।

2. बच्चों से Learning Cards बनवायें। उसके लिए एक कार्ड बोर्ड पर एक तरफ उनसे अक्षर लिखवायें, तथा दूसरी तरफ उस अक्षर से सम्बंधित चित्र बनावायें।

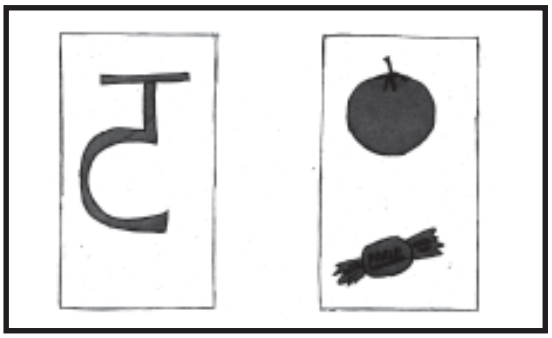

3. बच्चों को मिट्टी या आटा गुंथवाकर उनसे अक्षर बनाने को कहें।

4. कवितायें–

ट से टमाटर लाल–लाल,
ठ से ठठेरे के बर्तन कमाल
ड से डमरू देता ताल,
ढ से ढफली करे सवाल,
ण है फिर से खाली, बच्चों बजाओ ताली।

Note : इस कविता को कराने के समय उनसे ताली भी बजवाएं।

अध्याय–VI

बच्चों को त, थ, द, ध, न, तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा–2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों से बातों–बातों में त–न के अक्षरों से प्रारम्भ होने वाली वस्तुओं के नाम पूछें, तथा स्वयं भी उन्हें त–न से प्रारम्भ होने वाली वस्तुओं के नाम बतायें। जैसे–तबला, तरबूज, थरमस, धनुष, धनिया, नल, नदी आदि।

2. बच्चों को त–न के अक्षरो से प्रारंभ होने वाली वस्तुओं के चित्र चार्ट या Learning Card के

माध्यम से सिखायें।

3. ब्लैक बोर्ड पर त–न के अक्षरों को लिखें, तथा अक्षरों की पुनरावृत्ति भी करें। अब बच्चों से पूछें कि कौन से अक्षर की पुनरावृत्ति कितनी बार हुई है।

2. खेल–

1. अक्षर से चित्र मिलाओ, खेल करवायें। *पृष्ठ 14 के अनुसार*

2. बच्चों को शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ खेल खिलायें, *पृष्ठ 16 के अनुसार* तथा त–न तक के अक्षरों से शब्द ढूंढने को कहें।

3. बच्चों को एक गद्यांश लिखकर दें, तथा उसमें से सभी त–न के अक्षरों से प्रारंभ होने वाले शब्द ढूंढने को कहें, जो बच्चा जितने कम समय में अधिक से अधिक ढूंढ लेगा, वह जीतेगा।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को त–न के अक्षरों पर finger printing करवायें।

2. बच्चों से मिट्टी/आटा गुंथवाकर उनसे त–न तक के अक्षर बनवायें, तथा उनमें रंग भी करवायें।

3. बच्चों को त–न अक्षरों से प्रारंभ होने वाली वस्तुओं के चित्र बनाने के लिए कहें, तत्पश्चात् उनसे रंग भी भरवायें।

4. कवितायें –

त से तबला बजाओ राम,
थ से थरमस आये बहुत काम
द से दवात में स्याही रखते,
ध से धरती पर हम रहते,
न से नल से पानी भरते।

अध्याय–VII

बच्चों को प, फ, ब, भ, म, तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा–3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों को प–म तक के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र चार्ट के माध्यम से दिखायें, तथा इन अक्षरों को बुलवायें। जैसे–पपीता, पतंग, परी, फल, बकरी, बत्तख, भाई, मछली आदि।

2. बच्चों से प–म के अक्षरों से प्रारंभ होने वाले विभिन्न शब्द व वस्तुओं के नाम पूछें, जो कि वह अपनी दिनचर्या में प्रयोग में लाते है। जो नाम बच्चे बताते जायें, उन्हें बोर्ड पर लिखते जायें।

3. बिन्दुओं को मिलाकर बच्चों से प–म तक के अक्षरों को बनाने को कहें।

2. खेल-

1. 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल करवायें।

2. प-म तक के अक्षरों की पर्चियों के चार सैट बनायें, अब इन पर्चियों को मोड़कर एक बड़े बर्तन में रख दें। अब चार बच्चों को बुलायें तथा प-म तक के अक्षरों का सेट बनाने को कहें, बच्चों को पर्ची देखकर जल्द से जल्द चार सेट बनाने हैं। (इसके लिए बच्चों को चार ग्रुप में बांट सकते हैं)

3. बच्चों से 'शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ' खेल करवायें, तथा अक्षरों के स्थान पर प-म तक के अक्षरों से शब्द ढूंढने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से कागज पर प-म तक के अक्षरों को बड़ा-बड़ा करके लिखवायें, तथा इन अक्षरों पर रंगीन कागज के टुकड़े गोंद की सहायता से चिपकाने को कहें।

2. बच्चों को प-म तक के अक्षरों से प्रारंभ होने वाली वस्तुओं को चित्र ढूंढकर फाइल में चिपकाने को कहें तथा उन वस्तुओं के नाम पर पहला अक्षर भी लिखने को कहें।

3 बच्चों से Learning Card बनवाएं, इसके लिए एक कार्ड बोर्ड पर एक तरफ उनसे अक्षर लिखवाएं। तथा दूसरी तरफ उस अक्षर से संबंधित चित्र बनवायें।

4. कवितायें

प से पानी पी लो यार,
फ से फल भी खाओ हजार,
ब से बादल पानी बरसाता,
भ से भालू हमें है भाता,
म से मेंढ़क टर्र-टर्र करता।

अध्याय-VIII

बच्चों को य, र, ल, व, तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को य-व से प्रारम्भ होने वाली वस्तुओं के नाम बतायें। जैसे-यज्ञ, रबड़, रेल, लड़का, लाल, वन आदि।

2. बिन्दुओं को मिलाकर य-व तक के अक्षरों को लिखवायें।

3. बच्चों को य-व तक के अक्षर सिखाने के बाद क्रमशः हर बच्चे से सुनें।

2. खेल-

1. बच्चों से 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलवायें।

2. बच्चों को एक गद्यांश लिखकर दें तथा उन्हें उसमें से य-व तक के अक्षरों से प्रारंभ होने वाले शब्दों को ढूंढने को कहें जो बच्चा सबसे पहले अधिक अक्षर ढूंढेगा वह जीत जाएगा।

3. बच्चों से 'शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ' खेल खिलाएं तथा य-व तक के अक्षर प्रयोग करें।

4. बच्चों को 'सही कार्डस मिलाएं' खेल खिलाएं तथा सही चित्र के कार्ड से सही अक्षर का कार्ड मिलाने को कहें।

‰3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से य-व तक के अक्षरों पर 'फिंगर प्रिंटिंग' करवाएं तथा बच्चों से अलग-अलग रंग प्रयोग करने को कहें।

2. बच्चों से य-व तक के अक्षरों से प्रारंभ होने वाली वस्तुओं के चित्र ढूंढकर अपनी फाइल में चिपकाने को कहें।

3. एक कागज पर बच्चों को य-व तक अक्षर बड़ा-बड़ा लिखवाएं तथा उनके अंदर रंगीन कागज के टुकड़े चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

य से यज्ञ है, साधु करते,
र से राजा, राज है करते,
ल से लट्टू, घूमता जाये,
व से वकील, न्याय दिलवाये,

अध्याय-IX

बच्चों को श, ष, स, ह, तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को श-ह तक के अक्षर दिखाएं तथा उनसे प्रारंभ होने वाले शब्दों व वस्तुओं के चित्र दिखाएं। जैसे-शलजम, षटकोण, सड़क, हथौड़ा आदि।

2. बच्चों से भी श-ह तक के अक्षरों से प्रारंभ होने वाले शब्दों व वस्तुओं के बारे में बताने को कहें तथा उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएं।

3. बोर्ड पर श-ह तक अक्षर लिखें तथा कुछ अक्षरों की पुनरावृत्ति भी करें, तत्पश्चात् बच्चों से पूछें कि कौन-सा अक्षर कितनी बार आया है।

2. खेल-

1. बच्चों को चित्रों से अक्षर मिलाने को कहें तथा उन्हें श-ह तक के अक्षर व उनके चित्रों के जोड़े बनाने को कहें।

2. बच्चों को 'शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ' खेल खेलने को कहें तथा श-ह तक के अक्षर दें।

3 बच्चों को श-ह तक के कार्ड्स दिखाएं तथा बच्चों से पूछें कि उस कार्ड के पीछे कौन सा चित्र होगा, बच्चों के उत्तर देने के बाद कार्ड पलटें व उन्हें सही चित्र दिखाएं।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से श-ह तक Learning Cards बनवायें। एक तरफ अक्षर तथा दूसरी तरफ उससे संबंधित चित्र बनवायें।

2. बच्चों से मिट्टी/आटा गुंथवाकर श-ह तक के अक्षरों को बनाने को कहें।

3. एक कागज पर बच्चों को श-ह तक अक्षर बड़ा-बड़ा लिखवाएं तथा उनके अंदर रंगीन कागज के टुकड़े चिपकाने को कहें।

4. कवितायें-

श से शरबत सबको भाये,
ष से षटकोण की है छह भुजाएं।,
स से सपेरा बीन बजाए,
ह से हल खेत में जोता जाए।

अध्याय-X

बच्चों को क्ष, त्र, ज्ञ, श्र तक पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1 बच्चों को क्ष-श्र तक के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के नाम पूछें, तथा उनके चित्र भी दिखाएं। जैसे, क्षत्रिय त्रिशूल, ज्ञानी, श्रम आदि।

2. बच्चों को कार्ड्स दिखायें, जिनमें एक तरफ चित्र तथा दूसरी तरफ अक्षर लिखकर दिखायें।

3. बच्चों को बारी-बारी से ब्लैक बोर्ड पर बुलायें, तथा प्रत्येक बच्चे से बोर्ड पर क्ष-ज्ञ तक के अक्षर लिखवाएं।

2. खेल-

1. बच्चों से 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल करवायें।

2. बच्चों को गद्यांश में से क्ष-श्र तक के अक्षरों को ढूंढने को कहें, जो बच्चा सबसे ज्यादा अक्षर ढूंढेगा, वह जीतेगा।

3. बच्चों को 'शब्द मिले तो कदम बढ़ाओ' खेल करवायें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को क्ष-ज्ञ के अक्षरो पर finger printing करवायें।
2. बच्चों से मिट्टी/आटा गुंथवाकर उससे अक्षर बनाने को कहें।
3. बच्चों को पुराने अखबारों से क्ष-ज्ञ तक के अक्षरों को ढूंढकर उन्हें अपनी फाइल में चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

क्ष से क्षमा मान बढ़ाती,
त्र से त्रिशूल रक्षा करता।
ज्ञ से ज्ञानी सीख है देते,
श्र से श्रमिक मेहनत करते।

अध्याय-XI

बच्चों को अ-श्र के अक्षरों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा-8 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों की कॉपी में के बहुत सारे शब्द लिखें, परन्तु उनका पहला अक्षर खाली छोड़ दें, बच्चों को उस रिक्त स्थान को भरने को कहें, जिससे उनका विभिन्न अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों का ज्ञान बढ़ेगा।

... म ल = कमल
... ल = जल
... ल = नल

2. रिक्त स्थान भरने को कहें, जिससे उन्हें हिन्दी की वर्णमाला क्रम से आयेगी।

क ... ग ... ड.
च ... ज ... ञ

3. बच्चों को छोटी सी कहानी सुनायें, जिसमें सभी स्वरों एवं व्यंजनों का प्रयोग किया गया हो।

4. आस-पास के वातावरण में पायी जाने वाली विभिन्न वस्तुएं बच्चों को दिखायें, तथा इन वस्तुओं का नाम बच्चों को बतायें, ध्यान रहे कि ये शब्द सरल हो। एक बार बताने के बाद बच्चों से पूछें।

2. खेल-

1. बच्चों से 'अक्षर से चित्र मिलाओ', खेल करवायें, जिसमें अ-ज्ञ तक कोई भी अक्षर दें।

2. बच्चों को अ-ज्ञ तक की बनी हुई पर्चियां दें। हर बच्चे के पास एक पर्ची हो, अब बच्चों को एक गोले में बिठा दें। इसके बाद कोई भी एक अक्षर बोलें, उस अक्षर की पर्ची जिस भी बच्चे के पास हो, वह आकर आपको छुए इससे उन्हें अक्षरों को पहचानना आएगा।

नोट- बच्चों को यह खेल करवाते समय स्वयं गोले के बीच में खड़े हों।

3. अ से ज्ञ तक के कुछ कार्डस बनाएं, तत्पश्चात् बच्चों को 4-4 के ग्रुप में बुलाएं, तथा उन्हें कुछ समय के लिए कुछ कार्ड्स दिखाएं, फिर वह कार्डस छुपा दें, और बच्चों से कहें कि उन्होंने कौन-कौन से अक्षरों के कार्डस देखे हैं। जो बच्चा दिखाये गये अक्षर ज्यादा से ज्यादा या सभी अक्षर सही लिखेगा, वह विजेता घोषित होगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बिन्दु से बिन्दु मिलाकर बच्चों को अक्षर लिखने को दें।

2. अ-श्र अक्षरों से सम्बन्धित चित्र बच्चों से बनवायें, तथा इन चित्रों में बच्चों से finger printing करवायें।

3. बच्चों से मिट्टी/आटा गुंथवाकर उससे अ-श्र तक कोई भी अक्षर बनाने को दें, तथा सूखने पर रंग करने को भी कहें।

4. कविताएं-

अ से श्र तक करवायी गयी सभी कविताओं की पुनरावृत्ति करवायें।

ENGLISH

अध्याय-I

बच्चों को A, B, C, D, E, तथा a, b, c, d, e, तक पढ़ना और लिखना सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर (A,B,C,D,E,) तथा (a,b,c,d,e,) लिखकर दिखायें, तथा दोनों में अन्तर भी समझायें।

2. बच्चों को (A-E) से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र दिखायें।

3. बोर्ड पर (A-E) से शुरू होने वाली वस्तुओं के कुछ चित्र बनवाएं तथा बच्चों को उनका पहला अक्षर बताएं।

4. कुछ कार्ड्स बनायें। हर कार्ड पर अंग्रेजी के बड़े और छोटे अक्षर साथ लिखे तथा उन्हें बताएं कि इन दोनों अक्षरों का एक ही मतलब है। कार्डस के पीछे सम्बन्धित अक्षरों के चित्र भी बना सकते हैं।

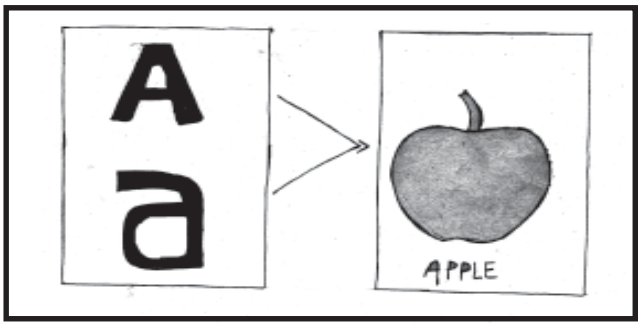

2. खेल-

1. अक्षर से चित्र मिलाओ–

इस खेल को खेलने के लिए कुछ कागजों में (A-E) तक अक्षर लिखें, तथा अन्य में उन अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र बनाएं। बच्चों को बारी-बारी से बुलायें तथा अक्षर और उससे शुरू होने वाले चित्र को उनके सामने रखने को कहें। कागज में बांयी तरफ अंग्रेजी के विभिन्न अक्षर लिखें तथा दायीं तरफ उन अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र बनाएं, बच्चों को सही जोड़े मिलाने को कहें।

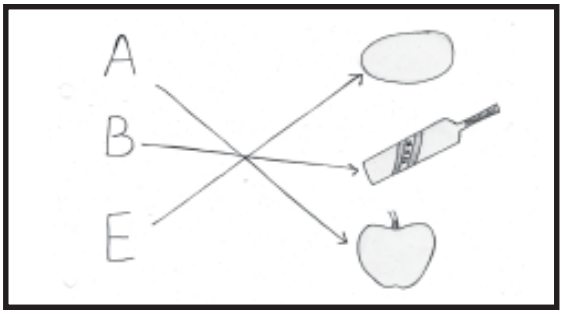

2. अक्षर से अक्षर मिलाओ—कागज में एक तरफ अंग्रेजी के बड़े अक्षर लिखें तथा दूसरी तरफ छोटे अक्षर लिखे, बच्चों को सही जोड़े मिलाने को कहें।

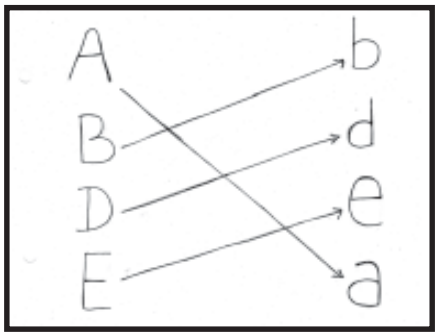

3. (A-Z) तक की पर्चियों का एक सेट बनायें तथा (A-E) तक पांच सेट बनायें और इन पर्चियों को एक बड़े डिब्बे में डाल दें। अब बच्चों से कहें कि वह (A-E) की पर्चियों को ढूँढ कर अपने पास रखें। जो बच्चा सबसे पहले (A-E) की पर्चियों को ढूंढ लेगा वह जीत जाएगा।

नोट - एक बार में पाँच बच्चों को ही यह खेल खिलायें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बिन्दु मिलाएं-

बच्चों को (A-E) तक के अक्षर लिखना सिखाने के लिए इन अक्षरों को बिन्दुओं की सहायता से बना कर दें तथा इन बिन्दुओं को मिलाकर अक्षर बनाने को कहें, अक्षर बनाने के लिए बच्चों को Crayons दें।

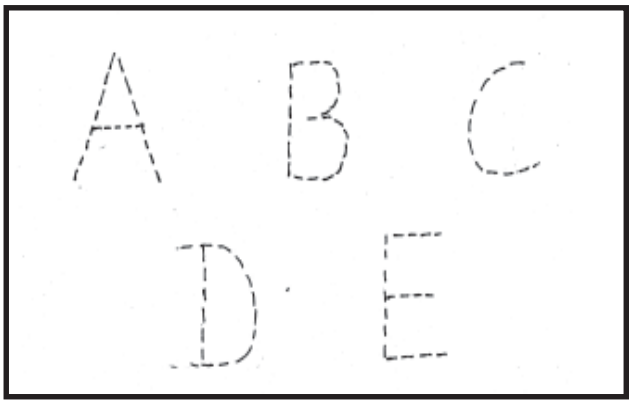

2. बोर्ड पर (A-E) तक कोई भी अक्षर लिखें, तथा बच्चों से उस अक्षर से शुरू होने वाले चित्र बनाने को कहें और उनका पहला अक्षर लिखने को कहें।

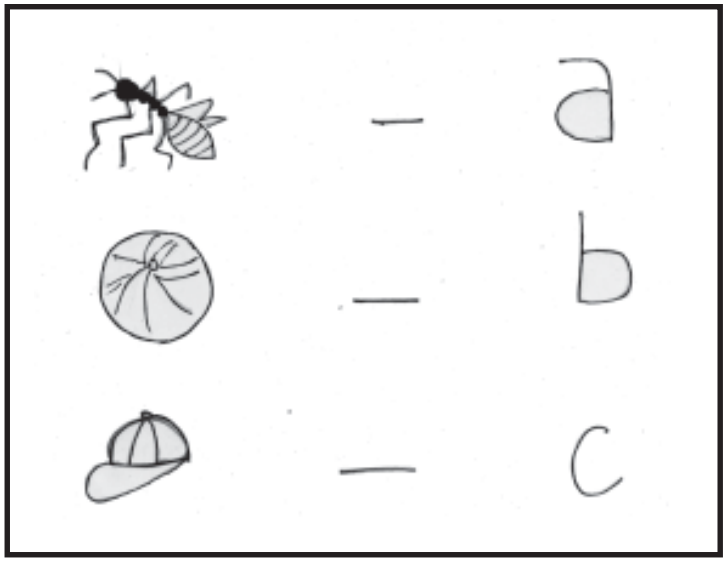

3. बच्चों को बड़े-बड़े आकार में अक्षर लिख कर दें तथा उसमें रंग भरने को कहें।

4. बच्चों को बोर्ड पर (A-E) तक अक्षर लिखकर दें तथा उन अक्षरों को देखकर कॉपी में अपने मनपसंद रंगों से लिखने को कहें।

1. कवितायें-

A से Apple खाने में अच्छा,
B से Ball से खेले बच्चा,
C से Cat बोले म्याँऊ,
D से Dog करे भौं-भौं,
E से Egg से सेहत बनती,
F से Fish पानी में रहती,

A, B, C, D, E, F, G, H, I, J,
K, L, M, N, O, P,
L, M, N, O, P, Q, R, S,T,
U, V, W, X, Y, Z,
X,Y, Z, Butter on the Bread
If you Don't like, Better go to bed,
Next day morning come to me,
I shall teach you A, B,C.

अध्याय-II

बच्चों को F, G, H, I, J, तथा f, g, h, i, j, पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कुछ कार्डस में एक तरफ अंग्रेजी के अक्षर (F-J) लिखें तथा दूसरी तरफ उन अक्षरों से शुरू होने वाले चित्र बनाकर बच्चों को दिखाएं।

2. (F-J) अक्षरों से शुरू होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं से उन्हें अवगत करायें।

3. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर F-J तथा f-j लिखकर दिखाएं तथा दोनों में अन्तर भी समझाएं।

4. कुछ कार्डस पर अंग्रेजी के (F-J) अक्षर बड़े और छोटे रूप में लिखें तथा उनके पीछे उन अक्षरों से संबंधित चित्र भी बनायें, इनके द्वारा बच्चों को समझायें कि F-J एवं f-j का समान मतलब होता है।

5. बोर्ड पर F से J तक से शुरू होने वाले कुछ चित्र बनाएं तथा बच्चों से उन चित्रों के नाम का पहला अक्षर पूछें।

2. खेल–

1. अक्षर से अक्षर मिलाएं– कागज के एक तरफ F-J लिखें तथा दूसरी तरफ f-j लिखें, बच्चों से सही जोड़े बनाने को कहें।

2. बच्चों को 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलाएं, जिसमें उन्हें F-J अक्षरों का ज्ञान दें।

3. Red Letter Game –बच्चों को एक रेखा के पीछे खड़ा कर दें। इनसे 15 कदम दूरी पर एक बच्चे को खड़ा कर दें, इसके पश्चात इस बच्चे से Red letter (कोई भी अंग्रेजी का अक्षर) बोलने को कहें। बाकी खड़े बच्चों से कहें कि उनके नाम में बोला गया अक्षर जितनी बार आता है, वे उतने कदम आगे बढ़े। इस प्रकार से विभिन्न अक्षर बोलते जाएं तथा अंत में जो बच्चा सारे कदम पूरे कर ले वह अक्षर बोल रहे बच्चे के पास पहुँच जाए तब वह उसे छुए (टप्पा मारे) व उसके बाद सभी बच्चे दौड़ें और जो बच्चा पकड़ा जाए वो खेल खिलाए।

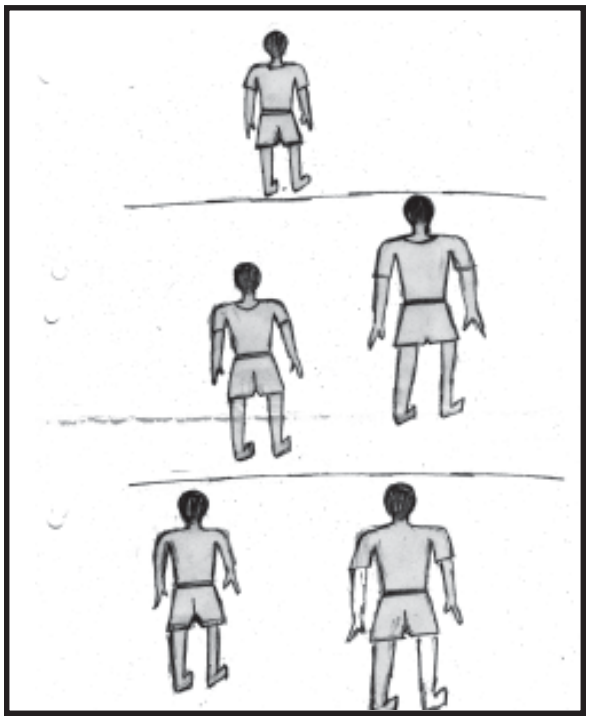

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को F-J एंव f-j लिखना सिखाने के लिए 'बिन्दु मिलाओ' वाली क्रिया करवायें।

2. कागज पर बड़े-बड़े लेख में F-J तक अक्षर लिखें तथा बच्चों से उन्हें हाथ से फाड़ने या कैची से काटने को कहें व इसके पश्चात् उनमें रंग भरवा दें।

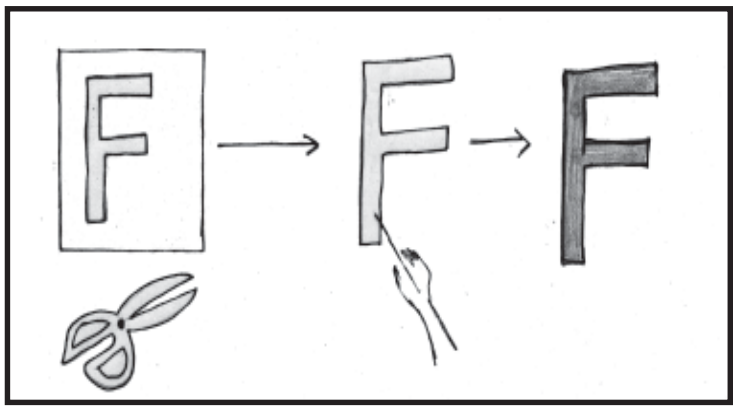

3. कोई भी चित्र बच्चों की कॉपी में बनायें एवं उस चित्र के सामने अंग्रेजी के कोई भी 3-4 अक्षर लिख दें, जिनमें से एक अक्षर उस चित्र के नाम का पहला अक्षर दर्शाता हो। बच्चों से उस चित्र को सही अक्षर से मिलाने को कहें एवं उसमें रंग भरने को कहें।

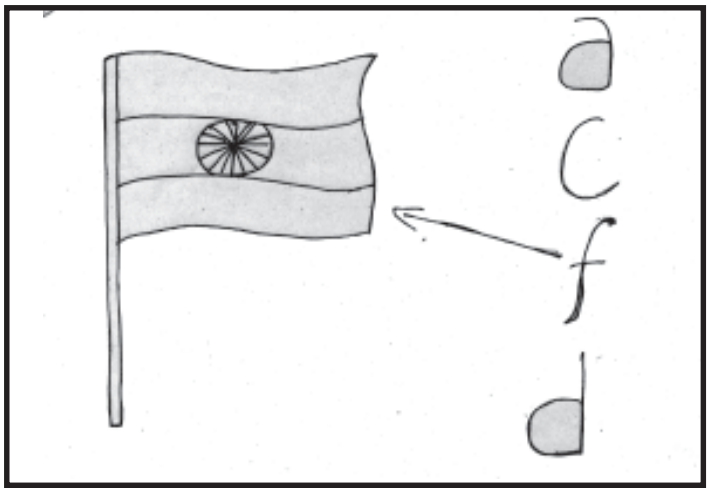

4. बच्चों को (F-J) तक अक्षर लिख कर दें तथा उन अक्षरों को कॉपी में रंगों के द्वारा लिखने को कहें।

4. कविताएं-

F से Fish पानी में रहती,
G से Gun से सैनिक लड़ते,
H से Home में हम सब रहते,
I से Ink से हम सब लिखते,
J से Jug से पानी पीते।

अध्याय–III

बच्चों को K, L, M, N, O तथा k, l, m n, o पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा– 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. कुछ कार्ड बोर्ड के टुकड़े काटकर उनके छोटे–छोटे कार्डस बनाएं। हर कार्ड के एक तरफ अंग्रेज़ी के (K-O) अक्षर लिखें तथा दूसरी तरफ इन अक्षरों से शुरू होने वाले चित्र बनाएं। इस तरह से चित्रों को दिखाकर उन्हें इन अक्षरों का ज्ञान दें। इसे हम फ्लैश कार्ड भी कहते हैं।

2. बच्चों को आस–पास के वातावरण में पाई जाने वाली K-O से शुरू होने वाली विभिन्न वस्तुओं को दिखाएं तथा उनके नाम बतायें।

जैसे– K से Kite, key, Lemon, lion, Mango, man, nest, orange आदि।

3. बच्चों को ब्लैक बोर्ड में K-O तथा (k-o) लिखकर दिखाएं तथा दोनों के बीच संबंध बताएं।

4. कोई शब्द लिखें तथा उसका पहला अक्षर खाली छोड़ दें, बच्चों से उसे भरने को कहें।

जैसे– ....nife,...ite,

2. खेल–

1. बच्चों को 'अक्षर से अक्षर मिलाओ' खेल खिलाएं तथा K-O एवं k-o अक्षरों का ज्ञान दें।

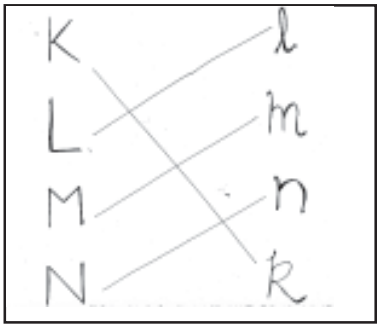

2. बच्चों को 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलायें।

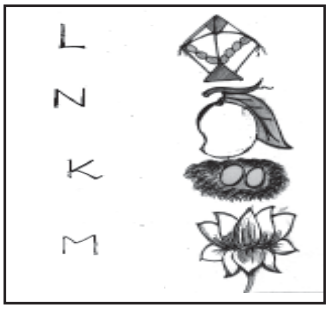

3. A-O तक के अक्षरों की कई पर्चियाँ बनायें तथा बच्चों में उन पर्चियों को बाँटें। उसके बाद एक अक्षर बोलें तथा जितने बच्चों के पास उस अक्षर की पर्ची है उनसे खड़े हो जाने को कहें।

4. **रूमाल पकड़**–बच्चों को दो टीम में बांट दें, हर टीम में बराबर बच्चे लें तथा हर टीम के बच्चों को A-O अक्षरों के नाम दें। दोनों टीमों को आमने-सामने खड़ा कर दें और उनके बीच में एक गोले में रूमाल रख दें। इसके पश्चात् अंग्रेजी के A-O तक के कोई भी एक अक्षर बोलें। उस अक्षर के नाम वाले बच्चों को दोनों टीमों में से आने को कहें। जो जल्दी से रूमाल लेकर पहले भागेगा वह जीतेगा परन्तु यदि दूसरी टीम के बच्चे ने उसे रूमाल पकड़े हुए छू लिया तो वह बाहर हो जाएगा।

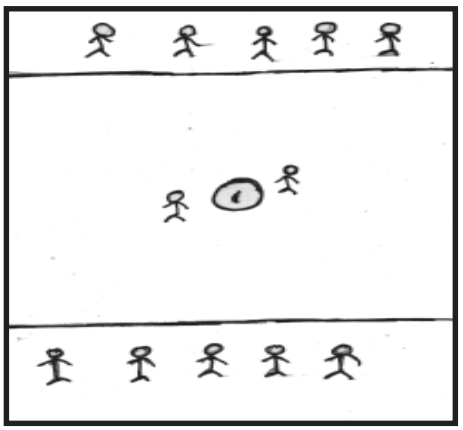

3. कलात्मक कार्य–

1 बच्चों को K-O एवं k-o लिखना सिखाने के लिए 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया करवायें।

2 अंग्रेजी के A-O तक के अक्षरों से शुरू होने वाली वस्तुओं के चित्र बनाएं तथा इन चित्रों का Collage बनावायें, जैसे- इन चित्रों में छोटी-छोटी लकड़ी के टुकड़े, दाल के दाने, पत्तियां, फूलों की पंखुड़ियां, माचिस की तिल्लियाँ इत्यादि चीजें चिपकवाएं।

3 बच्चों को K-O तक अक्षर लिख कर दें तथा इन अक्षरों को कॉपी में रंगों के द्वारा लिखने को कहें।

4. कविताएं–

K से King देश का राजा,
L से Lion जंगल का राजा
M से Monkey पेड़ पर कूदे,
N से Nest में चिड़िया चहके,
O से Owl रात में जागता

अध्याय–IV

बच्चों को P, Q, R, S, T, U तथा p, q, r, s, t, u पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 6 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. कार्डस् के द्वारा अंग्रेज़ी के P-U एवं p-u अक्षर चित्रों के साथ सिखलायें।

2. P-U से शुरू होने वाली विभिन्न चीजों से बच्चों को अवगत करायें। जैसे-Parrot, Pink, Queen, Quiz, Red, Road, Sweet, Son, Tree, Under आदि।

3. बच्चों को आस-पास पड़ी चीजों को दिखायें तथा उनका नाम पूछें।

4. बोर्ड पर बच्चों को P-U तथा p-u लिखकर दिखलाएं तथा इन दोनों के बीच संबंध बताएं।

2. खेल–

1 एक कागज में अंग्रेज़ी के बहुत सारे शब्द लिखें तथा बच्चों से कहें कि इन शब्दों में से (P से Uतक) कोई एक अक्षर ढूंढे। जो सबसे ज्यादा वह अक्षर ढूंढेगा, वह जीतेगा।

जैसे लिखें –

Sound, Planet, Earth, Ant आदि इनमें से 'P-U' शब्द ढूंढने को कहें।

2 बच्चों को 'अक्षर से अक्षर मिलाओ' खेल के द्वारा p-u तक के अक्षरों का ज्ञान दें।

3 बच्चों को 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलायें।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' खेल के द्वारा P-U एवं p-u अक्षर लिखना सिखायें।

2. अंग्रेज़ी के P-U तक के अक्षर बड़ी–बड़ी लेख में कागज में लिखें फिर थोड़ा सा रंग बना लें, एक सिक्का लें तथा सिक्के को रंग में डुबोकर उन अक्षरों पर पेन्टिंग करवायें।

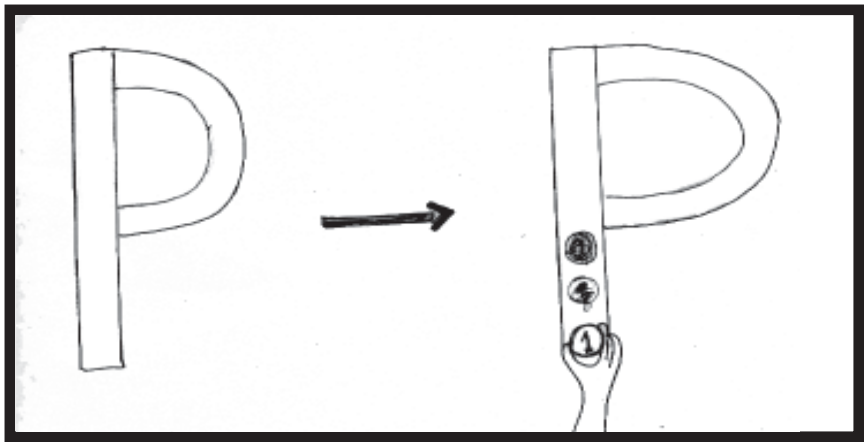

3. बोर्ड पर अंग्रेज़ी के P-U तक के अक्षर लिखें तथा बच्चों से इन अक्षरों से शुरू होने वाला कोई भी चित्र बनाने को कहें।

4. बच्चों को P-U तक के अक्षर लिख कर दें तथा उन अक्षरों को देखकर रंगों के द्वारा बच्चों से कॉपी में लिखने को कहें।

4. कविताएं–

P से Parrot मिर्ची खाता,
Q से Queen है सबकी रानी,
R से Rain से बरसे पानी,
S से Star रात में आते,
T से Teacher हमें पढ़ाते,
U से Umbrella बारिश से बचाता,

अध्याय-V

बच्चों को V, W, X, Y, Z तथा v, w, x, y, z, पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कार्डस् के द्वारा अंग्रेजी के V-Z एवं v-z पढ़ना सिखायें।

2. आस-पास के वातावरण में पाई जाने वाली विभिन्न चीजों से उन्हें अंग्रेजी के V-Z तक के अक्षरों का ज्ञान दें एवं उनके नाम भी बताएं। विभिन्न चीजें यदि मिल जाएं तो उन्हें दिखायें भी जैसे- Van, wool, Wall, White, Water, X-ray, Yellow, Zebra, Zoo आदि।

3. बोर्ड पर कुछ चित्र बनायें तथा बच्चों से उनका पहला अक्षर पूछें।

2. खेल-

1. बच्चों को 'अक्षर से अक्षर मिलाओ' खेल के द्वारा V-Z तक के अक्षरों का ज्ञान बढ़ाएं।

2. इसी प्रकार 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलायें।

3. V-Z तक के अक्षरों की कई पर्चियाँ बनायें तथा बच्चों में बाँटें तत्पश्चात् एक अक्षर बोलें एवं जितने बच्चों के पास उस अक्षर की पर्ची है उनसे खड़े हो जाने को कहें।

4. बच्चों को 'रूमाल पकड़' खेल खिलायें एवं V-Z तक के अक्षरों का ज्ञान दें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' खेल के द्वारा V-Z एवं v-z लिखना सिखायें।

2. बोर्ड पर A-Z में से कोई भी एक अक्षर लिखें तथा उन अक्षरों से संबंधित चित्र बच्चों से बनाने को कहें।

3. बच्चों को बड़े-बड़े आकार में अक्षर लिख कर दें तथा उनमें रंग भरने को कहें।

4. कविताएं-

V से Van में मोहन जाता,
W से Watch हमें समय बताती,
X से X-Mas में खुशियां आती,
Y से Yak के सींग है भारी,
Z से Zebra में होती है धारी।

अध्याय–VI

बच्चों को A-Z, a-z तक के अक्षरों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा– 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों की कॉपी में अंग्रेज़ी A-Z लिखें, परन्तु क्रम में कुछ अक्षरों को छोड़ दें। बच्चों से छोड़े गये अक्षरों को भरने को कहें।

A B ..... D E ..... G H .....

2. आस–पास के वातावरण में पाई जाने वाली विभिन्न वस्तुओं को बच्चों को दिखायें तथा इन वस्तुओं का अंग्रेजी का नाम बच्चों को बतायें परन्तु ध्यान रखें यह शब्द बोलने में सरल हों। जैसे– Cap, Cat, Train, Tree, Bird, Rag आदि।

3. एक चित्र बनायें तथा उसके सम्मुख उसका नाम लिखें परन्तु पहला अक्षर खाली छोड़ दें एवं वह बच्चों से भरने को कहें।

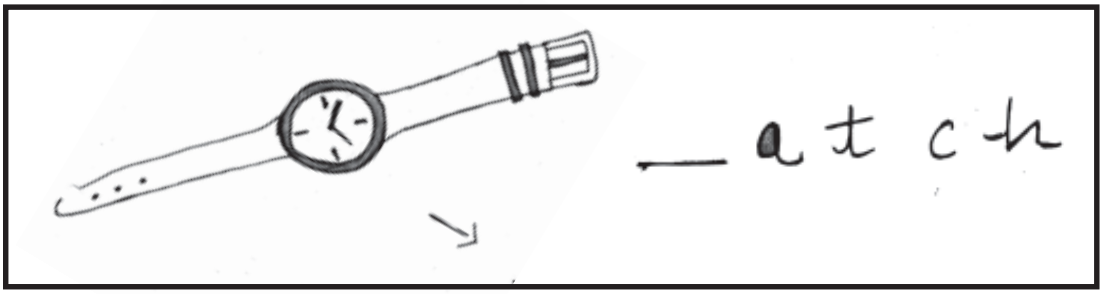

4. पहेलियों के द्वारा उनसे अंग्रेजी के अक्षरों से शुरू होने वाले विभिन्न शब्दो के बारे में पूछें।

जैसे–तीन रंग का है ये प्यारा
हवा में ये लहराता है
हर रंग कुछ कहता है
देश–प्रेम सिखलाता है,
इसके पश्चात् उन्हें इसका अंग्रेजी में नाम बतायें।

उत्तर– Flag

2. खेल–

1. बच्चों को 'अक्षर से चित्र मिलाओ' खेल खिलायें।
2. बच्चों को A-Z एवं a-z का ज्ञान देने के लिए 'अक्षर से अक्षर मिलाओ' खेल खिलायें।
3. बच्चों को A-Z की बनी हुई पर्चियाँ दें तथा उन्हें एक गोले में बिठा दें। इसके बाद कोई भी एक अक्षर बोलें तथा उस अक्षर की पर्ची लिए हुए बच्चे को खड़े होने को कहें।
4. A-Z तक की पर्चियाँ बनायें तथा उन्हें एक बड़े से बर्तन में रख दें, बच्चों के सामने कोई भी एक

अक्षर बोलें। जो बच्चा सबसे पहले उस अक्षर की पर्ची बर्तन से ढूँढ निकाले, उसे विजेता घोषित करें।

5. A-Z के कुछ कार्डस् बनायें तत्पश्चात बच्चों को तीन-तीन के ग्रुप में बुलायें एवं उन्हें कुछ समय के लिए कुछ कार्डस दिखाये, फिर वह कार्डस छुपा दें और बच्चों से कहें कि उन्हें जितने भी अक्षर याद हैं उन्हें लिखें। जो बच्चा सबसे ज्यादा अक्षर या सारे दिखाये अक्षर लिखेगा, वह विजेता घोषित होगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा उन्हें विभिन्न अक्षर लिखना सिखायें।

2. बिन्दु से बिन्दु मिलाओ-बिन्दुओं के आगे क्रम से एक अंग्रेजी का अक्षर लिखें तथा इन बिन्दुओं को इस तरह से रखें कि उनसे एक आकृति बने। इसके पश्चात बच्चों से इन बिन्दुओं को क्रम से मिलाने को कहें।

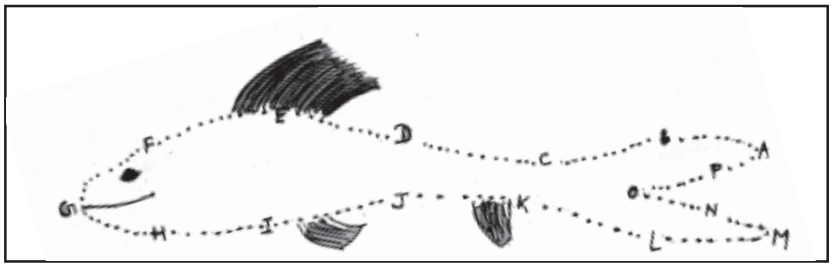

3. अंग्रेज़ी के अक्षरों से संबंधित चित्र बच्चों से बनवाएं तथा इन चित्रों में बच्चों से अंगूठे से पेन्टिंग करवाएं।

4. सैन्ड पेपर पर उभारकर कोई भी अक्षर लिखें। बच्चों की आंखें बंद कर दें एवं उन्हें हाथ से छूकर वो अक्षर बताने को कहें।

5. बच्चों से आटा गूंथने को कहें फिर उस आटे को मुलायम बनाकर विभिन्न अक्षर बनवाएं। उसके बाद उन्हें धूप में सुखाने को कहें। सूखने के बाद उनमें रंग करवा लें।

4. कविताएं-

A B C D पढ़ लो आज
E F G H आवे काम।
I J K L लम्बा लिखना।
M N O P अक्षर सीखना।
Q R S T टर-टर बोले।
U V W मुंह को खोले।
X Y Z लगता आंखों का तारा।
A B C D है बच्चों का प्यारा।

A से Apple खाने में अच्छा,
B से Ball से खेले बच्चा,
C से Cat बोले म्यांऊ-म्यांऊ,
D से Dog करे भौं-भौं,
E से Egg से सेहत बनती,
F से Fish पानी में रहती,
G से Gun से सैनिक लड़ते,
H से Home में हम सब रहते,
I से Ink से हम सब लिखते,
J से Jug से पानी पीते,
K से King देश का राजा,
L से Lion जंगल का राजा,
M से Monkey पेड़ पर कूदे,
N से Nest में चिड़िया चहके,
O से Owl रात में जगता,
P से Parrot मिर्ची खाता,
Q से Queen है सबकी रानी,
R से Rain से बरसे पानी,
S से Star रात में आते,
T से Teacher हमें पढ़ाते,
U से Umbrella बारिश से बचाता,
V से Van में मोहन जाता,
W से Watch हमें समय बताती,
X से X-Mas में खुशियां आती,
Y से Yak के सींग है भारी,
Z से Zebra में होती है धारी।

गणित

अध्याय-I

बच्चों को 1-10 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. दिन-प्रतिदिन की बातों से बच्चों को गिनतियों की पहचान करवायें जैसे-1 सूरज 2 आंखें आदि।

2. बच्चों से रोजमर्रा की बातें पूछें, जैसे-उनके घर में कितने सदस्य हैं? उनके घर में कितने कमरे हैं? इत्यादि।

3. कुछ कार्ड्स बनाएं तथा उन कार्ड्स में 1-10 तक की गिनतियाँ लिखें, इन अंकों के सामने इनका मान दिखाते हुए चित्र भी बनाएं, बच्चों को ये कार्डस दिखायें तथा चित्रों को गिनकर 1-10 तक के अंकों का ज्ञान दें।

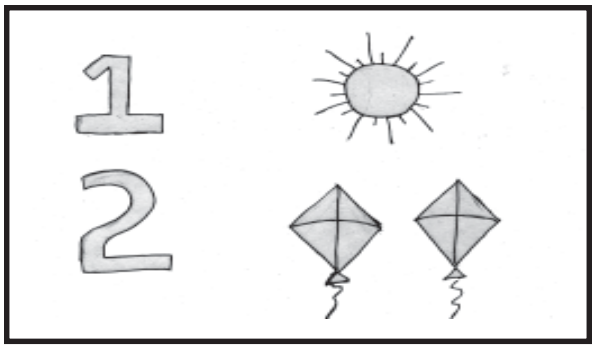

2. खेल-

1. (**कितने भाई कितने**) इस खेल के लिए 20-30 बच्चों को एक गोले में खड़ा होने को कहें। आप बच्चों से कहें कि, 'कितने भाई कितने' बच्चे बोलें 'आप कहे उतने'

उसके पश्चात् आप एक अंक 1-10 के बीच में बोलें और बच्चों से कहें कि उस संख्या के अनुसार वे अपने आप को ग्रुप में बांटें, इस प्रकार ग्रुप में बंटने के बाद जो बच्चे रह जाएगें वे खेल से बाहर होते जाएंगे, इसी क्रम से ये खेल खिलायें।

2. 1-10 तक के बीच की कोई भी गिनती बोलें तथा बच्चों से अपने आस-पास के वातावरण से उतनी वस्तुएं एकत्रित करने को कहें। जैसे पत्थर, पत्ते, खाली बोतलें आदि।

जो बच्चा सबसे कम समय में सही संख्या की वस्तुएं एकत्रित करेगा, वह विजेता घोषित होगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा 1-10 एवं 1-10 लिखना सिखायें।

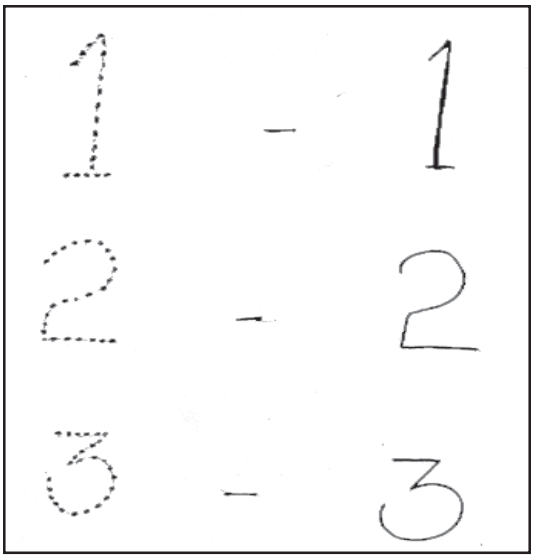

2. बड़ी लेख में 1-10 तक अंक लिखें एवं बच्चों से उन्हें हाथ से फाड़कर अपनी कॉपी में क्रम से चिपकाने को कहें, उनमें रंग भरने को भी कहें।

3. बच्चों को एक अंक 1-10 के बीच का लिख कर दें तथा कहें कि उस अंक के सम्मुख उसकी संख्या को दर्शाते हुए सही चित्र बनाएं।

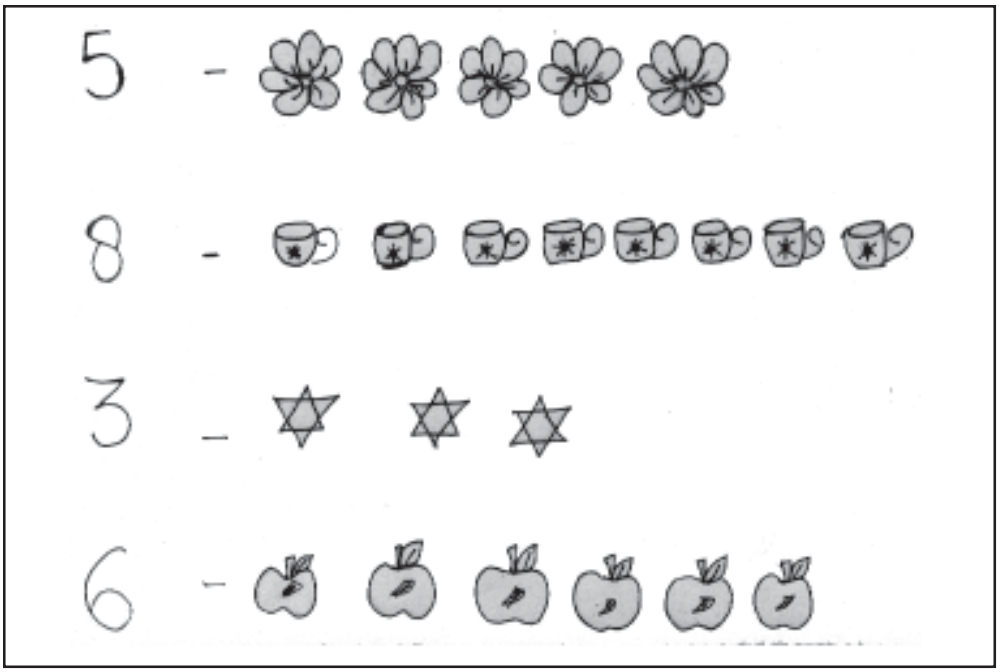

4. कविताएं-

हंस भी दो
3-4 सीखो सदाचार,
5-6 ईश्वर एक है,
7-8 रोज पढ़ो पाठ,
9-10 जोर-जोर से हंस,

एक पेड़ पर एक थी मैना,
दो थे उसके सुंदर नैना,
तीन थे उसके छोटे बच्चे,
चार दिनों में उड़ना सीखा,
दूर कहीं एक दाना देखा
वहां उतर कर दाना खाया
पांचवें दिन वो वापस आया
मैना ने बच्चों को बताया
बेटा ज्यादा दूर ना जाना
जल्दी वापस घर आ जाना!

एक, दो, तीन, चार,
बच्चो कर लो सबसे प्यार।
पांच, छह, सात, आठ,
बच्चों पढ़ लो अपना पाठ।
गिनती सीखे नौ और दस।
बच्चो करो नमस्ते बस।

अध्याय-II

बच्चों को 11-20 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. काड्र्स एवं चित्रों के माध्यम से बच्चों को 11-20 तक के अंकों का ज्ञान दें।

2. बच्चों के सामने 11-20 के बीच का एक अंक बोलें एवं उस अंक के मान के बराबर कुछ क्रियाएं करने को कहें। जैसे- 12 कदम आगे चलो

18 तालियाँ बजाओ

20 बार अपने स्थान पर कूदो इत्यादि।

2. खेल-

1. बच्चों को बारी-बारी बुलायें तथा एक संख्या 11-20 बोलें, बच्चों से कहें कि उस संख्या के मान के बराबर पत्थर रखें, इसके लिए उन्हें आस-पास के वातावरण से पत्थर एकत्रित करने को कहें।

2. बच्चों को दो टीम में बाँटे तथा एक-एक टोकरी या बर्तन दे दें। इसके पश्चात् एक टोकरी में 20 बॉलें रख दें, बच्चों को एक रेखा के पीछे खड़ा कर दें तथा उनसे 15 कदम दूरी पर बॉलों वाली टोकरी रख दें। उस टोकरी के साथ में ही दो टोकरियां भी रख दें, बच्चों को एक अंक दें तथा उस संख्या के मान के बराबर बॉलें अपनी टोकरी में रखने को कहें। जो बच्चा जल्दी क्रिया समाप्त करेगा, उसकी टीम विजेता घोषित होगी।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा 11-20 लिखना सिखायें।

2. कुछ कागजों पर विभिन्न अंक लिखें, बच्चों से उन अंकों के ऊपर तिल्लियाँ चिपकाने को कहें।

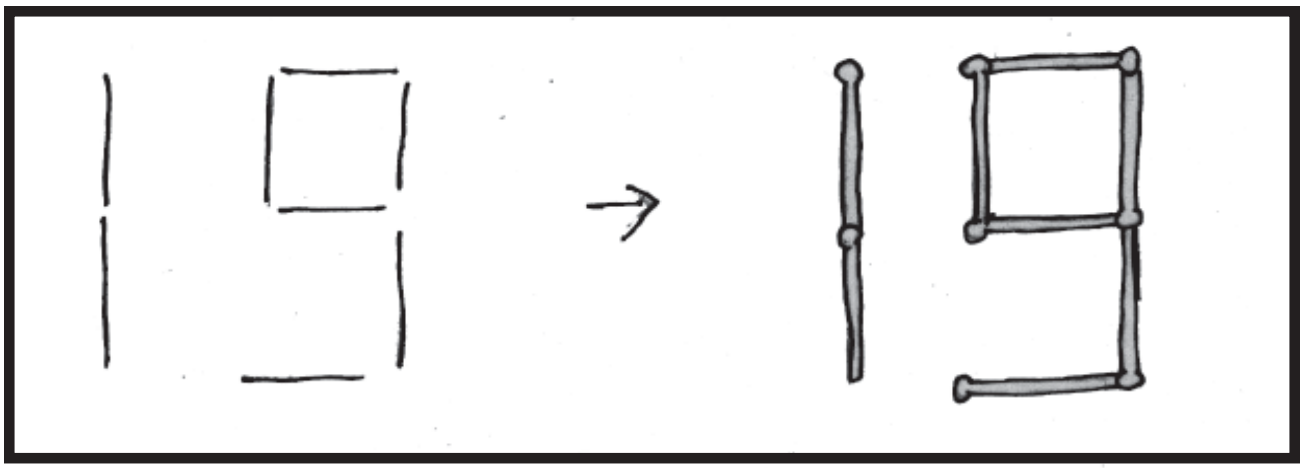

3. कविताएं-

11 साल की मेरी उम्र थी,
और उस दिन 12 तारीख थी,
मुझे घर जाने की जल्दी थी,
13 नम्बर की बस पकड़कर,
बैठा 14 नम्बर की सीट पर,
15 रुपए का टिकट बनाया,
16 मिनट में स्टेशन आया

अध्याय-III

बच्चों को 21-30 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कैलेन्डर दिखायें तथा कैलेन्डर पढ़ना सिखाने के साथ-साथ उसके द्वारा उन्हें गिनतियों की पहचान करना सिखाएं, क्रम भी सिखायें।

2. बच्चों को दाल के दाने दें तथा उसे 21-30 तक कोई भी संख्या दें व उतने दाने अलग करने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को गोले में खड़ा करें तथा बच्चों में कुछ पर्चियां बाँट दें जिन पर 21-30 तक गिनती लिखी हुई हों। उसके बाद आप कोई भी एक अंक बोलें और जिन बच्चों के पास उस गिनती को पर्ची हो वे एक ग्रुप बनायें।

2. बच्चों को कुछ कार्डस दे, जिन पर 21-30 तक संख्या लिखी हुई हो। बच्चों से कहें कि अपने आस-पास के वातावरण से उस अंक के मान जितनी वस्तुएं एकत्रित करें।

3. कॉपी में बच्चों से सही जोड़े मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा 21-30 एवं 21-30 लिखना सिखायें।

2. बोर्ड पर 21-30 लिखना सिखायें।

3. बोर्ड पर 21-30 तक के अंक लिख दें एवं उन्हें देखकर बच्चों को अपनी कॉपी में रंगों से लिखने को कहें।

4. बच्चों को बोर्ड पर कुछ आकृतियों द्वारा नम्बर सिखाएं फिर उन्हें उसमें रंग भी करने को कहें।

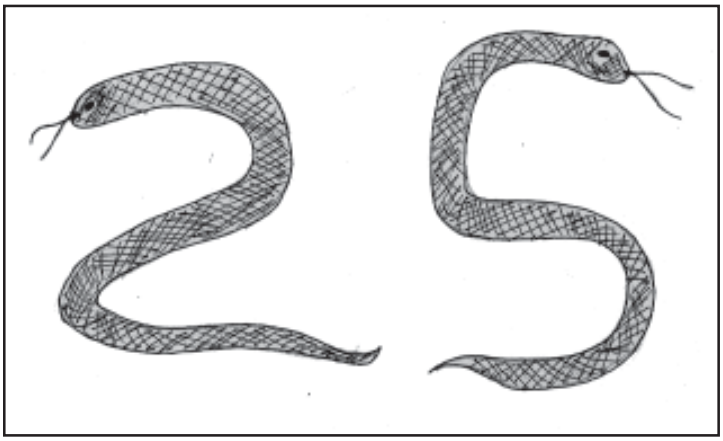

अध्याय-IV

बच्चों को 31-40 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. 'काड्र्स' के द्वारा बच्चों को ज्ञान दें।
2. किसी भी बच्चे को खड़ा करें एवं उसे बाकी उपस्थित बच्चों को गिनने को कहें।
3. बच्चों के सामने छोटे-छोटे पत्थर रख दें तथा उन्हें बारी-बारी से बुलाकर पत्थरों को गिनने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों से संख्या के मान के बराबर चीजें एकत्रित करने को कहें।
2. सही जोड़े मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा 31-40 एवं लिखना सिखाएं।

2. अंकों को देखकर उन्हें कॉपी में रंगों से लिखने को कहें।

3. विभिन्न आकृतियों द्वारा बच्चों को 31-40 लिखना सिखाएं व उसमें रंग भी भरने को दें।

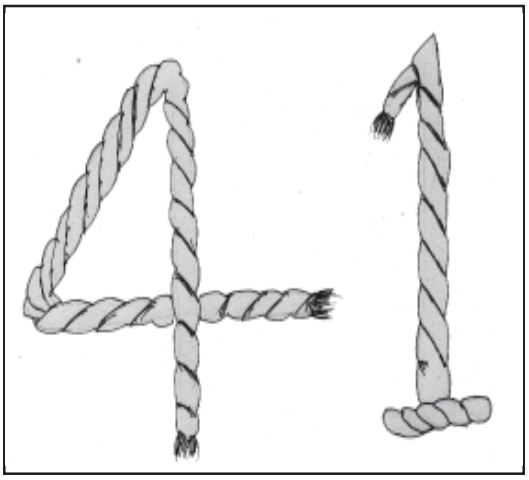

अध्याय-V

बच्चों को 41-50 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को 0-9 तक के फ्लैश कार्डस से 41 से 50 तक नम्बर बनाकर दिखाएं व उनसे भी बनाने को कहें।

2. बच्चों के सामने छोटे-छोटे पत्थर रख दें तथा उन्हें बारी-बारी से बुलाकर पत्थरों को गिनने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों से किसी संख्या के मान के बराबर चीजें एकत्रित करने को कहें।

2. ब्लैक बोर्ड पर एक सारणी बनाए व कुछ खाने खाली छोड़ें व बच्चों को इसे अपनी कॉपी में बनाकर खाली स्थान भरने को कहें जो सभी खाने सही भरेगा वो जीतेगा।

1	9		25	33	41	49	57
2	10	18	26		42		58
3		19	27	35		51	59
	12	20			44	52	60
5	13		29	37		53	
	14	22	30		46	54	
7			31	39	47		
8	16	24		40	48	56	

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को 'बिन्दु मिलाओ' क्रिया के द्वारा 41-50 लिखना सिखायें।

2. अंकों को देखकर उन्हें कॉपी में रंगों के द्वारा लिखने को कहें।

अध्याय-VI

बच्चों को 51-70 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 6 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कार्ड्स के द्वारा संख्या का ज्ञान दें तथा 0-9 तक के फ्लैश कार्ड्स द्वारा 51-70 तक नम्बर बनाने को दें।

2. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर रिक्त स्थान भरने को कहें। जैसे-51, 52,....54....56... 57 आदि।

2. खेल-

1. फ्लैश कार्ड्स की सहायता से बच्चों को 51-70 तक कोई नंबर बनाने को दें जो बच्चा सहीं बनाए उसे प्रोत्साहित करें।

2. बच्चों को अंक लिखी पर्चियां दें। बच्चों को अपनी पर्चियों पर लिखी हुयी संख्या के बराबर चित्र

बनाकर एक दूसरे को बांटने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को बिन्दु मिलाओ क्रिया के द्वारा संख्या लिखना सिखायें।
2. विभिन्न आकृतियों द्वारा बच्चों को 51-70 लिखना सिखाएं। जैसे

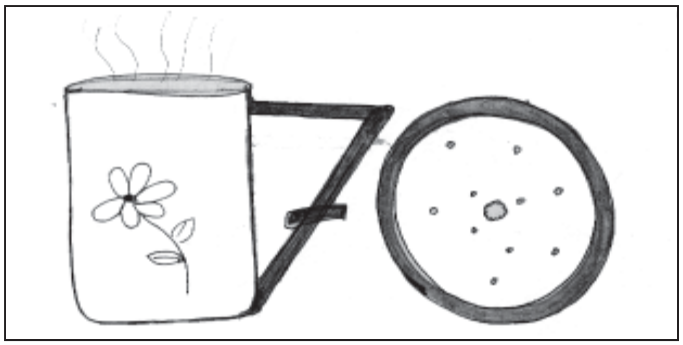

अध्याय-VII

बच्चों को 71-90 तक पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 6 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. 0-9 तक के फ्लैश काड्र्स से 71-90 तक नंबर बनाना सिखाएं।
2. ब्लैक बोर्ड पर रिक्त स्थान भरने को कहें।

71	72		74	75
76		78		80
	82		89	85
86		88		90

2. खेल-

1. बच्चों को कुछ अंक लिखी पर्चियां दें। बच्चों को अपनी पर्ची पर लिखी हुई संख्या का चित्र बनाकर रंग भरने को कहें। 1-9 तक के अंक को अलग रंग दें। बने हुए चित्रों को आपस में बांटें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को बिन्दु मिलाओ क्रिया के द्वारा संख्या लिखना सिखाएं।
2. अंकों को देखकर उन्हें कॉपी में लिखने को कहें।

अध्याय-VIII

बच्चों को 91-100 पढ़ना सिखाना तथा अंकों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा- 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कार्डस के द्वारा संख्या का ज्ञान दें।
2. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर रिक्त स्थान भरने को दें।

2. खेल-

1. बच्चों को एक रेखा के पीछे खड़ा करें तथा थोड़ी दूरी पर कोई वस्तु रख दें। बच्चों से उस वस्तु को कम से कम कदमों में लाने को कहें, जो बच्चे सबसे कम कदमों में वस्तु लाएंगे वो विजेता होंगे।
2. बच्चों को अपनी पर्चियों पर लिखी हुई संख्या के अनुसार ग्रुप बनाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. सभी बच्चों को बराबर-बराबर कटे हुए 9 कागज दे व उस पर बड़े-बड़े व सुन्दर अक्षरों में 0-9 तक नम्बर लिखने को कहें। बन जाने पर उनसे विभिन्न नम्बर बनाने को कहें जैसे-51,

59, 60, 12, 34 आदि।

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I

बच्चों को 'आकार' का ज्ञान देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. अलग-अलग आकार की विभिन्न चीजें एकत्र करें जैसे सिक्का (गोल), कागज (आयात), समोसा (त्रिभुज) ढक्कन (गोल) इत्यादि तथा बच्चों को इन चीजों के माध्यम से विभिन्न आकारों क्रमशः गोल, त्रिभुज, आयत व वर्ग आदि का ज्ञान दें।

2. बच्चों को हर आकार की दो-दो वस्तुएं बताने को कहें न बता पाने पर आप उन्हें बताएं जैसे-

गोल-चांद, सिक्का, रोटी, थाली, सूरज, बॉल, पहिया, चूड़ी आदि।

त्रिभुज-समोसा, पहाड़, टैन्ट, जोकर की टोपी आदि।

वर्ग-पतंग, ब्रेड, सीडी कवर, कैरम बोर्ड, पासा (गोटी) आदि।

आयत- नोट (रुपए), किताब या कॉपी का पेज, मोबाइल आदि।

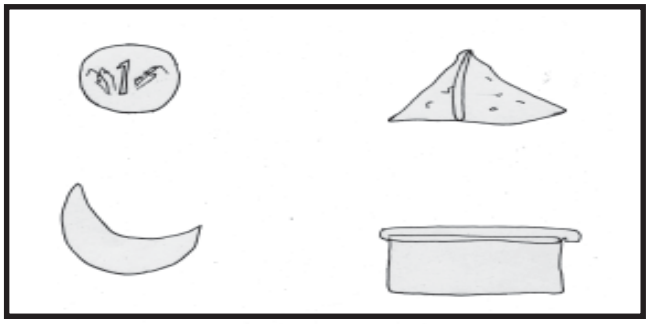

3. बच्चों से कहे कि वह अपने साथियों का हाथ पकड़कर खड़े हों, इसके पश्चात उन्हें किसी आकार में खड़े होने का निर्देश दें जैसे गोला, त्रिभुज आदि।

2. खेल-

1. बच्चों को दो टीमों में बांट लें अब दोनों टीमों को एक-एक सदस्य चुनने को कहें जो सवालों के जवाब दें। अब बारी-बारी से उस बच्चे को कई आकार दिखाएं व उसका नाम पूछें। सही बताने पर अंक दें। दोनों टीम से अलग-अलग आकार पूछें। अंत में अधिक सही जवाब देने वाली टीम को विजेता घोषित करें।

2. जमीन पर एक बड़ा गोला बनाएं और बच्चों को इसके बाहर गोल-गोल घूमने को कहें, साथ ही इसका नाम दोहराने को कहें। बच्चों को यह भी बताए कि वृत्त में कोई कोना नहीं होता।

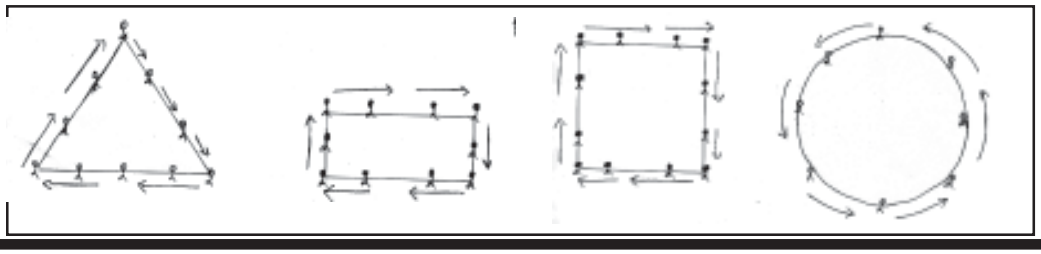

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पेपर पर अलग-अलग आकृतियों जैसे गोल, त्रिभुज, वृत्त आदि बना कर दें व बच्चों को इसमें रंग भरने को दें।

2. बच्चों को पंतगी कागज या अखबार पर अलग-अलग आकार बना कर उसे काटने को कहें। उसके पश्चात् इसे किसी पेपर पर चिपकाने को भी कहें।

3. बच्चों को किसी आकार से मिलती जुलती दो चीजों के चित्र बनाने को कहें।

4. कविताएं-

दादा जी का डंडा गोल
अम्मा जी की ऐनक गोल
मम्मी जी की रोटी गोल
पापा जी का पैसा गोल
सारी दुनिया गोल-मटोल

अध्याय-II

बच्चों को विभिन्न 'रंगों' की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. आस-पास के वातावरण से अलग-अलग रंगों की विभिन्न वस्तुएं एकत्रित करें तथा बच्चों को दिखाएं एवं उन रंगों के नाम बताएं। जैसे : पत्ती-हरी, बाल-काले, कागज-सफेद, गुलाब का फूल-लाल

2. बच्चों को किसी पार्क में ले जाकर विभिन्न चीज़ें दिखायें एवं उनके रंग बताएं।

3. बच्चों से बातों-बातों में उनके कपड़ों के रंग, उनके साथियों के कपड़ों के रंग, बालों का रंग इत्यादि का ज्ञान दें।

2. खेल-

1. बच्चों को एक गोले में बिठायें तत्पश्चात्, बोलें 'कटी पतंग'। बच्चे बोले 'कौन सा रंग'

फिर आप कोई भी एक रंग का नाम लें, बच्चों से उस रंग की कोई भी वस्तु अपने आस-पास के वातावरण से उठा कर लाने को कहें, जो बच्चा सबसे पहले वस्तु लाएगा, वह विजेता घोषित होगा।

2. बच्चों को दो टीम में बांट दें, उसके बाद किसी एक टीम के किसी एक बच्चे की आंखें बंद करें और दूसरी टीम के बच्चों ने जिस रंगों के कपड़े पहने हैं, उनमें से कोई भी एक रंग बोलें और उस बच्चे को बुलाएं, जैसे-यदि किसी बच्चे ने लाल कपड़े पहने है तो-

'आ जा मेरी लाल परी, धीरे से तू आना शोर ना मचाना, धीरे से मारकर चली जाना।'

तत्पश्चात् उस बच्चे की आंखें खोलें और दूसरी टीम के पास उस बच्चे को ले जाकर, लाल रंग के कपड़े पहने हुए बच्चे को पहचानकर छूने को कहें, यदि वह सही बच्चे को पहचान ले, तो पहचाने गए बच्चों की आंखों पर पट्टी बांधे व इसी क्रिया को दोहराएं।

3. अलग-अलग रंगों के बहुत सारे मोती एकत्रित कर लें तथा बच्चों से एक जैसे रंग के मोतियों का समूह बनाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों की कॉपियों पर इन्द्रधनुष बनवाएं तथा साथ ही साथ उसके सात रंगों का ज्ञान दें व उन्हें उस इन्द्रधनुष में वह सात रंग भरने को कहें।

सहायता के लिए उन्हें इन्द्रधनुष का एक चित्र दिखाएं।

2. बच्चों की कॉपी पर विभिन्न चित्र बनाएं जैसे-घर, पेड़, फूल इत्यादि। तत्पश्चात् रंगीन कागजों को एकत्रित करें तथा बच्चों से उन कागजों के छोटे-छोटे टुकड़े करवाएं व उन चित्रों में चिपकाने को कहें।

3. बच्चों को कुछ पतंगी कागज दें। उनसे कोई चित्र बनाकर, उसे काटकर कागज पर चिपकाने को कहें। दिए गये कागज का रंग बच्चों से पूछें पता न होने पर उन्हें बताएं।

4. कविताएं-

हरा हूं भई हरा हूं
हरे रंग का तोता हूं
चोंच मेरी लाल है
लाल मिर्ची खाता हूं
हरे पेड़ पर बैठा हूं।
तोता हूं मैं तोता हूं।

टिंकू ने एक चिड़िया पाली
नीली, लाल वो प्यारी-प्यारी
एक दिन चिड़िया को चढ़ा बुखार
चिड़िया गई डॉक्टर के पास,
डॉक्टर ने लगाई सुई
चिड़िया बोली ऊई-ऊई।।

नोटः इन सभी खेलों, तथा कविताओं आदि के माध्यम से आप बच्चों को विभिन्न रंगों के बारे में जानकारी दें। तथा यदि कोई अन्य खेल, कविता या कलात्मक कार्य आप जानते हों वह भी बच्चों को सिखायें।

अध्याय-III

बच्चों को शरीर के अंगों के बारे में जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को एक साथ बैठाकर उन्हें शरीर के अंगों के बारे में बताएं व उनसे कुछ प्रश्न पूछें जैसे-
- खाना खाने के लिए वे शरीर के किस अंग का प्रयोग करते हैं?
- शरीर का कौन सा अंग देखने में मदद करता है?
- सुनने में शरीर का कौन सा अंग मदद करता है?
- चलने में शरीर का कौन सा अंग प्रयोग में आता है?

2. बच्चों को बताएं कि किस अंग की क्या उपयोगिता है व उनके नाम भी याद करवाएं।

3. बोर्ड पर आप बच्चों को शरीर के कुछ अंगों के चित्र बनाकर दिखा सकते हैं।

2. खेल-

1. बच्चों को एक गोला बनाने को कहें स्वयं गोले के बीच में खड़े हो जाएं, और बच्चों को आपका अनुसरण करने को कहें। जैसे: पैर हिलाना, आंख झपकाना, कूदना, हाथ हिलाएं, कान पकड़ें आदि।

2. बच्चों को राजा ने कहा खेल खिलाएं। इसके लिए सब बच्चों को गोले में खड़ा करें। अब बच्चों से कहें कि जब आप किसी निर्देश के आगे 'राजा ने कहा' लगाएं तो उसका पालन करें व यदि 'मैंने कहा' लगाएं तो उसे न माने अब जल्दी-जल्दी निर्देश दें, राजा ने कहा हाथ उठाओ, राजा ने कहा हाथ नीचे करो, राजा ने कहा पलके झपकाओं, मैंने कहा बैठ जाओ, जो बच्चे बैठ जाएंगे वह खेल से बाहर हो जाएंगे इसी प्रकार खेल को आगे बढ़ाएं।

3. कलात्मक कार्य-

1 बच्चों को शरीर के विभिन्न अंगों जैसे-होंठ,आंखें, कान, हाथ आदि के चित्र बनाने को कहें व इनमें रंग भी भरने को कहें।

2 बच्चों को अपने किसी दोस्त या सहेली का चित्र बनाने को कहें। इसके बाद बच्चों से पूछे कि उस चित्र में नाक, कान, आखें, हाथ आदि कहां हैं।

अध्याय-IV

बच्चों को विभिन्न 'फलों' और 'सब्जियों' के बारे में जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में पूछें जैसे-वह कौन-कौन सी सब्जी एवं फल खाते हैं, उन्हें कौन सा फल पसंद है इत्यादि।

2. इस प्रकार से बच्चों को विभिन्न फल एवं सब्जियां दिखाएं साथ ही साथ उनके बारे में उचित जानकारी भी दें।

3. कुछ कार्ड्स जिनमें एक तरफ विभिन्न फलों एवं सब्जियों के चित्र बने हों दूसरी तरफ उनके नाम लिखें हो बच्चों को दिखाएं तथा इनका ज्ञान दें।

2. खेल -

1. कुछ पर्चियां जिनमें, विभिन्न फलों के चित्र बने हों, बच्चों के सामने रखें। इसके बाद बच्चों को एक-एक पर्ची चुनने को कहें तथा एक पंक्ति में खड़े हो जाने को कहें, फिर आप उन फलों से संबंधित कोई एक रंग बोलें तथा बच्चों से कहें कि उस रंग से संबंधित फलों की पर्ची जिसके भी पास है वो आकर आपको छुए। इसी प्रकार बच्चों को फूलों एवं सब्जियों का ज्ञान देने के लिए फलों की पर्चियां की जगह सब्जियों की पर्चियां से अभ्यास करायें।

2. कुछ पर्चियां बनाएं जिनमें विभिन्न सब्जियों के नाम लिखें। बच्चों को बारी-बारी बुलाएं एवं एक पर्ची उठाने को कहें, उसके पश्चात् बच्चों से कहें कि उनकी पर्ची में जिस सब्जी का नाम आया है वह उस सब्जी की विशेषताएं बताए। रंग, आकार, स्वाद इत्यादि।

इसी प्रकार बच्चों को फलों का ज्ञान देने के लिए सब्जियों के स्थान पर फलों की पर्चियां बनाएं।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से विभिन्न फलों एवं सब्जियों के चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें, तथा उनको नाम भी याद करवायें।

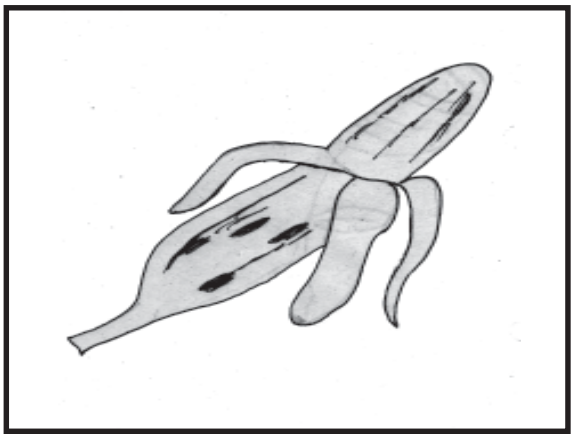

2. अखबार एवं पत्रिकाओं में से बच्चों से विभिन्न फलों, फूलों एवं सब्जियों के चित्र काटकर अपनी फाइल में चिपकाने को कहें।

3. आप बच्चों को घुमाने ले जा सकते हैं और वहां विभिन्न फल एवं सब्जियां दिखा सकते हैं।

4. कविताएं

आओ भई आओ, क्या भई क्या
बड़े-बड़े सेब वाह भई वाह
छोटे-छोटे अंगूर वाह भई वाह
मीठे-मीठे आम वाह भई वाह
खाओ भई खाओ, वाह भई वाह।

सभी फलों का राजा आम
मीठा-मीठा ताजा आम।
आओ बच्चो ले लो आम।
प्यारे बच्चो खाओ आम।।

• इन सभी गतिविधियों से बच्चों को फलों तथा सब्जियों के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा। बच्चों को उनके आसपास के वातावरण से ही उदाहरण दें।
• खेल खिलाते समय सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

अध्याय-V

बच्चों को जानवरों के नामों की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को जानवरों के बारे में बताएं तथा आस-पास मौजूद जानवर जैसे-कुत्ता, बिल्ली, गाय, भैंस, घोड़ा आदि के बारे में बताएं।

2. ऐसे कार्ड्स जिन पर जानवरों के चित्र बनें हों बच्चों को दिखाएं व इनके बारे में जानकारी दें।

3. स्वयं बच्चों से पूछें कि उन्होंने कौन से जानवर देखे हैं।

4. बच्चों को जानवरों के नाम, उनकी आवाज व उनकी विशेषताएं बताएं।

2. खेल-

1. अलग-अलग जानवरों के नाम वाली पर्चियां एक बर्तन में रखें, तथा एक-एक करके बच्चों को बुलाएं व एक पर्ची उठाने को कहें, जिस भी जानवर का नाम आए बच्चे को उस जानवर की आवाज निकालने को कहे।

2. अलग-अलग बच्चों को एक मिनट में 10 जानवरों के नाम बताने को कहें या लिखने को दें, जो सबसे पहले पूरा करे उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को जानवरों के मुखौटे बनाने को दें व उनकी मदद करें, उन मुखौटों में बच्चों से रंग करवाएं।
2. अखबार एवं पत्रिकाओं में से जानवरों के चित्र काटकर उन्हें कागज़ पर चिपकानें को कहें।

4. कविताएं-

हाथी राजा बहुत बड़े,
सूंड हिलाकर कहां चले,
मेरे घर भी आओ ना,
हलवा पूड़ी खाओ ना,
हाथी बैठा कुर्सी पर,
कुर्सी बोली चर्र-चर्र-चर्र।।

घोड़े जल्दी चलो जल्दी चलो,
जल्दी चलो भाई,
दाना पानी खूब मिलेगा,
खूब मिलेगी मलाई
घोड़े जल्दी चलो,
जल्दी चलो देर न करो भाई।

लकड़ी की काठी।
काठी पे घोड़ा,
घोड़े की दुम पे,
जो मारा हथौड़ा,
दौड़ा, दौड़ा, दौड़ा,
घोड़ा दुम दबा के दौड़ा।

जंगल का है राजा शेर,
ना खाये मूंगफली न ही बेर।
दिन भर सोता पैर पसार।
रात को करता सदा शिकार।।

जानवरों से सम्बन्धित खेल व कविताएं बच्चों से भी पूछें। संभव हो सके तो बच्चों को चिड़ियाघर लेकर जाएं तथा बच्चों को विभिन्न जलीय, स्थलीय तथा पालतू जानवरों के विषय में जानकारी दें।

अध्याय-VI

बच्चों को पक्षियों के बारे में जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. पक्षियों के बारे में जानकारी देने के लिए बच्चों को विभिन्न चिड़ियों की आवाज, रंग, चोंच इत्यादि के बारे में पूछें तथा जानकारी दें।

2. बच्चों को पक्षियों के चित्र दिखाएं व उनकी ध्वनि भी बताएं जैसे कौवा,-कांव-कांव, चिड़िया-चीं-चीं।

3. बच्चों से पूछें कि उन्होंने कौन-कौन से पक्षी देखे है, उन्हें आप भी कुछ पक्षियों के चित्र दिखाएं जैसे कौवा, तोता, चिड़िया, बाज आदि।

2. खेल-

1. बच्चों को एक सीधी लाइन में खड़ा करें अब बच्चों से कहें कि किसी पक्षी का नाम बोले जाने पर वह एक कदम आगे कूदे व जानवर का नाम आने पर अपने स्थान पर ही खड़े रहे। अब जल्दी-जल्दी जानवर व पक्षियों के नाम बोलें, जो बच्चा जानवर के नाम पर भी आगे कूदेगा व खेल से बाहर हो जाएगा।

2. बच्चों को एक गोले में बिठाएं तथा प्रत्येक बच्चे से अपनी एक उंगली जमीन पर रखने के लिए कहें, इसके बाद आप किसी पक्षी, वस्तु, पशु या अन्य वस्तुओं का नाम लें, तथा बच्चों को पक्षियों का नाम आने पर ही उंगली उठाने को कहें। यदि कोई बच्चा पक्षियों के अलावा किसी न उड़ने वाली वस्तु पर उंगली उठाए तो वह खेल से बाहर हो जाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से पक्षियों का चित्र बनाने को कहें, जिसके लिए पहले उन्हें पक्षियों के चित्र दिखायें, चित्र बनाने के पश्चात् उन्हें उनमें रंग भी भरने के लिए कहें।

2. बच्चों को कागज पर पक्षियों के चित्र बनाकर दें तथा उन्हें उसमें अपने अंगूठे से रंग भरने को कहें।

3. बच्चों को कुछ पुराने अखबार व पत्रिकाएं दे व उसमें से पक्षियों के चित्र ढूंढकर पेपर में चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

चीं चीं करती आई चिड़िया,
दाल का दाना लाई चिड़िया,
कौआ भी बोला कांव-कांव,
मुर्गी भी बोली कुकडू-कू,
कोयल बोली कू-कू।

इन सभी गतिविधियों से बच्चों को पक्षियों के विषय में बताएं। कोशिश करें कि गतिविधियों में सभी बच्चे अपनी समान भागीदारी दें।

अध्याय–VII

बच्चों को त्यौहारों के नामों की जानकारी देना

समय सीमा– 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. अलग–अलग त्यौहारों से सम्बन्धित चित्र बच्चों को दिखलायें तथा इन त्यौहारों का महत्व, एवं कुछ विशेष जानकारी बतायें, साथ ही साथ छोटे स्तर पर इन त्यौहारों को इनके साथ मनायें।

2. यह त्यौहार होली, दीपावली, राखी, ईद आदि हो सकते हैं।

3. कुछ कार्ड्स जिनमें होली, दीपावली, रक्षाबन्धन, दशहरा आदि त्यौहारों में प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के चित्र बने हों जैसे–पिचकारी, फुलझड़ी, दीये, राखी आदि, बच्चों को दिखाएं तथा बच्चों को इन चित्रों का त्यौहारों से सम्बन्ध बतायें।

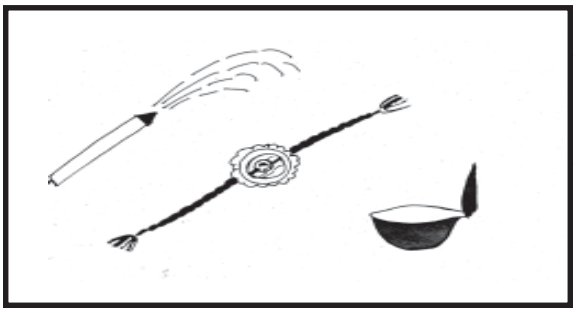

2. खेल–

1. कुछ पर्चियां बनायें, तथा उनमें विभिन्न त्यौहारों के नाम लिख दें, बच्चों को बारी–बारी से बुलायें, तथा एक पर्ची उठाने को कहें, उस पर्ची में जिस त्यौहार का नाम हो, उस त्यौहार से सम्बन्धित जानकारी बच्चे को दें।

2. बच्चों से किसी त्यौहार से संबंधित कोई नाटक करवाएं।

3. कलात्मक कार्य–

1. विभिन्न त्यौहारों में प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
जैसे– पिचकारी, फुलझड़ी, दीया आदि।

2. बच्चों को आटे से दीये बनाना, फूलों से रंग बनाना, राखी बनाना इत्यादि सिखायें। दीये गूंथे हुए आटे से बनवायें तथा उन्हें सूखने को रख दें, राखी बनाने के लिए बच्चों को पुराने धागों के इस्तेमाल से राखी बनवायें।

3. बच्चों को त्यौहारों के मनाए जाने के कारणों पर कहानी सुनाएं अथवा नाटक करवायें।

4. कविता–

होली आई–होली आई,
रंग–बिरंगी होली आई।
हर घर से गुझिया की खुशबू लायी।
पिचकारी की बौछारें लाई,
होली आई, होली आई।

बच्चों को त्यौहारों का महत्व बताएं।

अध्याय-VIII

बच्चों को ट्रैफिक लाइट की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों के साथ ट्रैफिक लाइट की बातें करें और पूछें कौन-कौन सा बच्चा ट्रैफिक लाइट के पास रहता है।

2. बच्चों से पूछें कि किस-किस ने ट्रैफिक लाइट देखी है, उसमें कितने रंग हैं तथा किस रंग का क्या अर्थ है। पता न होने पर बच्चों को समझाएं।

3. बच्चों को बताएं ट्रैफिक लाइट की जरूरत क्यों पड़ती है और इसके न होने से क्या होगा।

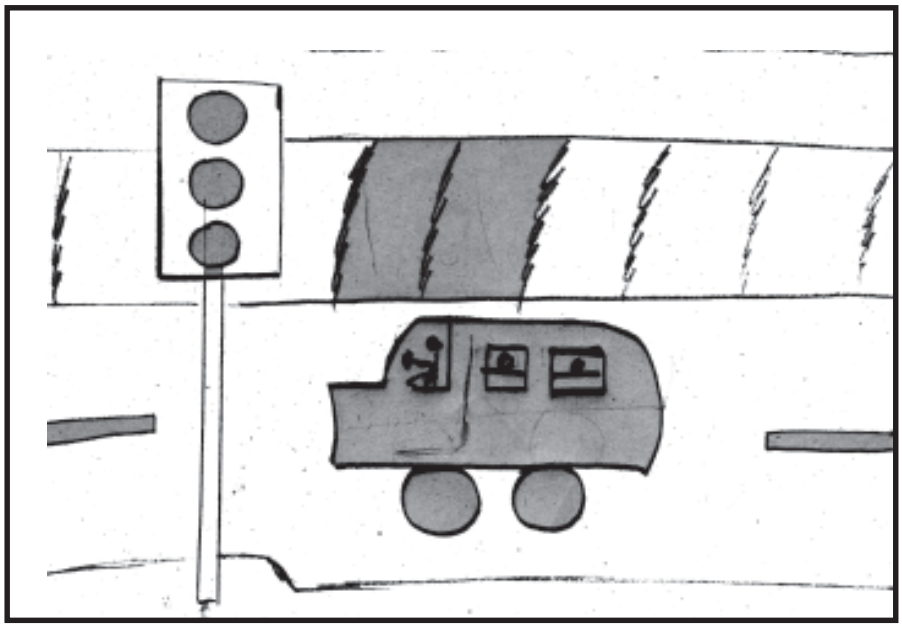

2. खेल-

1. सभी बच्चों को एक गोले में खड़ा होने को कहें। उन्हें कहें कि जैसे लाल बत्ती होने पर सब गाड़ियां रूक जाती हैं, उन्हें भी रुकना है व हरी बत्ती होने पर गाड़ियां चल पड़ती हैं, उन्हें भी वैसे ही चलना है। अब बच्चों को गोल-गोल घूमने को कहें, संचालक बीच में 'लाल' या 'हरा' बोले जो बच्चा निर्देश अनुसार गोले में नहीं चल पाएगा वह आउट हो जाएगा।

2. बच्चों को 'कटी पतंग' वाला खेल खिलाएं। (देखें पृष्ठ 46 पर)

3. कलात्मक कार्य-

1. ट्रैफिक लाइट पढ़ाने के लिए बच्चों को मोटे कागज के तीन बड़े-बड़े गोले काटकर उनमें लाल, पीला व हरा रंग भरने को कहें, तत्पश्चात् उन्हें ट्रैफिक लाइट जैसे ही क्रम में लगाने को कहें।

4. कविता-

किसने देखी ट्रैफिक लाइट
हमने देखी ट्रैफिक लाइट
कितने रंग है उसमें भाई
तीन रंग है उसमें भाई
सबसे ऊपर कौन सा रंग, क्या संकेत वो देता है?
लाल रंग है सबसे ऊपर, रुकने को वो कहता है।
बीच में बोलो कौन सा रंग क्या हमको सिखलाता है?
पीला रंग है बीच में, झटपट तैयार रहो बतलाता है।
सबसे नीचे कौन सा रंग, क्या हमको बतलाता है?
हरा रंग है सबसे नीचे, चलने को वो कहता है।

बच्चों को कोई भी खेल खिलाने से पूर्व उसके नियम बच्चों को समझा दें तथा सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें। बच्चों से पूछें कि उन्हें किस गतिविधि में सबसे अधिक मजा आया।

अध्याय-IX

बच्चों को मौसम की जानकारी देना

समय सीमा - 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. मौसम की जानकारी देने के लिए बच्चों से पूछें कि उन्हें स्वेटर की जरूरत कब पड़ती है, गर्मी कब लगती है तथा हम भीगते किस मौसम में हैं। बच्चों को मौसम से संबंधित चित्र दिखाएं व पूछें कि यह कौन सा मौसम है।

2. बच्चों को गर्मी के मौसम में ज्यादा पिये जाने वाले पेय पदार्थ जैसे-जूस, बर्फ का पानी आदि के बारे में बताएं तथा जाड़ों में पिये जाने वाले पेय- कॉफी, चाय व दूध आदि बताएं।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स जिनमें सर्दी, गर्मी एवं बारिश के मौसम में प्रयोग की जाने वाली वस्तुएं बनी हों, जैसे- आइसक्रीम, स्वेटर, कम्बल, छाता, पंखा, अंगीठी, कूलर आदि बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर दिखाएं व इनमें से सर्दी, गर्मी एवं बारिश की वस्तुएं अलग-अलग छांटने को कहें।

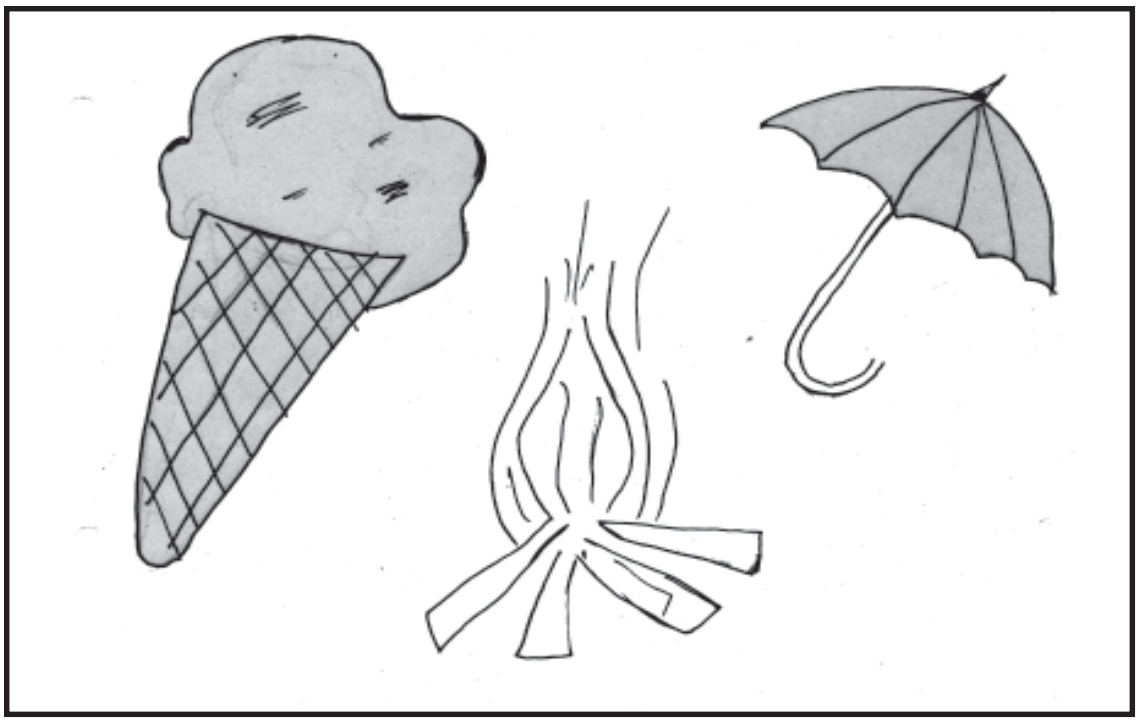

3. कलात्मक कार्य -

1. बच्चों से किसी एक मौसम से सम्बन्धित चित्र ढूंढकर पेपर पर चिपकाने को कहें।

2. बच्चों को सर्दी, गर्मी एवं बारिश के मौसम में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं के चित्र बनाने को कहें, तथा उनमें रंग भी भरवायें। यह वस्तुएं आईस्क्रीम, स्वेटर, छाता, आग, टोपी, आदि हो सकती है।

4. कवितायें-

सर्दी आई, सर्दी आई
कितनी ठंड है बाहर भाई
पहना स्वेटर, मफलर, टोपी,
फिर भी ठंड ये जा ना पाई
जल्दी-जल्दी आग जलाई,
आग सेककर राहत पाई।

गर्मी आई, गर्मी आई
धूल पसीना और लू लाई,
ठंडी छाया को हम तरसे तो
ठंडे पानी से राहत पाई,
फिर भी गर्मी जा ना पाई
फिर हमने एक आइसक्रीम खाई
ऐसे गर्मी दूर भगाई।

बच्चों को इस गतिविधि में खेल सिखाने के लिए बच्चों को खेल के नियम पहले ही समझा दें तथा उन्हें कलात्मक कार्यों के लिए प्रोत्साहित करें।

अध्याय-X

बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बातचीत के दौरान साफ सुथरा रहने को कहें। यदि पानी की व्यवस्था है तो नहाने को कहें साथ ही बाल बनाने व नाखून काटने को कहें।

2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर बच्चों को एक कहानी सुनायें। जिसके द्वारा उन्हें बतायें कि स्वच्छ रहकर बीमारियों से कैसे दूर रहा जा सकता है एवं खुद को स्वच्छ रखने के तरीके बतायें।

2. खेल-

1. प्रत्येक बच्चे को स्वास्थ्य व स्वच्छता विषय पर 5-5 वाक्य बोलने को कहें तथा एक बार आए वाक्य को दोबारा न दोहराने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से सम्बन्धित चित्र अखबारों से ढूंढकर पेपर पर चिपकाने को कहें।

2. बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय पर बच्चों से नाटक बनवाएं तथा अभिनय करवायें।

4. कविता-

कैसे होते अच्छे बच्चे,
सुबह-सुबह वो झटपट उठते,
नहा-धोकर पूजा करते,
तैयार होकर स्कूल को जाते,
मम्मी-पापा को नमस्ते करते,
मन लगाकर पढ़ाई करते,
सदा कक्षा में अव्वल आते।

बच्चों को उनके शरीर की स्वच्छता का महत्व बताएं

LEVEL-2

हिन्दी

अध्याय-I

बच्चों को बिना मात्रा वाले दो अक्षरों के शब्दों की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कुछ कार्ड्स दिखायें जिनमें दो अक्षर के बिना मात्रा वाले शब्द, जैसे - नल, घर, बस आदि तथा उनके सम्मुख चित्र हों।

2. बच्चों को आस-पास के वातावरण में दिख रही दो अक्षर वाली वस्तुओं के नाम बतायें तथा उनसे भी पूछें।

3. बच्चों को दो अक्षर के शब्दों से रिक्त स्थान की पूर्ति करने को कहें।

जैसे- न..., फ..., ब...,

4. उपस्थिति बच्चों के नाम पूछे व वह नाम सब बच्चों को बताएं जो दो अक्षर से मिलकर बने हों जैसे-राम, माला, कला, लव आदि।

5. बच्चों को एक छोटे भ्रमण पर ले जाएं और उन्हें दुकानों व रास्तों पर लगे बोर्ड्स पर लिखे 2 अक्षरों के शब्द पूछें।

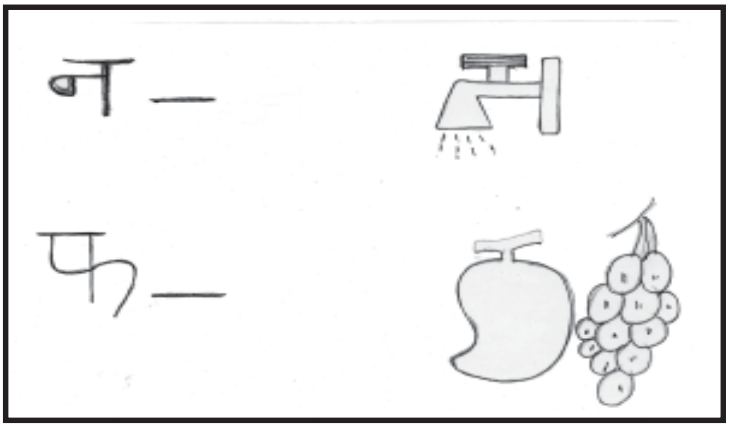

2. खेल-

1. कुछ कार्डस बनायें, जिनमें अ से ज्ञ तक के अक्षर लिखें। बच्चों को उन कार्ड्स का प्रयोग करके दो अक्षर के शब्द बनाना सिखायें।

2. बच्चों की कॉपी में एक तरफ ऐसे चित्र बनायें जो दो अक्षरों से बने हों, एवं दूसरी तरफ उनका नाम दर्शाते हुए शब्द लिखे। बच्चों को सही जोड़े मिलाने को कहें।

3. सभी बच्चों को एक गोले में खड़ा करें, कोई भी बिना मात्रा वाले दो अक्षर के शब्द से आप शुरुआत करें, जैसे-बोलें -: 'नभ' अब इस शब्द के आखिरी शब्द से अगले बच्चे को शब्द बनाने को कहें जैसे- 'भय', फिर अगला बच्चा-यम- मन-नल- आदि, जो बच्चा नहीं बता पाएगा वह बाहर हो जाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को दो अक्षर के शब्दों का चित्र बनाकर दें तथा उनमें रंग भरने को कहें एवं उनका नाम भी बतलायें। जैसे- आम, फल, नल, आदि।

2 बच्चों को पुराने पत्र-पत्रिकाओं से ऐसे चित्र एकत्रित करके अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें, जो दो अक्षर से बने हों।

4. कविताएं-

बच्चों को कविता सिखाने के लिए बोर्ड पर कोई भी एक कविता लिखें, तथा उनसे कविता में आये दो अक्षरों वाले शब्द पर गोला बनाने को कहें।

अध्याय-II

बच्चों को बिना मात्रा वाले तीन अक्षरों के शब्दों की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कार्ड्स के द्वारा 3 अक्षरों के शब्दों जैसे- कमल, कलम, कलश इत्यादि शब्दों का ज्ञान दें।

2. तीन अक्षर के अन्य शब्द निम्न हो सकते हैं- अमर, अगर, सरल, मगर, नगर, शहर, मटर, नरम, गरम, अक्षर, शहद, उड़द, अलग, हसन, इधर, उधर, आदि।

3. बच्चों के सामने बोर्ड पर 3 अक्षर के विभिन्न शब्द लिखें तथा बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उन्हें पढ़ने को कहें।

4. ब्लैक बोर्ड पर में 3 अक्षरों के विभिन्न शब्द लिखें, तथा उन्हें देखकर स्वयं लिखने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को कार्ड्स वाले खेल के द्वारा विभिन्न अक्षरों के शब्द बनाने को कहें।

2. कुछ कार्ड्स में अ-ज्ञ तक के अक्षर लिखे, एवं कुछ अन्य कार्ड्स पर 3 अक्षर के शब्दों वाले चित्र बनायें, बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर एक-एक चित्र दिखायें, तथा अक्षर वाले कार्ड्स मिलाकर सही शब्द बनाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. 3 अक्षरों के शब्दों को लिखना सिखाने के लिए बच्चों की कॉपी में बिन्दु से बिन्दु मिलाओ खेल के द्वारा रंगों से लिखने को कहें।

2. रंगीन कागज़ में बच्चों को 3 अक्षरों के शब्द लिखने को कहें, तथा उन्हें इन शब्दों को काटकर कॉपी में चिपकाने को कहें।

3. बच्चों की कॉपी में एक तरफ तीन अक्षरों के शब्दों वाले चित्र बनाएं, तथा उनके सम्मुख उन चित्रों के

नाम बच्चों से पेंसिल कलर या Crayon से लिखने को कहें। इन चित्रों में रंग भी भरवायें।

4. कविताएं-

बच्चों को कविता सिखाने के लिए बोर्ड पर कोई भी एक कविता लिखें, तथा उनसे कविता में आये तीन अक्षर वाले शब्द पर गोला बनाने को कहें।

अध्याय-III

बच्चों को बिना मात्रा वाले चार अक्षरों के शब्दों की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कार्ड्स के द्वारा बच्चों को चार अक्षरों के शब्द जैसे-बरगद, बरतन, शलगम अजगर, अकबर, पनघट आदि का ज्ञान दें।

2. बोर्ड पर चार अक्षर के विभिन्न शब्द लिखें, तथा बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर पढ़ने को कहें।

3. आस-पास के वातावरण में दिख रही चार अक्षरों वाली वस्तुओं के नाम बच्चों को बतायें तथा उनसे भी कुछ अन्य नाम पूछें।

4. बच्चों के नाम पूछे व जिन बच्चों के नाम में 4 अक्षर आते हों वह बच्चों को बताएं जैसे-अहमद, अरमान, शबनम आदि।

2. खेल-

1. विभिन्न अक्षरों के कार्ड्स बनायें, तथा बच्चों को उन अक्षरों में से छांटकर चार अक्षरों के शब्द बनाने को कहे।

2. कुछ कार्ड्स पर चार अक्षरों से सम्बन्धित चित्र बनायें, तथा कुछ कार्ड्स पर उनके नाम लिख दें। चित्रों को पंक्ति में लगा दें तथा जिन कार्डस पर नाम लिखें हैं, उन्हें जमीन पर फैला दें। उसके बाद बच्चों को बारी-बारी से चित्र के सामने सही कार्ड्स रखने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

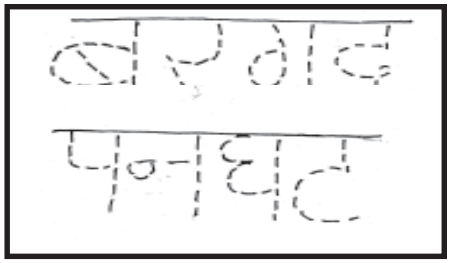

1. बिन्दु से बिन्दु मिलाओ के द्वारा बच्चों को चार अक्षरों के शब्द लिखना सिखायें।

2. बच्चों को दो समूह में बांट दें। दोनों टीमों के दो चार्ट लगाए, दोनों समूहों से चार अक्षरों के शब्द एक-एक कर बताने का कहें व उन्हें उनके चार्ट पर लिखें, ध्यान रखें कोई शब्दा दोहराया ना जाए।

3 पुराने पत्र-पत्रिकाओं में से बच्चों को ऐसे अक्षर काटने को कहें, जिन्हें मिलाकर चार अक्षर के शब्द बनें।

4. कविताएं-

बच्चों को कविता सिखाने के लिए बोर्ड पर कोई भी एक कविता लिखें तथा उनसे कविता में आए चार अक्षर वाले शब्दों पर गोला करने को कहें।

अध्याय-IV

बच्चों को आ की मात्रा (I) की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

वार्तालाप-

1. कार्ड द्वारा बच्चों को आ की मात्रा (आ-ा) से अवगत करवाएं।
2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में 'आ' की मात्रा 'ा' लगाकर, बच्चों को पढ़कर बताएं ततपश्चात उनसे भी कुछ अक्षरों में 'आ' की मात्रा लगाकर शब्द बनाने को कहें, जैसे-

त + ा = ता	ल + ा = ला =	ता + ला = ताला
म + ा = मा	ल + ा = ला =	मा + ला = माला

3 बोर्ड पर 'आ' की मात्रा वाले शब्दों के चित्र बनाएं तथा बच्चों को 'आ' मात्रा का ज्ञान दें। उन्हें अक्षर एवं मात्रा जोड़कर, शब्द बनाकर पढ़ना भी सिखाएं।
जैसे -

आ + म = आम

अ + ना + र = अनार

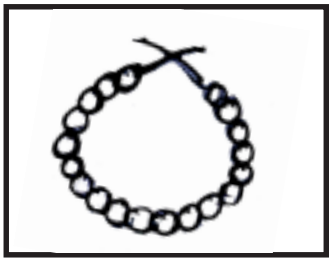

मा + ला = माला

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें, जैसे-

र + ा	+	म	= राम
घ	+	ड़+ा	= घड़ा
छ + ा	+	त +ा	= छाता
ब + ा	+	ल + क	= बालक

5. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को दें, जैसे -

म + ा	+ ल + ा	=	----------
ग + ा	+ ज + र	=	----------

बच्चों को 'ा' को मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. चित्र बनें कार्ड्स अपने पास रखें। फिर एक-एक बच्चे को बुलाकर उस चित्र का नाम अपने पास रखी 'अ-ज्ञ' तक के अक्षर और 'ा' की मात्रा वाले कार्ड मिलाकर बनाने को कहें।
जैसे-

छाता

गाजर

कान

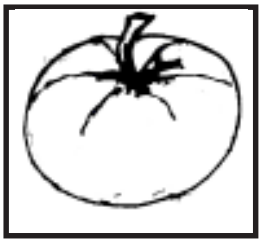
टमाटर

2. बच्चों को कोई गद्यांश दें तथा 'ा' की मात्रा वाले अक्षरों पर गोला बनाने को कहें, जो सबसे ज्यादा अक्षरों पर गोला बनाएं उसे विजेता घोषित करें।
जैसे-हम रात के समय सोते हैं। रात को अंधेरा होता है। हमें कुछ दिखाई नहीं देता। रात के बीत जाने पर हम सोकर उठ जाते हैं। सूर्य निकल आता है तथा प्रकाश हो जाता है।

3. बच्चों को 'ा' की मात्रा से विभिन्न शब्द बनाने को कहें, जो बच्चा सबसे अधिक शब्द बनाए, उसे विजेता घोषित करें।

कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पुराने पत्र-पत्रिकाओं में से 'ा' की मात्रा वाले शब्द काटकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।
2. बच्चों को 'ा' की मात्रा वाले कुछ शब्द, जैसे - माला, कान, नाक, गाजर आदि कहें और उन्हें इनके चित्र अपनी कॉपी में बनाकर रंग भरने को कहें।

कविताएं-

बच्चों को कविता सिखाने के लिए बोर्ड पर यह कविता लिखें, तथा उनसे कविता में आयी 'ा' की मात्राओं वाले अक्षरों पर गोला बनाने को कहें।

हम हैं छोटे-छोटे पंछी,
दबा चोंच में तिनका लाते।
घर-बाहर और पेड़ों पर हम,
सुन्दर सा घोंसला बनाते।
डाल-डाल टहनी-टहनी पर,
कुहू-कुहू कर गाना गाते।

अध्याय-V

बच्चों को इ 'ि' तथा ई 'ी' मात्राओं की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

1-वार्तालाप-

1. कार्ड द्वारा बच्चों को 'इ' तथा 'ई' की मात्रा 'ि' तथा 'ी' से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में 'इ' तथा 'ई' की मात्राएं 'ि' तथा 'ी' लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं, तत्पश्चात उनसे भी कुछ अक्षरों में 'ि' तथा 'ी' की मात्रा लगाकर पढ़ने को कहें।

जैसे-

ि +प	पि	+	न	= पिन
ि + द	दि	+	न	= दिन
ब + ी	बी	+	ज	= बीज
ज + ी	जी	+	भ	= जीभ

3. बोर्ड पर 'ि' तथा 'ी' की मात्राओं वाले शब्दों के चित्र बनाएं तथा बच्चों को इन मात्राओं को ज्ञान दें। उन्हें अक्षर एवं मात्रा जोड़कर शब्द पढ़ाना भी सिखाएं।

जैसे -

पि + न = पिन

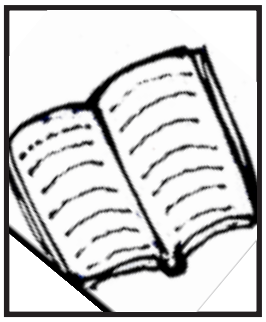

कि + ता + ब = किताब

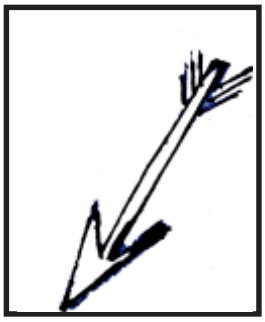

ती + र = तीर

घ + ड़ी = घड़ी

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें, जैसे-

ि + द	+ ल	=	दिल
ि + न	+ ब	=	निब
च + ी	+ ल	=	चील
त + ी	= र	=	तीर

3. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को दें, जैसे-

[ि + श]	+	[का]	+	[र]	=	
[ि + च]	+	[ि + ड़]	+	[या]	=	
[हा]	+	[थ + ी]			=	
[ब] + [क]	+	[र + ी]			=	

6. बच्चों को 'ि' तथा 'ी' की मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम 'ि' तथा 'ी को मात्राओं के प्रयोग से बनता हो, अपने पास रखें। एक-एक बच्चे को बुलाकर उस चित्र का नाम अपने पास रखे 'अ-ज्ञ' तक के अक्षर तथा 'ि' एवं 'ी' की मात्रा वाले कार्ड्स मिलाकर बनाने को कहें। जैसे -

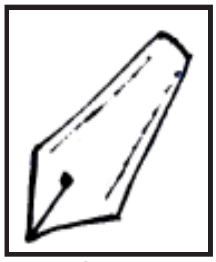
निब

गिलास

मछली

दीया

2. बच्चों को 'ि' तथा 'ी' को मात्राओं के प्रयोग से विभिन्न शब्द बनाने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक शब्द बनाए, उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पुराने पत्र-पत्रिकाओं में से 'ि' तथा 'ी' की मात्राओं वाले शब्द काटकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

1. कोई गद्यांश या कविता ब्लैक बोर्ड पर लिखें, तथा बच्चों को 'ि' तथा 'ी' की मात्राओं वाले शब्द अपनी कॉपी में लिखने कों कहें। जैसे-

चिड़िया रानी भोली भाली,
दाना दुनका चुगने वाली।
चीं-चीं चीं-चीं करती जाती,
हरदिन मीठे गीत सुनाती।

तिनका-तिनका चुनकर लाए,
छोटा-सा घौंसला बनाए।
प्यारे-प्यारे बच्चों को यह,
मीठे दाने खूब खिलाए।

अध्याय-VI

बच्चों को उ ‘ु’ तथा ऊ ‘ू’ मात्राओं की जानकारी देना

समय सीमा 3 सप्ताह

पढ़ाने का माध्यम

1. वार्तालाप-

1. कार्ड्स द्वारा बच्चों को ‘उ’ तथा ‘ऊ’ की मात्रा ‘ु’ तथा ‘ू’ से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में ‘उ’ तथा ‘ऊ’ की मात्राएं (‘ु’ तथा ‘ू’) लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं तत्पश्चात् उनसे भी कुछ अक्षरों में ‘ु’ तथा की ‘ू’ मात्रा लगाकर पढ़ने को कहें। जैसे-

ध + ु	+ न	=	धुन
प + ु	+ ल	=	पुल
फ + ू	+ ल	=	फूल
भा +	ल + ू	=	भालू

3. बोर्ड ‘ु’ तथा ‘ू’ की मात्राओं वाले शब्दों के चित्र बनाएं तथा बच्चों को इन मात्राओं का ज्ञान दें। उन्हें अक्षर तथा मात्रा जोड़कर शब्द पढ़ना भी सिखाएं। जैसे-

ध + नु + ष = धनुष

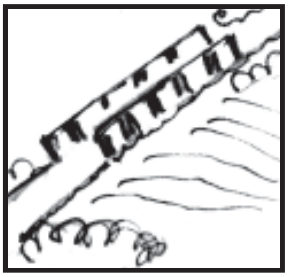

पु + ल = पुल

आ + लू = आलू

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को दें, जैसे-

च + ु	+ न	=	चुन
म +	ध + ु	=	मधु
फ + ू	+ ल	=	फूल
ज + ू	+ ता	=	जूता

5. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को दें, जैसे-

प + ु + ल = ...

क + छ + ु + आ = ...

प + ू + जा = ...

अ + म + र + ू + द .....

6. बच्चों को ' ु ' तथा ' ू ' की मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कापी में लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम ' ु ' तथा ' ू ' की मात्राओं के प्रयोग से बनता हो अपने पास रखें पर नामों पर मात्रा न लगाएं। एक-एक बच्चे को बुलाकर अपने पास रखी ' ु ' तथा ' ू ' की मात्रा में से एक कार्ड उठाकर सही जगह लगाने को कहें। जैसे-

फटबाल

गलाब

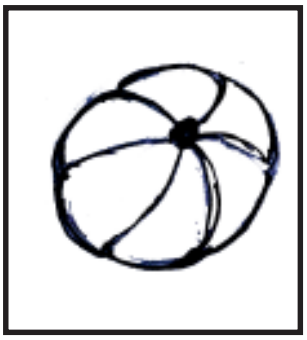

तरबज

डमर

2. बच्चों को ' ु ' तथा ' ु ' की मात्राओं के प्रयोग से विभिन्न शब्द बनाने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक शब्द बनाए उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. ब्लैक बोर्ड पर ' ु ' और ' ू ' के मात्राओं वाले शब्द लिखें, तथा बच्चों को उन्हें देखकर अपनी कॉपी में रंग से लिखने को कहें।

अध्याय-VII

बच्चों को ए 'े' तथा ऐ 'ै' मात्राओं की जानकारी देना

समय-सीमा-3 सप्ताह

पढ़ने के माध्यम

1. वार्तालाप-

1. कार्ड्स द्वारा बच्चों को 'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा 'े' तथा 'ै' से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में 'ए' तथा 'ऐ' की मात्राएं (े तथा ै) लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं। बच्चों से भी कुछ अक्षरों में मात्रा लगाकर पढ़ने को कहें।

जैसे-

स + े = से + ब = सेब
प + े = पे + ड़ = पेड़
ब + ै = बै + ल = बैल
थ + ै = थै + ला = थैला

3. बोर्ड पर 'े ' तथा 'ै' की मात्राओं वाले शब्दों के चित्र बनाएं तथा बच्चों को इन मात्राओं का ज्ञान दें। उन्हें अक्षर एवं मात्रा जोड़कर शब्द पढ़ना भी सिखाएं। जैसे -

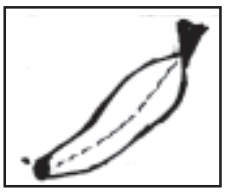

के + ला = केला

से + ब = सेब

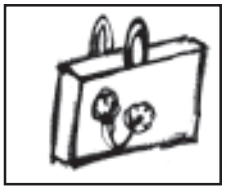

थै + ला = थैला

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें, जैसे-

ख + े + ल = खेल
प + े = ड़ = पेड़
स + ै = र = सैर
म + ै = ना = मैना

5. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को दें।

जैसे-

म + े + रा = ...
र + े + खा = ...
प + ै + सा = ...
क + ै + दी = ...

6. बच्चों को 'ा' तथा 'ै' की मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम 'ा' तथा 'ै' की मात्राओं के प्रयोग से बनता हो अपने पास रखें पर नामों पर मात्रा न लगाएं। एक-एक बच्चे को बुलाकर अपने पास रखी 'ा' तथा 'ै' की मात्रा में से एक कार्ड उठाकर सही जगह लगाने को कहें। जैसे-

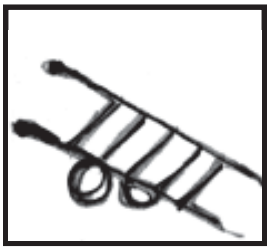

ठला

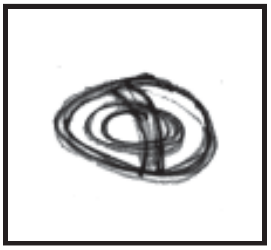

जलबी

पर

2. बच्चों को 'ा' तथा 'ै' की मात्राओं के प्रयोग से विभिन्न शब्द बनाने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक शब्द बनाए उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. कोई एक गद्यांश या कविता ब्लैक बोर्ड पर लिखें, तथा बच्चों को 'ा' तथा 'ै' की मात्राओं वाले शब्दों को अपनी कॉपी में रंग से लिखने को कहें।

4. कविता-

बच्चों को कविता सिखाने के लिए कोई एक कविता बोर्ड पर लिखें, तथा उनसे कविता में आए 'ा' पर हरा रंग और 'ै' पर लाल रंग भरने को कहें।

रामू भैया बड़े सयाने
मल-मल साबुन लगे नहाने
गर्म-गर्म जो पानी डाला;
उनके हाथ पे हो गया छाला
राम भैय लगे चिल्लाने,
ऊँचे- ऊँचे शोर मचाने।

अध्याय–VIII

बच्चों को ओ ' ो' तथा औ ' ौ' मात्राओं की जानकारी देना

समय सीमा 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1.वार्तालाप–

कार्ड्स द्वारा बच्चों को 'ओ' तथा 'औ' की मात्रा ' ो' तथा ' ौ' से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में 'ओ' तथा 'औ' की मात्राएं। (' ो तथा ौ') लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं। बच्चों से भी कुछ अक्षरों में मात्रा लगाकर पढ़ने को कहें।

जैसे –

म + ो	= मो	+ र	= मोर
क + ो	= को	+ ट	= कोट
फ + ौ	= फौ	+ ज	= फौज
प + ौ	= पौ	+ धा	= पौधा

3. बोर्ड पर ' ो' तथा ' ौ' की मात्राओं वाले शब्दों के चित्र बनाएं या पहले से बनी चित्रों के काड्र्स बच्चों को दिखाएं तथा इन मात्राओं का ज्ञान दें। उन्हें अक्षर एवं मात्रा जोड़कर पढ़ना भी सिखाएं।

जैसे –

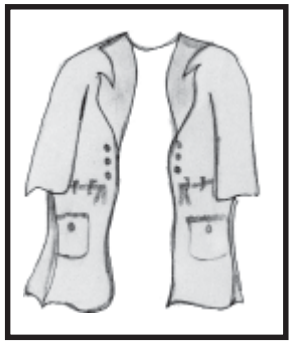

को + ट = कोट

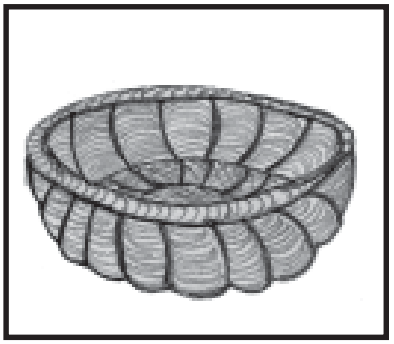

टो + क + री = टोकरी

पौ + धा = पौधा

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें। जैसे–

र + ो	+	टी	=	रोटी
ट + ो	+	ली	=	टोली
द + ौ	+	ड़	=	दौड़
न + ौ	+	का	=	नौका

5. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को दें। जैसे-

क + ो	+	य	+	ल	= .....
ब + ो	+	त	+	ल	= .....
अ + ौ	+	र	+	त	= .....
फ + ौ	+	जी	=	.....	

6. बच्चों को 'ो' तथा 'ौ' की मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम 'ो' तथा 'ौ ' की मात्राओं के प्रयोग से बनाते हो, अपने पास रखें। एक-एक बच्चे को बुलाकर उस चित्र का नाम अपने पास रखे 'अ-ज्ञ' तक के अक्षर तथा 'ो' एवं 'ौ' की मात्रा वाले कार्ड्स मिलाकर बनाने को कहें।

जैसे-

गोभी

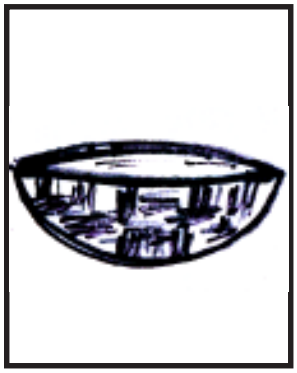
टोकरी

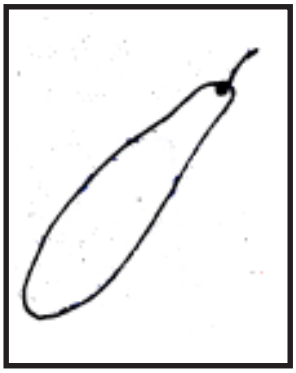
लौकी

पौधा

2. बच्चों को दो ग्रुप में बांट दें। एक ग्रुप को 'ो' को मात्रा से तथा दूसरे ग्रुप को 'ौ' की मात्रा से अधिक से अधिक शब्द बनाने को कहें। जिस ग्रुप के बच्चे अधिक शब्द बनाएं, उस ग्रुप को विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पुराने पत्र-पत्रिकाओं में से शब्द काटने को कहें। जिनमें 'ो' तथा 'ौ' की मात्राएं आती हों, तथा उन शब्दों को कॉपी में चिपकाने को कहें।

अध्याय-IX

बच्चों को अं ' ं ' की मात्रा तथा चन्द्रबिन्दु ' ँ ' की जानकारी देना

समय सीमा-1 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कार्ड्स द्वारा बच्चों को अं (ं) की मात्रा तथा चन्द्र बिन्दु (ँ) से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में (ं) की मात्रा तथा चन्द्र बिन्दु ' ँ ' लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं। बच्चो से भी कुछ अक्षरों में अं ' ं ' तथा ' ँ ' लगाकर पढ़ने को कहें।

जैसे -

श + ं	= शं	+ ख	= शंख
ह + ं	= हं	+ स	= हंस
ऊ + ँ	= ऊँ	+ ट	= ऊँट
सा + ँ	= साँ	+ प	= साँप

3. बोर्ड पर अं ' ं ' तथा ' ँ ' की मात्राओं वाले शब्दों के चित्र बनाएँ तथा बच्चों को इन मात्राओं का ज्ञान दें। उन्हें अक्षर एवं मात्रा जोड़कर शब्द पढ़ना भी सिखाएं। जैसे-

पं + ख = पंख

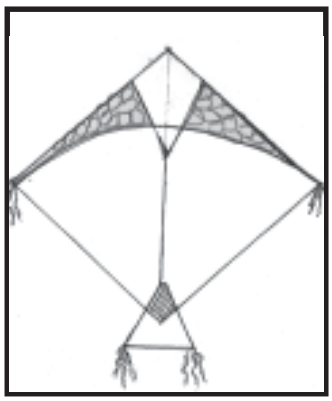

प + तं + ग = पतंग

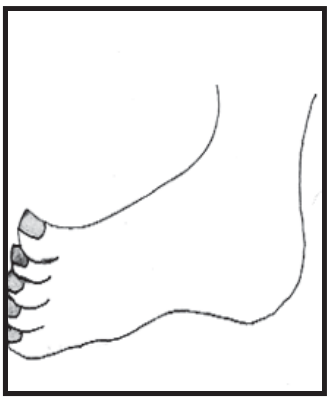

पाँ + व = पाँव

4. बच्चों को शब्द रचना सिखाएं तथा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

जैसे-

ह + ं	+	स			=	हंस
ब + ं	+	द	+	र	=	बंदर
आ + ँ	+	ख			=	आँख
मु + ँ	+	ह			=	मुँह

5. बच्चों को शब्द रचना से कुछ रिक्त स्थान भरने को कहें।

जैसे -

क + ं	+	ठ	=	.....
अ + ं	+	डा	=	.....
आ + ँ	+	धी	=	.....
ता + ँ	+	गा	=	.....

6. बच्चों से अं ' ं ' तथा 'ँ' का प्रयोग करते हुए शब्द अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम में ' ं ' या ' ँ ' का प्रयोग होता हो, अपने पास रखें। एक-एक बच्चे को बुलाकर अपने पास रखी ' ं ' तथा ' ँ ' की मात्रा में से एक कार्ड उठाकर सही जगह लगाने को कहें।

जैसे-

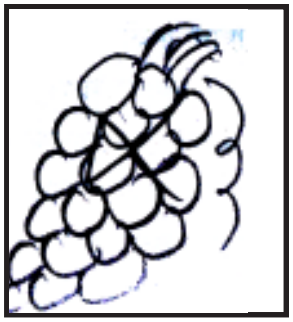

अगूर

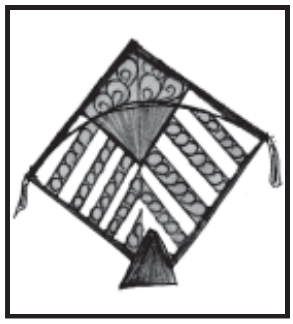

पतग

आख

3. कलात्मक कार्य-

बच्चों को ' ं ' तथा ' ँ ' की मात्राओं के प्रयोग से विभिन्न शब्द रंगों से अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

अध्याय-X

बच्चों को अभी तक पढ़ाए गए तथ्यों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को एक गद्यांश पढ़ने को कहें, तत्पश्चात उसमें से दो अक्षर, तीन अक्षर, चार अक्षर एवं विभिन्न मात्राओं वाले शब्दों को छांटने को कहें।

2. बच्चों को रिक्त स्थान की पूर्ति करने को कहें।

न..., क...ल, ब...गद, अ...खली

3. आस-पास के वातावरण में दिख रही वस्तुओं के नाम तथा उनके बारे में पूछें।

1. बच्चों को बिना मात्रा वाले सरल वाक्य सिखाएं तथा इमला भी करवाएं। जैसे-

हलधर पनघट पर जल भर।

बरगत तक चल।

शरबत चख।

अदरक उधर रख।

हलचल मत कर।

अजगर पर पग मत रख।

2. खेल-

1. कुछ कार्डस जिनमें अ से ज्ञ तक अक्षर हों बच्चों को दें। बच्चों को उन कार्ड्स का प्रयोग करके दो अक्षर, तीन अक्षर, चार अक्षर के शब्द बनाने को कहें।

2. कुछ कार्ड्स पर अ-ज्ञ तक के अक्षर लिखें तथा कुछ पर मात्राएं भी बनायें, तथा बच्चों को कुछ चित्र दिखायें। बच्चों को चित्रों के सामने उनका सही नाम दर्शाने के लिए सही अक्षर एवं सही मात्रा चुनने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को दो, तीन, चार अक्षर के शब्दों के चित्र बनाकर दें तथा उसमें रंग भरने को कहें तथा उनका नाम भी बतलायें।

2. बच्चों को विभिन्न अक्षरों एवं शब्दों को लिखना सिखाने के लिए बिन्दु से बिन्दु खेल करवायें।

4. कविताएं-

पहले करवायी गई कविताओं की पुनरावृत्ति करवायें।

ENGLISH

अध्याय-I

बच्चों को a, e, i, o एवं u ध्वनि वाले 3 अक्षर के शब्दों को पहचानना एवं पढ़ना सिखाना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कुछ कार्ड्स बनाएं जिनमें 'a, e, एवं 'i' की ध्वनि वाले 3 अक्षर के शब्द लिखे जैसे Cat, mat, ant, rat, pet, web, pig, pit, ink, आदि। बच्चों को इन कार्ड्स के द्वारा इन शब्दों को पढ़ना सिखाएं।

2. बच्चों के सामने बोर्ड पर 'a', 'e' एवं 'i' की ध्वनि वाले शब्द लिखें तथा बच्चो से इन्हें पढ़ने को कहें।

3. कुछ कार्डस बनाये जिनमें 'o' एवं 'u' की ध्वनि वाले 3 अक्षर के शब्द जैसे Pot, Sun, Cut, Nut आदि लिखें। बच्चों को इन कार्ड्स के द्वारा विभिन्न शब्दों का ज्ञान दें।

4. बच्चों के सामने बोर्ड पर 'o' एवं 'u' की ध्वनि वाले शब्द लिखें तथा बच्चों से उन्हें पढ़ने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स पर 'a, e, एवं 'i' की ध्वनि वाले 3 अक्षरों के शब्द लिखें तथा अन्य कार्ड्स पर उनसे संबंधित चित्र बनायें, बच्चों को बारी-बारी से बुलायें एवं संबंधित चित्रों को उनके नाम के आगे रखने को कहें।

2. बच्चो को 'a', 'e', 'i' की ध्वनि वाले शब्दों को बनाने को कहें। प्रत्येक बच्चे को निश्चित समय दे दें, जो बच्चा जितने अधिक शब्द बना लेगा, वह विजेता कहलाएगा।

3. A-Z तक के बहुत सारे कार्ड्स बनायें एवं बच्चों से इन कार्ड्स का प्रयोग करके अधिक से अधिक शब्द बनाने को कहें।

4. A-Z तक के कुछ कार्ड्स बनायें एवं कुछ अन्य कार्ड्स पर Cat, Mat, Rat, Sun, Pet Bag, Map,God, Day, Egg, Ink, Hen, Mug, Hut, आदि के चित्र बनायें। बच्चों से अक्षरों के कार्ड्स को चित्रों से मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से कहें कि जिन शब्दो में 'a', 'e', 'i' की ध्वनि आती है उन्हें बोल्ड बनाकर उनमें रंग भरें।

2. बच्चो को मिट्टी गुंथवाकर अंग्रेजी के 'a','e' 'i' की ध्वनि वाले शब्द बनाने को कहें।

3. पुराने अखबारों में से 'a' 'e' 'i' की ध्वनि वाले 3 अक्षरों के शब्दों को काटकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।

4. बच्चों को a,e,i,o,u की ध्वनि वाले शब्दों जैसे Cap, Hut, Net आदि के चित्र बनाकर Collage बनाने को कहें। उन चित्रों में लकड़ी के टुकड़े, माचिस की तिल्लियां आदि वस्तुएं चिपकाने को कहें।

5. बच्चों को बड़े-बड़े आकार में a,e,i,o,u की ध्वनि वाले शब्द रंगो से लिखने को कहें।

6 बच्चों को बड़े-बड़े आकार में शब्द लिखने को दें तथा उनमें finger printing करने को कहें।

अध्याय-II

बच्चों को अंग्रेजी के 4 से 5 अक्षरों से बनने वाले विभिन्न शब्दों को पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को अंग्रेज़ी के सभी अक्षरों से लगभग 10 शब्द बोर्ड पर लिख कर सिखाएं जो उनकी क्षमता के अनुसार हों और उन्हें याद भी करवायें।

जैसे - Apple, Arrow, Mango, Money, Cycle, Train, Fish, Light, Kite, Moon, Night, Goat, Food etc.

2. बच्चों को विभिन्न शब्द लिखकर दें तथा उनकी Spelling याद करवायें।

3. बच्चों को विभिन्न शब्दों को लिखना सिखाने के लिए कुछ अंग्रेजी के शब्द दें जिनका एक या दो अक्षर खाली छोड़ दें, बच्चों को रिक्त स्थान की पूर्ति करने को कहें।

जैसे - K-te
A-P-e

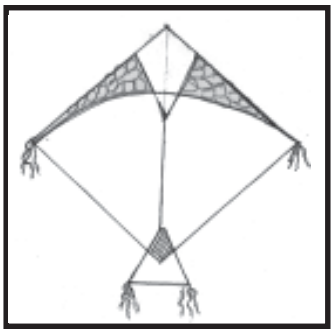

4. बच्चों की कॉपी पर विभिन्न चित्र बनाएं तथा उन्हें देखकर उनके सम्मुख उनके नाम लिखने को कहें।

2. खेल-

1. A-Z अक्षर की बहुत सारी पर्चियां बना लें। अब बच्चों को बारी-बारी बुलायें, इन पर्चियों से अक्षरों को मिलाकर कुछ शब्द बनाने को कहें, जो ज़्यादा से ज़्यादा शब्द बनाएगा, वह विजेता घोषित होगा।

2. बच्चों को एक गोले में बिठा लें। तत्पश्चात किसी भी एक बच्चे को कागज़ पर एक अंग्रेज़ी का शब्द लिखने को कहें, इसके बाद अगले बच्चे को उस शब्द के किसी भी अक्षर से नया शब्द बनाने को कहें, इसी प्रकार यह क्रिया दोहराते रहें।

जैसे

```
CAT
  E
 MAT
   I
   M
   EAR
```

3. बोर्ड में एक तरफ कुछ चित्र बनायें एवं दूसरी तरफ उनके अंग्रेज़ी के नाम ऊपर-नीचे करके लिखें। बच्चों को सही जोड़े मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य -

1. बच्चों को पत्र-पत्रिकाओं एवं अखबारों में से ज्यादा से ज्यादा शब्द ढूंढकर उन्हें काटकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें, इन शब्दों की Spelling याद करने को भी कहें।

2. अंग्रेजी के सभी अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों के चित्र बनाने के लिए कहें एवं उनमें रंग भी भरवाएं।

3. बच्चों को पतंगी कागज दें तथा इन कागजों में विभिन्न अक्षर लिखकर उन्हें रंग करने का निर्देश दें। इसके पश्चात इन अक्षरों से विभिन्न शब्द बनाकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।

अध्याय-III

बच्चों को अंग्रेजी के 5 से अधिक अक्षरों से बनने वाले शब्दों को तोड़कर पढ़ना और लिखना सिखाना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1.वार्तालाप-

बोर्ड पर अंग्रेजी के 5 से अधिक अक्षरों से बनने वाले 10 शब्द लिखें और उसे तोड़-तोड़ कर बच्चों को पढ़ना सिखाएं। जैसे - (note- बीच में + का चिह्न लगाए)

Eating	-Eat + ing ईटिंग	Newspaper	- News + paper
Sleeping	- Slee + ping स्लीपिंग	Station	- Sta + tion
Picture	-Pic + ture	Hospital	- Hos + pital
Friend	-fri + end		
Problem	-Prob + lem	Student	- Stu + dent
Chocolate	-Choco + late	European	-Euro + pean
America	- Ame + rica	Local	-Lo + cal
		Picnic	-Pic + nic
		uncle	-un + cle

2 खेल-

हर बच्चों को 10-15 खाली कागज के टुकड़े दीजिए। उसके बाद उन टुकड़ों पर एक अक्षर लिखते हुए या उससे अधिक अक्षरों का एक शब्द लिखने को कहें। और फिर उसे एक कतार में रखकर दिखाने को कहें

जो सबसे पहले कर लेगा वह विजेता कहलाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. हर बच्चे को एक कागज दें व उस पर सुंदर अक्षरों में 5 से अधिक अक्षरो वाले 5 शब्द लिखने को दें।

अध्याय-IV

बच्चों को अभी तक पढ़ाए गये शब्दों को लिखना एवं उनकी Spelling याद करवाना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप -

1. बोर्ड पर कुछ 3 अक्षर के शब्द लिखें। उनका हिन्दी का अर्थ समझायें एवं बच्चों से उन्हें अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. बच्चों को a,e,i,o,u की ध्वनि में से किसी एक ध्वनि पर अधिक से अधिक शब्द लिखने को कहें।

3. बच्चों को बारी-बारी से बुलायें तथा इन अक्षरों की ध्वनि वाले शब्दों की Spelling सुनाने को कहें।

2. खेल-

1. अंग्रेजी के a,e,i,o,u की ध्वनि के शब्दों को हेर-फेर करके लिखें तथा उन्हें देखकर बच्चों से उन्हें सही करने को कहें।

जैसे nav van
ent net

2. बच्चों को a,e,i,o,u की ध्वनि में से कोई एक ध्वनि दे दें तथा इसका एक निश्चित समय तय कर लें। इसके पश्चात प्रत्येक बच्चे को बारी-बारी से बुलाकर उनको दी गई ध्वनि से निश्चित समय में ज़्यादा से ज्यादा शब्द बनाकर लिखने को कहें। जो अधिक शब्द लिखेगा वह विजेता कहलाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से मिट्टी गुंथवाकर उनसे विभिन्न शब्द बनाने को कहें तथा उसे सुखाकर उनमें रंग भी भरवायें।

अध्याय-V

बच्चों को अंग्रेजी वर्णमाला में Vowels & Consonants का ज्ञान देना तथा उनसे बनने वाले शब्दों का अभ्यास कराना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बताएं कि अंग्रेजी में कुल 26 अक्षर होते हैं जिनमें से 5 Vowels होते हैं और 21 Consonant, जो इस प्रकार हैं।

Vowels: a,e, i, o, u, अंग्रेजी का कोई भी शब्द बिना Vowel के नहीं बनता। ऐसे शब्दों की संख्या कम या न के बराबर है जो बिना Vowel के होते हैं। यदि किसी शब्द में Vowel के किसी भी अक्षर का प्रयोग नहीं हुआ तो वहां पर y का प्रयोग होता है।

Consonents : b,c, d, f, g, h, j,k, l, m, n, p, q, r, s, t, v, w, x, y, z

2. बच्चों को Vowels का प्रयोग करते हुए कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखकर समझाएं।

जैसे- big, cat, chair, desk, fish, go, high, laugh, sing, need, tea, water, rain, day, green, phone.

3. बच्चों को बिना Vowels के प्रयोग से बनने वाले शब्दों का उदाहरण दीजिए।

जैसे- Cry, Fly, Sky, Try, Why, Dry, Shy,

2. खेल-

हर बच्चे के नाम में जितने अक्षर आते है उतने कागज के छोटे-छोटे टुकड़े दीजिए अब उनसे उनका नाम अंग्रेजी में लिखने को कहें तत्पश्चात बच्चों को अपने-अपने नाम में से Vowels ढूंढकर बताने को कहे और पूछें कि किसके नाम में कौन से Vowels हैं और कौन से Consonents जो सबसे पहले गिनकर बताऐगा वह विजयी होगा। Vowel और Consonent छांटकर अलग-अलग लिखने को कहें। जो सबसे पहले लिखें, उसे विजेता घोषित करें। जैसे:- Vijay = Vjy-Consonent
ia-vowels

3. कलात्मक कार्य-

बच्चों को गोले में बिठा दीजिए। अब a,e, i, o, u, के क्रम को ध्यान में रखते हुए बच्चों को ऐसा शब्द लिखने को कहें जिसमें vowel आता हो। जैसे- गोले में से पहला बच्चा a वाले अक्षर का उदाहरण देगा, दूसरा 'e' का, तीसरा 'i' का, चौथा 'o' का और पांचवाँ 'u' का। इस प्रकार से जो नहीं बता पाएगा वो अगले दिन जब आएगा तो सोचकर आएगा।

अध्याय-VI

बच्चों को सरल एवं छोटे वाक्य पढ़ना एवं लिखना सिखाना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों की पढ़ने की क्षमता को बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे वाक्य जिनके सम्मुख उनसे संबंधित चित्र बनें हो पढ़ने को कहें।

2. बच्चों को आस-पास के वातावरण की वस्तुएं या चित्र दिखाकर वाक्य बोलें तथा उन्हें याद करने को कहें। जैसे पेड़ को दिखाकर कहें This is a Tree, चूहे का चित्र दिखाकर कहें- This is a rat. कोई Bag दिखाकर कहें- This is a bag. Car या इसका चित्र दिखा कर कहें- This is a car. This is a rat, he is Rahul, she is Meena, i eat egg, I like mango, He is going to market,

3. बोर्ड पर छोटे-छोटे वाक्य लिखें तथा जैसे- I Like mango. He is Rahul. She is Meena. ऐसे वाक्यों को उन्हें याद भी करवाएं।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स बनाएं, जिनमें A-Z तक के अक्षर लिख दें, उन अक्षरों से कुछ सरल वाक्य बनाएं तथा बच्चों को उन्हें पढ़ने को कहें।

3 कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को अखबारों में से कुछ सरल वाक्य पढ़ने को कहें एवं उन्हें काटकर अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।

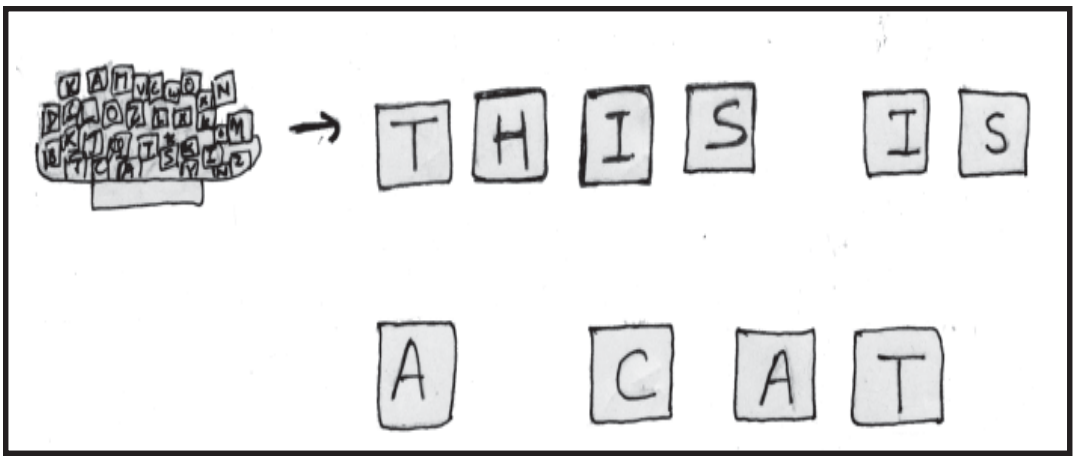

अध्याय-VII

बच्चों को स्वयं का परिचय सरल भाषा में देना सिखाना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को हिन्दी में अपना परिचय देने को कहें तथा उन हिन्दी के वाक्यों को अंग्रेजी में रूपांतरित करके उन्हें बतलाएं एवं समझाएं।

2. बच्चों की कॉपी में उनका नाम, कक्षा, रहने का स्थान-आदि वाक्यों को लिखें तथा उन्हें देखकर बच्चों को खुद लिखने एवं पढ़ने को कहें,

जैसे - My name is Diya.
I live in Khidki Gaon.

3. बोर्ड पर बच्चों के परिचय से संबंधित वाक्य लिखें। तत्पश्चात किसी एक बच्चे को बुलायें फिर उस वाक्य को बोले एवं बच्चे को उसे दोहराने को कहें।

- ☆ What is your name? My name is Aamir.
- ☆ What is your mother's name? My father's name is Mr. R.K. Singh
- ☆ What is your father's name? Where do you live?
- ☆ How old are you?

2. खेल-

1. A-Z तक के अक्षरों की पर्चियां बनायें एवं उन्हें बच्चों के सामने रख दें। बच्चों से अपना परिचय देने के लिए उपयोग करने वाले अक्षरों को छांटकर वाक्य बनाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से विभिन्न रंगों से अपना परिचय लिखने को कहें।
2. बच्चों से मिट्टी गुथवायें एवं उससे अपना नाम लिखने को कहें!

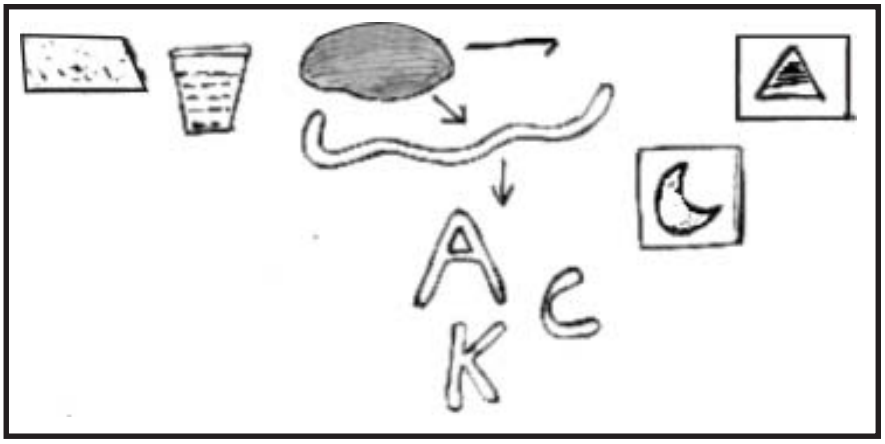

अध्याय-VIII

बच्चों को सदाचार एवं नैतिक व्यवहार के वाक्यों से अवगत कराना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. जब भी बच्चे कक्षा में प्रवेश करें तो उन्हें नैतिक व्यवहार में प्रयोग किए जाने वाले शब्द जैसे- May I come in? May I go? Sorry, Thank you, Congratulations, Good Morning, Good Afternoon, Good Evening, Good Night आदि का स्मरण करायें एवं इनका महत्व बतलाएं।

2. बोर्ड पर इन वाक्यों/शब्दों को लिखें तथा बच्चों को इन्हें बोलना एवं लिखना सिखाएं।

3. बच्चों को नैतिक व्यवहार से संबंधित वाक्य बताएं। इनका अर्थ समझाएं तथा बोलना सिखाएं।
जैसे - Do not fight, Do not abuse. Do not gamble.
Help your friends, Wake up early in the morning.

2. खेल-

1. एक बड़ा कार्ड बनाएं जिसमें सदाचार के शब्द, जैसे-Sorry, Thank you, welcome, congratulations, All the best, Good morning, Good luck etc, लिखें।

2. कुछ छोटी-छोटी पर्चियां बनाएं। उनमें विभिन्न अंग्रेजी के कार्ड से लिए शब्द लिख दें। बच्चों के सामने यह कार्ड रख दें, एवं इन्हें देखकर बच्चों को उन पर्चियों में से अक्षर छांट-छांट कर इन वाक्यों को बनाने को कहें। तत्पश्चात इनका अर्थ भी समझायें तथा इनका कब प्रयोग किया जाता है ये भी बतलायें।

All	the	Best

1) All the Best
2) Good Luck
3) Thank You
4) Good Morning
5) Sorry

3. कलात्मक कार्य-

1. कुछ प्रमुख सदाचार के वाक्यों को बच्चों की कॉपी में बड़े एवं बोल्ड अक्षरों में लिखें तथा बच्चों से इनमें रंग भरने को कहें।

2. बच्चों को बैनर बनाने को कहें जिनमें बड़े-बड़े अक्षरों से नैतिक बातें लिखने को कहें।

4. कविताएं-

बच्चों को निम्निलिखित कविताओं का स्मरण करायें।

Early to bed
And early to rise
Makes a man healthy,
wealthy and wise.

अच्छे बच्चे वो होते हैं
Good Morning जो सबको कहते हैं।
बड़ों को नमस्ते वे करते हैं,
दोस्तों से Hello कहते हैं
कक्षा में प्रवेश से पहले,
May I come in वे कहते हैं।
मदद किसी की अगर वो लें तो
प्यार से Thank you कहते हैं।
अगर कहीं पर गलती करें तो
Sorry भी वो कहते हैं,
यही हैं अच्छे बच्चों के गुण
चलो हम भी अच्छे बनते हैं।

अध्याय-IX

बच्चों को अभी तक पढ़ाए गए तथ्यों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बोर्ड पर कुछ चित्र दिखायें एवं उनका नाम अपनी कॉपी में लिखने को कहें।
2. बच्चों की कॉपी पर कोई एक अक्षर लिख दें एवं उससे अधिक से अधिक शब्द बनाने को कहें।
3. बच्चों को बारी-बारी बुलायें तथा उनसे विभिन्न शब्दों के Spellings पूछें।
4. बच्चों से रिक्त स्थान की पूर्ति करवायें।
5. बच्चों को बारी-बारी बुलायें तथा सरल वाक्य पढ़वायें।

6. बच्चों को बारी-बारी बुलायें तथा चार-पांच वाक्यों में अपना परिचय देने को कहें। इसमें उनका नाम, माता-पिता का नाम, रुचियाँ, आदि बातें सम्मिलित करवायें।

7. बच्चों से नैतिक व्यवहार की बातें पूछें तथा उन्हें लिखना सिखायें।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स पर शब्द लिखें तथा अन्य पर उनसे संबंधित चित्र बनायें। बच्चों को सही जोड़े मिलाने को कहें।

2. कुछ चित्र बनायें तथा उनके सम्मुख उनके नाम के अक्षरों में हेर-फेर कर दें, बच्चों से उन अक्षरों का सही प्रयोग करके सही शब्द बनाने को कहें।

3. कुछ कार्ड्स बनायें जिनमें सदाचार एवं नैतिक व्यवहार के विभिन्न शब्द एवं वाक्य लिख दें तथा इन कार्ड्स को एक बर्तन में रख दें। बच्चों को बारी-बारी बुलायें तथा एक ऐसा प्रश्न पूछें जिनका उत्तर उन वाक्यों से संबंधित हों।

जैसे - अगर आपका मित्र आपकी किसी भी प्रकार से सहायता करे तो आप क्या कहेंगे?

-Thank you

आपका मित्र कक्षा में प्रथम आए तो आप क्या कहेंगे?

- Congratulation.

कक्षा में प्रवेश करने से पहले क्या पूछेंगे?

May I come in?

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को अखबारों में से ऐसे शब्द काटने को कहें जिन्हें मिलाकर वे अपना परिचय दे सकें, इन शब्दों को अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें।

2. बच्चों को रंगों के द्वारा अपना परिचय लिखने को कहें।

3. बच्चों को बड़े-बड़े अक्षरों में सदाचार के शब्द लिखने को कहें एवं उनमें रंग भरने को कहें।

4. कविताएं-

अभी तक कराई गई कविताओं की पुनरावृत्ति करवायें।

गणित

अध्याय-I

बच्चों को एकल संख्या जोड़ना/जमा सिखाना

समय-सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. जोड़ना/जमा सिखाने से पहले बच्चों को जमा का चिन्ह ' +' सिखाएं, तथा कुछ सवाल पूछें।

जैसे- अगर आपके पास चार टॉफी हैं और आपको चार और टॉफी मिल जाएं तो आपके पास कितनी टॉफियां होंगीं?

ऐसे सवालों से उन्हें दिन प्रतिदिन के कार्य में संख्याओं के जमा का महत्व समझाएं।

2. जमा सिखाने के लिए ब्लैक बोर्ड पर दो संख्याएं लिखिए।

जैसे- 4 और 5 फिर उन्हें डंडे बनाकर जोड़ना सिखाएं, जैसे-

$$4 + 5 = IIII + IIIII = 9$$

* फिर बच्चों को कुछ और जमा के सवाल दें तथा कॉपी में डंडे बनाकर जोड़ने के कहें।

3. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर चित्र बनाकर भी जमा करना सिखाएं, जैसे-

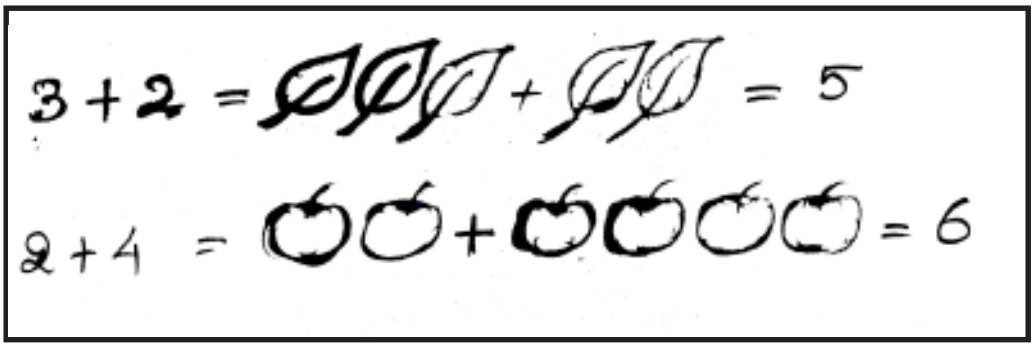

* बच्चों को कुछ और जमा के सवाल दें और कॉपी में चित्र बनाकर जोड़ने को कहें।

4. बच्चों को संख्याएं इस तरह लिखकर जोड़ना सिखाएं।

$$\begin{array}{r} 7 \\ +\ 5 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ +\ 8 \\ \hline \end{array}$$

2. खेल-

1 एक वर्गसारिणी बनायें जिसमें कुछ खाने बनायें। एवं उन खानों में कुछ अंक लिखें। बच्चों को कहें कि पंक्तियों में लिखी संख्याओं का जोड़ उनके सामने लिखने को कहें। जैसे-

2	8	4	14
5	7	9	21
1	6	3	10
8	21	16	

2. बच्चों को आस-पास के वातावरण को ध्यान रखते हुए कुछ निर्देश दें जैसे-बच्चों से कहें कि वो तीन पत्थर, पांच पत्तियां एवं दो कागज ढूंढ कर लायें इसके पश्चात बच्चों से उन सबको गिनने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. कुछ संख्याएं बोलें तथा बच्चों को उन संख्याओं के जितना चित्र बनाकर जोड़ने को कहें।
जैसे-

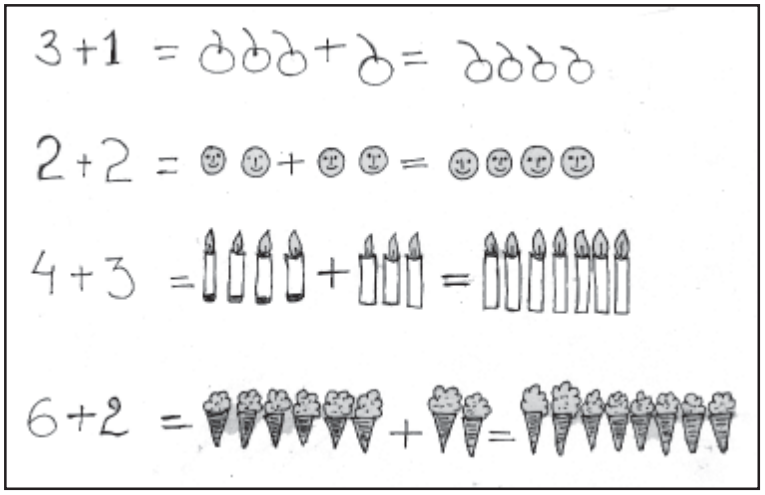

4. कविता-

बच्चों को निम्निलिखित कविताएं सुनायें एवं याद करायें।

एक में एक मिलायेंगे
दो की गिनती पायेंगे।
दो में दो मिलायेंगे।
चार की गिनती पायेंगे।

अध्याय-II

बच्चों को एकल संख्या घटाना सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को घटाना सिखाने से पहले घटा का चिन्ह '–' सिखाएं, तथा कुछ सवाल पूछें। जैसे- अगर आपके पास 9 आम हों और आपने 6 आम खा लिये, तो आपके पास कितने आम बचे? ऐसे सवालों से उन्हें दिन प्रतिदिन के कार्य में संख्याओं के घटा का महत्व समझाएं।

2. घटा सिखाने के लिए ब्लैक बोर्ड पर दो संख्याएं लिखिए जैसे- 6 और 3 फिर उन्हें इन संख्याओं को डंडे बनाकर घटाना सिखाएं, जैसे-

6-3 = I I I I I I = 3
///

* फिर बच्चों को कुछ और घटा के सवाल दें तथा कॉपी में डंडे बनाकर घटाने को कहें।

3. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर चित्र बनाकर भी घटा सिखाएं, जैसे-

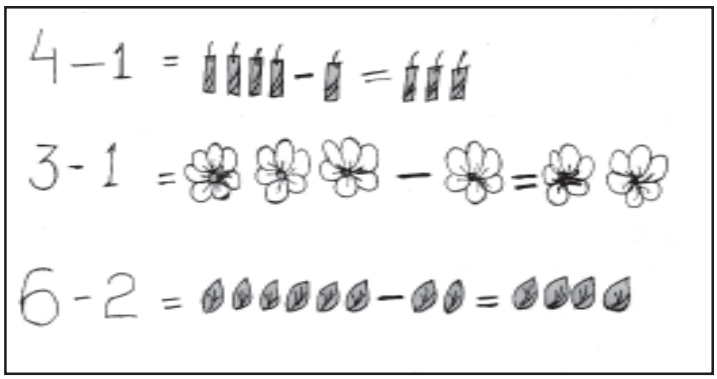

बच्चों को कुछ और घटा के सवाल दें और कॉपी में चित्र बनाकर घटाने को कहें।

4. बच्चों को संख्याएं लिखकर इस तरह घटाना सिखाएं :-

8	7
–5	–2

2. खेल-

बच्चों को आस पास के वातावरण से कुछ पत्थर या पत्तियां लाकर गिनने को कहें। अब उसमें से आपके द्वारा कही गई संख्या के जितना पत्थर या पत्ती नीचे फेंक देने को कहें और बची हुई वस्तु को गिनने को कहें। इस तरह उन्हें घटाना सिखाएं।

3. कलात्मक कार्य-

1. कुछ सख्याएं बोले तथा बच्चों को उन संख्याओं के जितना चित्र बनाकर घटाने को कहें। जैसे-

3. कविताएं

छह छोटी चिड़ियां खुशी से थी रहीं नाच
एक चिड़िया उड़ गयीं बाकी रह गयीं पांच
पांच छोटी चिड़ियां दाना लेने गयीं पार
एक चिड़ियां उड़ गयी तो बाकी रह गयीं चार,
चार छोटी चिड़ियां खाने में थी लीन
एक चिड़िया उड़ गयी बाकी रह गयी तीन,
तीन छोटी चिड़ियां भा गयीं बच्चो को,
एक चिड़िया उड़ गयी तो बाकी रह गयीं दो,
दो छोटी चिड़ियां को डाले दाने अनेक
एक चिड़िया उड़ गयी तो बाकी रह गयी एक।

अध्याय-III

एकल संख्या के जमा एवं घटा की पुनरावृत्ति

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप -

बच्चों को कुछ जमा और घटा से रिक्त स्थानों की पूर्ति करने को दें, जैसे-

8 + 4 ☐	9 - 5 ☐	2 + ... = 7	4-5 = ...
		7 - ..... = 3	6-2 = ...

2. बच्चों से कुछ ऐसे सवाल पूछें जिनमें जमा और घटा दोनों आते हों, जैसे-

-मम्मी ने 10 रोटियां बनाईं, उसमें से चार पापा ने खाईं, दो आपने, तो मम्मी के लिए कितनी रोटियां बचीं?

3. बच्चों को कुछ पत्थर एकत्रित करने को कहें तथा आप भी कुछ पत्थर एकत्रित कर लें। बच्चों को एक गोले में बैठाये तथा निर्देश दे कि वे उन पत्थरों में से आपके द्वारा कही गयी संख्या जितने पत्थर निकालें तथा बच्चों को उसमें कुछ और पत्थर जोड़ने एवं घटाने को कहें। इसके पश्चात उन्हें पत्थरों को गिनने को कहें। बच्चों के साथ आप भी यह क्रिया करें।

2. खेल-

1. एक वर्गसारिणी बनायें जिसमें कुछ खाने बनायें। एवं उन खानों में कुछ अंक लिखें। बच्चों को कहें कि पंक्तियों में लिखी संख्याओं का जोड़ उनके सामने लिखने को कहें। जैसे-

2	8	4	14
5	7	9	21
1	6	3	10
8	21	16	

3. बच्चों को आस-पास के वातावरण को ध्यान रखते हुए कुछ निर्देश दें जैसे-बच्चों से कहें कि वो तीन पत्थर, पांच पत्तियां एवं दो कागज ढूंढ कर लायें इसके पश्चात बच्चों से उन सबको गिनने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों की कॉपी पर कुछ चित्र बनाये। इसके पश्चात उन चित्रों के सम्मुख उनकी संख्या बढ़ाएं या घटाएं। तथा बच्चों से कहें कि उसके उत्तर को चित्रों के माध्यम से दर्शायें। बच्चों से उन चित्रों में रंग भी करायें।

अध्याय-IV

बच्चों को दो,तीन एवं चार अंकों की संख्याओं का जोड़ एवं घटा सिखाना (बिना हासिल के सवाल)

समय सीमा-8 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

वार्तालाप-

1. ब्लैक बोर्ड पर बच्चों को दो अंकों की संख्या, फिर तीन अंकों की तत्पश्चात् चार अंकों की संख्याओं का जमा करके दिखाएं। जैसे-

2 5	1 2 3	2 4 1 2
+ 1 4	+ 2 4 4	+ 1 2 5 7

* बच्चों को कुछ इस तरह के सवाल कॉपी पर करने को दें।

2. बच्चों को विभिन्न उदाहरणों द्वारा भी 2, 3 और 4 अंकों की संख्याओं का जमा करना सिखाएं। जैसे-

अगर आपके पास सौ रुपए हैं और दिन भर में आपने 75 रुपए और कमाए तो आपके पास कितने रुपए हुए?

3. जमा सिखाने के बाद बच्चों को 2, 3, और 4 अंकों की संख्याओं का घटा सिखाएं। जैसे-

2 8	1 2 9	2 4 6 8
- 1 5	- 1 8	- 1 3 4 7

बच्चों को कुछ इस तरह के सवाल कॉपी पर करने को दें।

4. विभिन्न उदाहरणों द्वारा भी बच्चों को 2, 3, और 4, अंकों की संख्याओं का घटाना सिखाएं। जैसे-

अगर आपके पास 150 रुपए हैं, और आपने 50 रुपए की मिठाई ले ली, तो आपके पास कितने रुपए बचे?

2. खेल–

1. 2, 3, या 4 अंक लिखी पर्चियां बच्चों को दें और उन्हें 3 या 4 के ग्रुप में बांट दें। फिर उन्हें अपने ग्रुप के बच्चों की संख्याओं को जोड़ने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले उत्तर लिखकर बताए उसे उस ग्रुप का विजेता घोषित करें। फिर उन विजेताओं के साथ यह खेल दोहराएं जिससे अंत में सिर्फ एक विजेता रह जाए।

2. बच्चों को जोड़ने वाला खेल सिखाने के लिए एक बड़ा गोला बनाएं और उसमें 2 या 3 बच्चों को अन्दर जाने को कहें। फिर कुछ और बच्चों को गोले के अन्दर जाने को कहें और तब गोले के अन्दर बच्चों को कुल संख्या पूछें। इस तरह उन्हें जोड़ना सिखाएं।

3. घटा सिखाने के लिए सभी बच्चों को एक गोले के अन्दर खड़ा कर दें तथा उसकी संख्या बताएं अगर गोल के अंदर 25 बच्चे हैं, तो उनमें से 5 बच्चों को गोले से बाहर जाने को कहें, अब गोले के अन्दर के बच्चों की संख्या बताएं। जैसे 25 – 5 = 20 इस तरह कुछ बच्चों को गोले से बाहर करते जाएं और उन्हें घटाना सिखाते जाएं।

3. कलात्मक कार्य–

1. एक वर्गसारिणी बनाएं और उसके खानों में 2, 3, या 4, अंकों की संख्याएं लिखें और फिर बच्चों से पंक्तियों में लिखी संख्याओं का जोड़ उनके सामने लिखने को कहें। जैसे–

1 2 3	4 5	1 6 8
5 4	2 2 1	2 7 5
1 7 7	2 6 6	

2. 2, 3, या 4 अंकों की संख्या लिखी दो–दो पर्चियां बच्चों में बांट दें तथा उन संख्याओं को जोड़ने और फिर छोटी संख्या को बड़ी संख्या से घटाने को कहें।

अध्याय–V

बच्चों को 2 से 5 तक के पहाड़े सिखाना एवं संख्याओं का सरल गुणा सिखाना

समय सीमा 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1.वार्तालाप–

1. काम करने वाले बच्चों से पूछे कि यदि वह कोई चीज 15 रुपए के हिसाब से बेचते हैं और दिन में 250 पाने बेच लेते हैं तो कितने पैसे हुए? न बता पाने पर उन्हें गुणा का तरीका बताए व इसे सीखने की जरूरत का एहसास कराएं।

2. 2 से 5 तक का पहाड़ा बच्चों को सिखान के लिए सर्व प्रथम ब्लैक बोर्ड पर पहाड़े लिख दें, जैसे–

2 x 1 = 2	3 x 1 = 3	4 x 1 = 4	5 x 1 = 5
2 x 2 = 4	3 x 2 = 6	4 x 2 = 8	5 x 2 = 10
2 x 3 = 6	3 x 3 = 9	4 x 3 = 12	5 x 3 = 15
2 x 4 = 8	3 x 4 = 12	4 x 4 = 16	5 x 4 = 20
2 x 5 = 10	3 x 5 = 15	4 x 5 = 20	5 x 5 = 25
2 x 6 = 12	3 x 6 = 18	4 x 6 = 24	5 x 6 = 30
2 x 7 = 14	3 x 7 = 21	4 x 7 = 28	5 x 7 = 35
2 x 8 = 16	3 x 8 = 24	4 x 8 = 32	5 x 8 = 40
2 x 9 = 18	3 x 9 = 27	4 x 9 = 36	5 x 9 = 45
2 x 10 = 20	3 x 10 = 30	4 x 10 = 40	5 x 10 = 50

3. बच्चों को समझाएं कि 3x2= 6 इसलिए होता है क्योंकि हम 3 को 2 बार जोड़ते हैं। इसी प्रकार 4x4=16 इसलिए होता है क्योंकि हम 4 को 4 बार जोड़ते हैं। इसी प्रकार बच्चों को पहाड़ा याद करायें।

4. बच्चों से मौखिक पहाड़े सुनें।

5. बच्चों को कॉपी पर पहाड़ों के रिक्त स्थान भरने को दें।

6. अंकों को गुणा करना सिखाने से पहले बच्चों से गुणा का चिन्ह 'x' सिखाएं तथा कुछ ऐसे प्रश्न पूछें जिनसे उन्हें उनके दिन प्रतिदिन के कार्य में गुणा का महत्व समझ आए। जैसे–

अगर एक किलो आलू की कीमत 11 रुपए हैं, तो 6 किलो आलू को कीमत क्या होगी?

7. बच्चों को बताएं कि किसी संख्या को जब हम बार-बार जोड़ते हैं, तो उसे गुणा करना कहते हैं। उदाहरण के लिए -

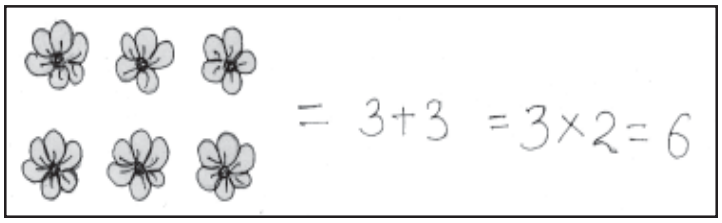

यहां फूलों की दो कतारें हैं और हर कतार में 3 फूल हैं, तो हम इस प्रकार लिखते हैं-

3 + 3 = 3 x 2 = 6

7. बच्चों को गुणा के कुछ अन्य प्रश्न भी कॉपी पर करने को दें। जैसे-

5	4	3
x 4	x 2	x 3

2. खेल -

1. बच्चों को रूमाल पकड़ खिलाएं। इसके लिए बच्चों को 2 टीम में बाँट लें। फिर जमीन पर दो रेखाएं खींचें जो कि एक-दूसरे से 25-30 कदम की दूरी पर हों। फिर इन रेखाओं की बीच की दूरी पर एक गोला बनायें और इसमें एक रूमाल रखें। फिर दोनों टीमों के एक-एक बच्चे को आने को कहें और रूमाल उठाने को कहें। उन दोनों में से जो भी बच्चा रूमाल जल्दी उठा लेगा वो दूसरे से किसी भी पहाड़े के बीच से कोई गुणा पूछेगा। अगर बच्चे ने उसका सही गुणनफल बता दिया तो वह खेल में रहेगा अथवा खेल से बाहर हो जाएगा। गलत जवाब देने पर इस प्रश्न का उत्तर उसी बच्चे को देना होगा जिसने यह प्रश्न पूछा है अगर वह बच्चा भी गलत उत्तर देता है तो वह भी खेल से बाहर हो जाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. गुणा के सवाल लिखी पर्चियां एक डब्बे में डाल दें तथा सभी बच्चें से एक-एक पर्ची उठाकर कॉपी में हल करने को कहें।

अध्याय-VI

बच्चों को संख्याओं का सरल भाग करना सिखाना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. दिन प्रतिदिन के कार्य में भाग करने की क्रिया का महत्व समझाने के लिए बच्चों से कुछ सवाल पूछें। जैसे- अगर 1 किलो आम की कीमत 80 रुपए है, तो 250 ग्राम आम की कीमत क्या होगी?

2. बच्चों का भाग के चिन्ह '÷' से अवगत करवाएं।

3. बच्चों को बताएं कि भाग, गुणा का ही विपरीत रूप हैं,
उदाहरण के लिए –

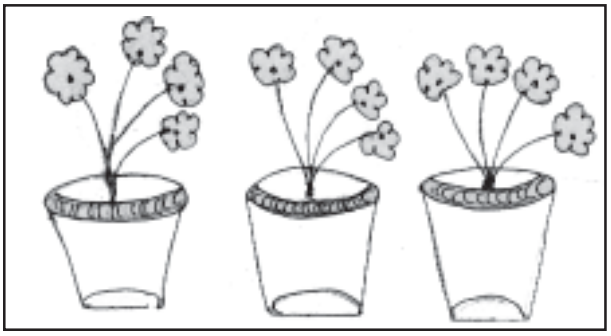

ऐसे चित्र बनाकर बच्चों से पूछें–
हर फूलदान में कितने फूल हैं? उत्तर – 4
कितने फूल दान हैं? उत्तर – 3
कुल कितने फूल हैं? उत्तर 4 x 3 = 12

अब उनसे पूछें –
कुल कितने फूल हैं? उत्तर – 12
कितने फूलदान हैं? उत्तर –3
हर फूलदान में कितने फूल हैं? उत्तर 12 ÷ 3 = 4

अगर 4 x 3 = 12 तो 12 ÷ 3 = 4 तथा 12 ÷ 4 = 3

बच्चों को बताएं कि भाग की क्रिया का प्रयोग बराबर–बराबर हिस्सें में बांटने के लिए भी कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए – अगर 35 सेबों को 5 डिब्बों में बराबर बांटे तो हर डिब्बे में कितने सेब आएंगे।
उत्तर – कुल सेब = 35
डिब्बे = 5
हर डिब्बे में 35 ÷ 5 = 7 सेब होंगे।
बच्चों को अन्य संख्याओं द्वारा भाग करने की क्रिया बताएं। जैसे–
$3\overline{)18}$ $5\overline{)15}$
6. बच्चों को बताएं कि एक गुणा से दो भाग के रूप मिलते हैं। जैसे–

1. 3 x 4 = 12	12 ÷ 3 = 4	12 ÷ 4 = 3
2. 5 x 3 = 15	15 ÷ 3 = 5	15 ÷ 5 = 3
3. 2 x 3 = 6	6 ÷ 3 = 2	6 ÷ 2 = 3

बच्चों को इस तरह के कुछ अन्य प्रश्न हल करने को दें।

2. खेल-

1. अपने पास रखी भाग के सवाल वाली पर्चियों में से दो-दो पर्चियां बच्चों से उठाकर हल निकालने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले सही हल निकाले, उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

सरल भाग वाले प्रश्नों के दो-दो कार्ड्स बच्चों को दें तथा उन्हें अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें। अब बच्चों से उन सवालों के हल निकालने को कहें।

अध्याय-VII

अब तक पढ़ाए गए तथ्यों की बच्चों को पुनरावृत्ति करना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बिना हासिल के जमा और घटा के मैखिक प्रश्न करवाएं।
2. उन्हें जमा और घटा के प्रश्न कॉपी में हल करने को दें।
3. बच्चों से मौखिक पहाड़े पूछें।
4. बच्चों को जमा, घटा, गुणा तथा भाग के रिक्त स्थान भरने को दें।

2. खेल-

1. जमा, घटा, गुणा तथा भाग के एक-एक प्रश्न लिखे कार्ड्स बच्चों में बांटे दें तथा उसे हल करने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले हल करके उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. दो संख्याएं कार्ड्स बच्चों को दें तथा उन्हें अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें। अब उन संख्याओं के बीच में जमा का चिन्ह लगाकर हल लिखने कहें। फिर दोनों सख्याओं का घटा करने को कहें, फिर गुणा करके हल निकालने को कहें। अंत में भाग करके हल लिखने को कहें।

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I

बच्चों को लंबे-छोटे, मोटे-पतले तथा कम-ज्यादा का ज्ञान देना

समय सीमा - 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को एक गोले में बिठाएं एवं वहां पर विभिन्न लंबाई की वस्तुएं जैसे लकड़ी के गुटके, बोतल, ब्लॉक आदि रखें। इनके द्वारा उन्हें लम्बे व छोटे का ज्ञान दें।

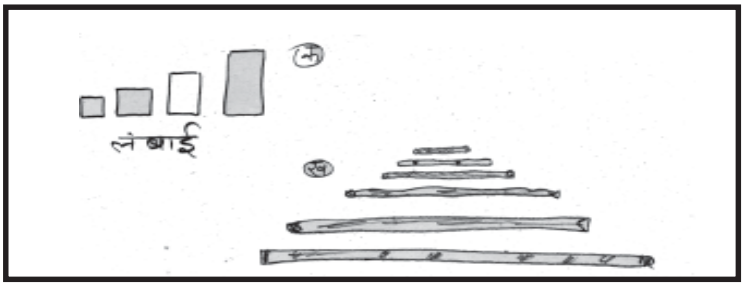

2. बच्चों को लंबाई का ज्ञान देने के पश्चात सभी बच्चों को लंबाई के अनुसार छोटे से बड़े के क्रम में खड़ा होने को कहें।

3. बच्चों को एक गोले में बिठाएं। फिर उन्हें समूह में से ही दो बच्चों के बीच अंतर करके दिखायें। इसी प्रकार से उन्हें मोटे-पतले तथा चाहे तो लम्बे व छोटे का ज्ञान भी करा सकते हैं।

4. बच्चों को कम-ज्यादा की जानकारी देने के लिए उन्हें एक पेन्सिल दिखाएं व दूसरी ओर पांच पेन्सिल दिखाएं और बताएं कि एक पेंसिल कम व पांच ज्यादा है।

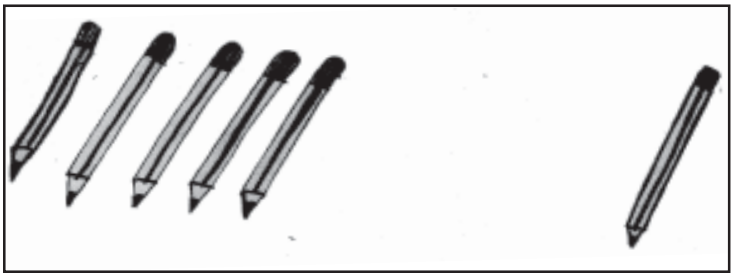

2. खेल-

1. विभिन्न लम्बाई की लकड़ियों को बच्चों से एकत्रित करने को कहें, तथा उन्हें घटते या बढ़ते क्रम में लगाने को कहें। फिर देखे कि कौन सा बच्चा कितनी लकड़ियों को सही लम्बाई से जमीन पर लगा पाता है।

3. कलात्मक कार्य-

1. लंबे-छोटे तथा मोटे पतले का ज्ञान देने के लिए बच्चों से मिट्टी की वस्तुएं बनवाएं जैसे छोटी-छोटी गोलियां, मोती, पतली व मोटी डंडियां आदि। अब इनके सूखने पर बच्चों से रंग भी करवाएं तथा इनमें से मोटे व पतले मोती तथा लंबी व छोटी डंडिया पहचानने को कहें।

2. बच्चों को पेपर पर दो बराबर आकार के गोले बनाने को कहें। अब बच्चों से किसी रंगीन कागज या अखबार के छोटे-छोटे टुकड़े करवाएं। एक गोले में कम व एक गोले में ज्यादा टुकड़े चिपकाने को कहें।

इन सभी गतिविधियों से बच्चों को लंबे-छोटे, मोटे-पतले तथा कम-ज्यादा वस्तुओं का ज्ञान होगा।

अध्याय-II

बच्चों को डूबने व तैरने वाली तथा घुलनशील-अघुलनशील वस्तुओं की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कुछ ऐसी वस्तुओं को एकत्र करें जो पानी में डूबती हैं व कुछ ऐसी वस्तुएं जो नहीं डूबती है। अब एक बर्तन में पानी लें व यह प्रक्रिया करके दिखाएं।

2. दो पारदर्शी गिलास लें, उन्हें पानी से भर लें। एक गिलास में चीनी या नमक घोलें तथा बच्चों को बताएं कि यह चीनी या नमक पानी में घुल गया है अत: यह घुलनशील है। दूसरे गिलास में पत्थर या मिट्टी डालें व घोलें अब बच्चों को बताएं कि यह पानी में नहीं घुली अत: अघुलनशील है।

3. डूबने वाली वस्तुएं पत्थर, कील, कोई भी धातु से बनी चीज, न डूबने वाली पत्ता, लकड़ी आदि।

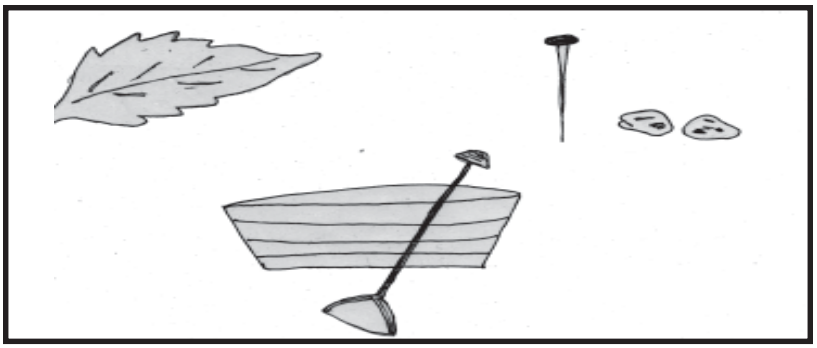

2. खेल-

1. बच्चों को एक गोले में खड़ा करें। अब डूबने वाली वस्तु बोलने पर बैठने व न डूबने वाली वस्तु बोलने पर खड़ा रहने को कहें। शुरुआत में धीरे-धीरे तत्पश्चात जल्दी-जल्दी डूबने व तैरने वाली वस्तुओं के नाम बोलें जैसे कील, पत्ता, लकड़ी, नाव, पत्थर आदि।

2. कागज में एक तरफ चित्र बनाएं तथा दूसरी ओर बच्चों से लिखने को कहें कि वह वस्तु घुलनशील है या अघुलनशील।

जैसे-कील-अघुलनशील
कागज-अघुलनशील
नाव-अघुलनशील
पत्थर-अघुलनशील
नमक-घुलनशील
चीनी-घुलनशील

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को एक कहानी सुनाएं-एक कौआ था जो बहुत प्यासा था, उसने दूर-दूर तक देखा पर उसे कहीं पानी नहीं मिला। उड़ते-उड़ते बहुत दूर जाकर उसे एक पानी का घड़ा दिखाई दिया। कौआ बहुत खुश हुआ, वह तेजी से घड़े तक पहुंचा परन्तु वहां पहुंचकर उसने पाया कि पानी तो तले में था। तभी उसे एक तरकीब सूझी उसने जल्दी-जल्दी आस-पास पड़े कंकड़ घड़े में डालने शुरू कर दिए। इस प्रकार धीरे-धीरे पानी ऊपर तक आ गया और कौए ने अपनी प्यास बुझायी। यह कहानी सुनकर बच्चों को इसका चित्र भी बनाने को कहें।

2. बच्चों से मिलकर एक सुंदर चार्ट बनाने को कहें तथा उसमें सभी घुलनशील व अघुलनशील वस्तुओं के नाम साफ-साफ अक्षरों में लिखने को कहें।

3. बच्चों को कागज व कैंची से कुछ सुंदर आकृतियां काटना सिखाएं, जब बच्चे सीख जाएं तो उन्हें एक मिनट में अधिक से अधिक आकृतियां काटने को कहें। अन्त में गिने कि किस बच्चे ने सबसे अधिक आकृतियां काटी हैं उसे विजेता घोषित करें। बच्चों से उन आकृतियां को अपनी फाइल में चिपकाने को कहें।

4. कविता-

देखो कैसे तैरती नाव,
पानी पर सरपट दौड़ती नाव
मैंने भी सोचा अकल लगाऊं।
मैं भी पानी में कुछ तैराऊं।
फिर मैंने कुछ पत्तियां तैयाई।
चली दूर वो लौट न आई
फिर, कागज तैराया मैंने।
डूब गया वो उस पानी में
फिर जब मैंने डाला कंकड़
डूब गया वो पानी के अंदर
तब आई ये बात समझ में
हल्की वस्तु ही तैरे जल में।।

बच्चों को डूबने वाली व तैरने वाली तथा घुलनशील व अघुलनशील वस्तुएं दिखाएं।

अध्याय-III

बच्चों को सुरक्षा के नियमों की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को एक गोले में बिठाएं तथा उन्हें समझाएं कि हमेशा फुटपाथ पर चलें, किसी नुकीली धार वाली वस्तु से न खेलें, ट्रैफिक लाइट देखकर ही सड़क पार करें व बिजली की तार आदि न छेड़ें, ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रहें, तेज बहाव वाले पानी में न जाएं, नंगे पैर न चलें आदि।

2. बच्चों से भी पूछें कि वह कौन-कौन से सुरक्षा के नियम जानते हैं व पालन करते हैं।

3. बच्चों को बताएं कि सड़क पर हमेशा दाएं-बाएं देखकर ही सड़क पार करें।

2. खेल-

1. कुछ पर्चियां जिन पर सुरक्षा के नियमों से सम्बन्धित वाक्य टुकड़ों में लिखे हों। जैसे-

सड़क	के	बांयी	ओर	चलो।
ट्रैफिक	नियमों	का	पालन	करें

अब बच्चों को एक-एक करके बुलाएं व वाक्य बनाने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक वाक्य बनाएं उसे प्रोत्साहित करें।

2. सभी बच्चों को सुरक्षा के नियम विषय पर एक-एक मिनट खड़े होकर बोलने को कहें। इससे उनकी खुलकर बोलने की क्षमता बढ़ेगी।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को सुरक्षा के नियमों से सम्बन्धित चित्र व चिन्ह दिखाएं तथा बच्चों को बताने को दे। इनमें रंग भरने को भी कहें।

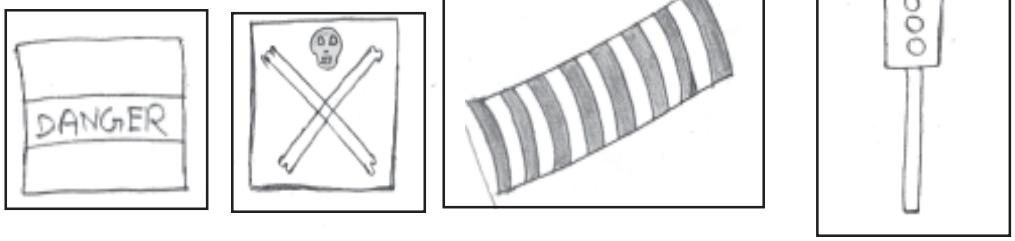

2. बच्चों को अखबारों से भी सुरक्षा से सम्बन्धित चित्र ढूंढकर पेपर पर चिपकाने को कहें।

4. कविताएं

चिंटू था बड़ा शैतान
सदा करता शैतानी के काम,
फिर मम्मी ने उसे बुलाया
बड़े प्यार से ये समझाया
बेटा! चलो संभलकर सड़क पर
होती कितनी भीड़ सड़क पर
चलो देखकर दांये-बायें
ताकि तुम्हें चोट ना आए
जेब्रा क्रासिंग पर चलो हमेशा
जिससे होगी तुम्हारी सुरक्षा
तब चिंटू को समझ में आया
उसने फिर मां को समझाया
मां तू चिंता मत करना,
मैं सीख गया हूं अब चलना।

अध्याय-IV

बच्चों को खेलों व खिलाड़ियों की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1 वार्तालाप -

1. बच्चों से बातों-बातों में पूछें कि उन्हें कौन-कौन से खेल पसंद हैं।

2. बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन से खेल खेलना पसंद है तथा उन्हें अन्य खेलों के बारे में बताएं जैसे कि क्रिकेट, खो-खो, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिन्टन, लूडो, सांप-सीढ़ी, कैरम इत्यादि।

3. बच्चों से पूछें कि वह कौन-कौन से खेल खेलते हैं और उन्हें कौन सा खिलाड़ी पसंद हैं जैसे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर या महेन्द्र सिंह धोनी, टेनिस में सानिया मिर्जा, फुटबाल में रोनाल्डो आदि।

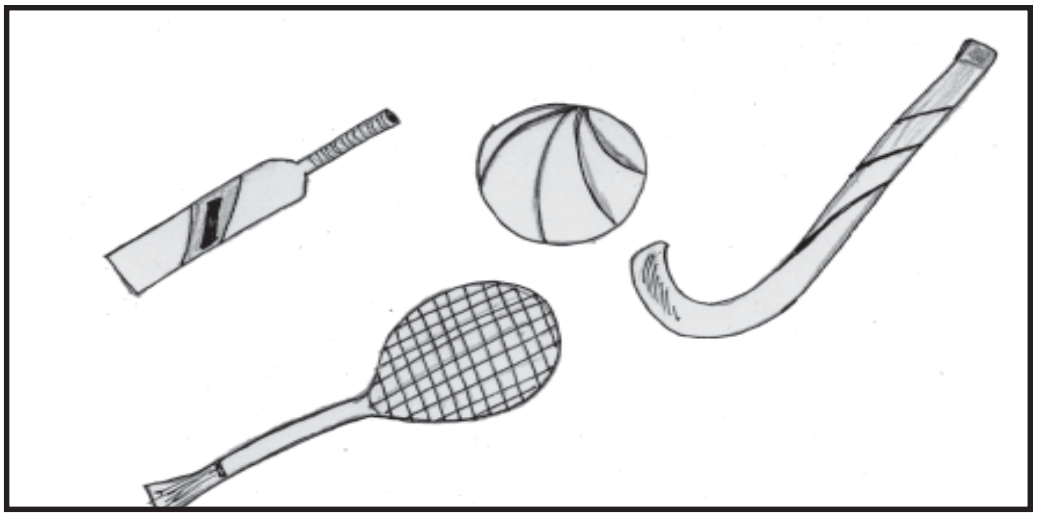

4. बच्चों को जानकारी दें कि कौन सा खेल कैसे खेला-जाता है व उसमें कितने खिलाड़ियों की आवश्यकता होती है।

2. खेल-

1. बच्चों को विभिन्न खेलों की जानकारी देने के लिए अलग-अलग खेल खिलाएं जैसे-क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, कैरम, फुटबॉल आदि।

2. बच्चों में कई खेलों की प्रतियोगिता करवाएं तथा जीतने वाले बच्चे को पुरस्कार दें।

3. इन प्रतियोगिताओं में आप कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, कैरम, रेस, रस्सीकूद, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिटंन आदि अन्य भी कई खेल करवा सकते हैं।

3. कलात्मक कार्य –

1. बच्चों से विभिन्न खेलों व खिलाड़ियों से संबंधित चित्रों को अखबार आदि से काटकर अपनी फाइल में चिपकाने को कहें तथा उन खेलों और खिलाड़ियों के नाम भी लिखने को दें।

3. बच्चों को बॉल, बैट, हॉकी, बैडमिन्टन आदि का चित्र बनाने को कहें तथा उनमें रंग भी भरने को कहें।

4. कविता–

चलो दोस्तों कुछ खेलें
क्रिकेट, फुटबाल या हॉकी खेलें
या फिर खो-खो, कबड्डी खेलें,
क्यों ना करें एक उपाय,
आंख मिचौली खेली जाए
ढूंढें एक दूसरे को सभी
छिपें हम कि कोई ढूंढ ना पाए।।

बच्चों में खेल प्रतियोगिता आयोजित करें

अध्याय-V

बच्चों को उनके अधिकारों व पुलिस के बारे में जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों को बातों-बातों में बताएं कि उनके कुछ अधिकार होते हैं। बच्चों को उनके चार अधिकार (क) जीने का (ख) सुरक्षा का (ग) भागीदारी का (घ) विकास का, के बारे में बताएं और वह इन अधिकारों का प्रयोग कैसे कर सकते हैं यह भी बताएं।

2. बच्चों को पुलिस की भूमिका बताएं तथा पुलिस किस प्रकार से बच्चों की सहायता कर सकती है यह भी बताएं।

3. बच्चों को समझाएं कि हम किन-किन परिस्थितियों में पुलिस से मदद मांग सकते हैं।

2. खेल–

1. बच्चों को आप अधिकारों या ईमानदार पुलिस पर कोई नाटक आदि करवा सकते हैं।

2. बच्चों को जानकारी देने के पश्चात आप एक छोटी सी प्रतियोगिता करवा सकते हैं जिसमें बाल अधिकार व पुलिस से संबंधित प्रश्न पूछें। चाहे तो बच्चों को समूहों में विभाजित कर सकते हैं। सही जवाब देने वाली टीम विजेता कहलाएगी।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पुलिस का चित्र बनाने को दें।

2. आप बच्चों से बाल अधिकारों से सम्बन्धित बैनर व स्लोगन आदि बनवा सकते हैं व रैली आदि में इसका प्रयोग करें।

3. बच्चों को पास के पुलिस स्टेशन में विजिट के लिए ले जा सकते हैं।

4. कविताएं-

आओ अपने अधिकारों को जाने,
क्या है ये, जरा पहचाने
हमें है अधिकार 'जीने' का
अपनी 'सुरक्षा' और 'विकास' का
अपनी बातों को कहने का
हमे अधिकार 'भागीदारी' का
अब समझें अधिकारों को अपने
तभी पूरे होंगे सब सपने।।

इन गतिविधियों के अतिरिक्त आप स्वयं भी कोई अन्य गतिविधि बच्चों को सिखा सकते हैं। बच्चों को अधिक से अधिक भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अध्याय-VI

बच्चों को राष्ट्रीय गान तथा देशभक्ति के गीतों की जानकारी देना

समय सीमा- 3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कुछ देशभक्ति गीत बताएं व सिखाएं। साथ ही उन्हें राष्ट्रीय गान के बारे में जानकारी दें, व राष्ट्रगान सिखायें।

2. खेल-

1. बच्चों की एक प्रतियोगिता आयोजित करवाएं तथा बच्चों से एकल या समूह में एक देशभक्ति गीत तैयार करने को कहें। बच्चों की प्रस्तुति देखने के बाद उन्हें प्रोत्साहित करें व पुरस्कार दें।

2. बच्चों के सामने कुछ देशभक्ति गीत व राष्ट्रीय गान का नाम लें, बच्चों से इसमें से राष्ट्रीय गान कौन सा- हैं, बताने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को देशभक्ति से संबंधित चित्र ढूंढकर अपनी फाइल में चिपकाने को कहें तथा उनका नाम भी लिखने को कहें।

2. बच्चों से अपने देश का झण्डा बनाने का कहें तथा उसमें सही रंग भरने को कहें।

4. कविताएं-

अपने देश का प्यारा झंडा
तीन रंग का न्यारा झंडा,
केसरिया, सफेद व हरा
आसमान में फहराता है
देशभक्ति सिखलाता है
हम सबको यह भाता है।

वंदनीय भारती तुझे नमन
जन्मभूमि तुम शहीदों का चमन
जीवन सुमन चढ़ा के तेरे पथ पे हम
करते हैं नमन, वंदे-मातरम-2
गांधी, सुभाष, नेहरू की कहानियां
देती है प्राणदान की कुर्बानियां
हो गए शहीद मां तेरे लिए
वंदे मातरम तुझको कह गए
कर गए आजाद वो तेरा चमन
करते हैं नमन के वन्दे-मातरम।

इन गतिविधियों के अतिरिक्त आप स्वयं भी कोई अन्य गतिविधि बच्चों को सिखा सकते हैं। बच्चों को अधिक से अधिक भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अध्याय-VII

बच्चों को यातायात के साधनों की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1.वार्तालाप-

1. बच्चों को फ्लैश कार्ड्स के माध्यम से या बोर्ड पर चित्र बनाकर यातायात के साधनों जैसे-बस, कार, रिक्शा, स्कूटर, नाव, हवाई जहाज, ट्रक, ट्रेन, ऑटो आदि से अवगत कराएं।

2. यदि संभव हो तो बच्चों को पास के ट्रैफिक सिग्नल तक लेकर जाएं व उन्हें यातायात के विभिन्न माध्यम दिखाएं।

3. बच्चों को जमीन, हवा व पानी पर चलने वाले यातायात के साधनों से अवगत कराएं।

2. खेल-

1. पहले से बनाया एक चित्र जिसमें धरती, आकाश व पानी दर्शाया हो बच्चों को दिखाएं। कुछ छोटी-छोटी पर्चियां जिनमें स्कूटर, नाव, जहाज, कार आदि के चित्र बने हों बच्चों को दें। अब बच्चों को बारी-बारी से बुलाएं व उन्हें सही यातायात के साधन को सही जगह रखने को कहें। जैसे-नाव-पानी पर, जहाज-आकाश में आदि।

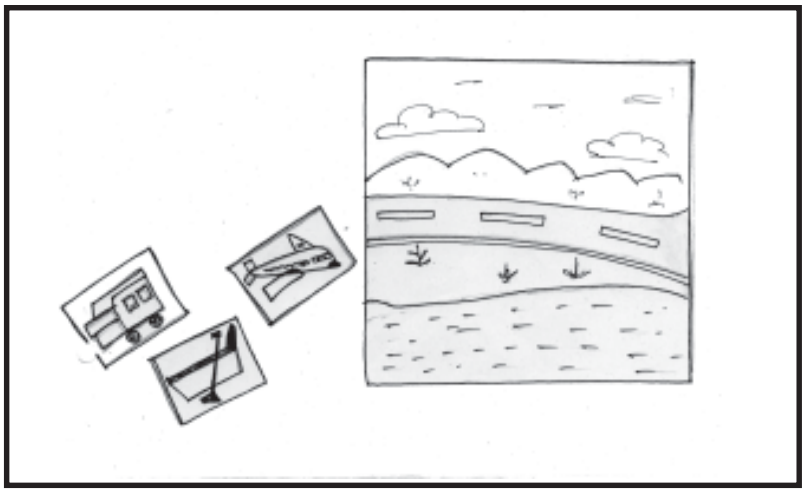

2. बच्चों को सीधी लाइन में खड़ा करके उनसे कहें कि यदि आसमान में उड़ने वाले वाहन का नाम लिया जाए तो एक कदम आगे कूदें। पानी से चलने वाले वाहन का काम लेने पर एक कदम पीछे कूदें व जमीन पर चलने वाले वाहन का नाम लेने पर अपने ही स्थान पर खड़े रहने को कहें। अब विभिन्न वाहनों के नाम जल्दी-जल्दी बोलें। जो बच्चा अन्त तक सही खेलेगा वह जीतेगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से यातायात के साधनों के चित्र बनाकर उनमें रंग भी भरने को कहें।
2. अखबार से यातायात के साधनों के चित्र ढूंढकर पेपर पर चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

बच्चों की ये रेल है,
बच्चों का ये खेल है,
बड़ी अनोखी गाड़ी है,
जाती कूद ये झाड़ी है,
चलते-चलते जाती रुक,
छुक-छुक-छुक-छुक-छुक।

हेलीकॉप्टर आता है।
पंखा तेज घुमाता है।
सबके मन को भाता है।
ऊपर को चला जाता है।

अध्याय-VIII

बच्चों को राष्ट्रीय त्यौहार के बारे में जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप

1. बच्चों को बैठाकर उन्हें राष्ट्रीय पर्व-जैसे 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस), 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) आदि के बारे में बताएं।
2. बच्चों को इन पर्वों का महत्व बताएं व इन्हें क्यों मनाते हैं यह भी समझाएं।
3. बच्चों को किसी छोटी कहानी के माध्यम से भी आप बच्चों को आजादी की लड़ाई के बारे में समझा सकते हैं।

2. खेल-

1. बच्चों को दी गई जानकारी में से ही प्रश्न पूछें। चाहें तो आप बच्चों को समूहों में बांटकर प्रतियोगिता आयोजित करवा सकते हैं। अधिक सही जवाब देने वाली टीम को विजेता घोषित करें।
2. कुछ पर्चियां जिन पर अलग-अलग तीनों राष्ट्रीय पर्वों के नाम लिखें हों बच्चों को दें। अब बच्चे के पास जो भी पर्व आया है उस पर 1 मिनट बोलने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को कोई संबंधित चित्र जैसे-झंडा, भारत का मानचित्र आदि देखकर बनाने को दें।
2. अखबारों व पत्रिकाओं से कुछ चित्र काटकर पेपर पर चिपकाने को कहें।

4. कविताएं-

1. गांधी, सुभाष और नेहरू प्यारे
कहो हमें हैं क्या बतलाते
देश पे जीना देश पे मरना
हमको देशभक्ति सिखलाते।।

2. भारत प्यारा देश हमारा,
हम सब इसकी शान,
देश पर जीना, देश पर मरना
देश हमारी आन है।।
देश की मिट्टी में हैं मां
इसने हमको सींचा है
हमसे इसका रिश्ता गहरा
इसमें ही बचपन बीता है।
पढ़ लिखकर बढ़ेगें आगे हम अब
देश को आगे बढ़ाना है।

इन सभी गतिविधियों से बच्चों को राष्ट्रीय पर्वों और देश भक्ति के विषय में जानकारी प्राप्त होगी।

LEVEL-3

हिन्दी

अध्याय-I

बच्चों को र-रेफ की मात्रा ‘ ` ’ र-पदेन की मात्राएं ‘्र ‸’ तथा अः की मात्रा की जानकारी देना।

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कार्ड्स द्वारा बच्चों को र-रेफ की मात्रा ‘ ` ’, र-पदेन की मात्राएं ‘्र ‸’ तथा अः की मात्रा ‘ : ’ से अवगत करवाएं।

2. ब्लैक बोर्ड पर कुछ अक्षरों में र-रेफ की मात्रा ‘ ` ’, र-पदेन की मात्राएं ‘्र ‸ ’ तथा अः की मात्रा ‘ : ’ लगाकर बच्चों को पढ़कर बताएं। बच्चों को भी इन मात्राओं के प्रयोग से कुछ शब्द बोलने को कहें।

जैसे -

अ + र् + थ - अर्थ
मु + र् + गी - मुर्गी
ट् + र + ट्र - ट्रेन
ड् + र + ड्र - ड्रम
फ् + रा + क - फ्राक
ब् + र + श - ब्रश
प्रा + त + : - प्रातः
पु + न + : - पुनः

3. बच्चों को इन मात्राओं के प्रयोग से ज्यादा से ज्यादा शब्द अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ चित्र जिनके नाम में ‘ ` ’ या ‘्र ’ या ‘ ‸ ’ या ‘ : ’ का प्रयोग होता हो अपने पास रखें। एक-एक बच्चे को बुलाकर अपने पास रखी मात्राओं में से एक कार्ड उठाकर सही जगह लगाने को कहें।

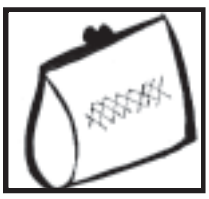

पस

फाक

डम

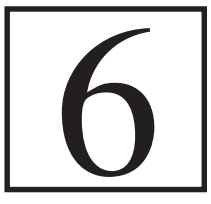

छ

3. कलात्मक कार्य-

बच्चों को पुराने पत्र-पत्रिकाओं में से ऐसे शब्द काटने को कहें जिनमे ‘ ` ’ या ‘्र ’ या ‘ : ’ की मात्राएं आती हों, तथा उन शब्दों को कॉपी में चिपकाने को कहें।

अध्याय–II

बच्चों को शब्दों के वचन की जानकारी देना

समय सीमा–2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम –

1. वार्तालाप–

1. सर्वप्रथम बच्चों को बताएं कि शब्द के जिस रूप से यह पता चले कि वह एक है या एक से अधिक, उसे वचन कहते हैं। जैसे–

बच्चा –बच्चे

आँख – आँखें

2. बच्चों को बताएं कि हिन्दी में वचन के दो भेद होते हैं–एक वचन तथा बहुवचन।

शब्द के जिस रूप से एक वस्तु का बोध हो, उसे एक वचन कहते हैं। जैसे–तोता, घोड़ा, कपड़ा आदि।

* शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे– तोते, घोड़े, कपड़े, आदि।

3. बच्चों से कुछ अन्य शब्दों का एक वचन रूप कहें और उनसे बहुवचन रूप पूछें।

4. बच्चों को कुछ अन्य शब्दों का एकवचन तथा बहुवचन रूप लिखवाएं। जैसे–

एक वचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहु वचन**
रात	रातें	मेज	मेजें
बहन	बहनें	आँख	आँखें
गाय	गाएँ	मक्खी	मक्खियाँ
लड़का	लड़के	केला	केले
पंखा	पंखे	बेटा	बेटे
माला	मालाएं	लता	लताएं
कली	कलियाँ	किनारा	किनारे
टोपी	टोपियाँ		

5. बच्चों को कुछ शब्दों का एकवचन या बहुवचन रूप दें तथा अन्य रूप लिखने को कहें।

2. खेल–

1. बच्चों को बुलाकर अपने पास रखे एकवचन शब्द लिखे कार्ड्स में से तीन–तीन कार्ड्स लेकर उनके बहुवचन रूप लिखने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले लिख ले, उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य–

1. ब्लैक बोर्ड पर एकवचन या बहुवचन की संख्या को दर्शाते हुए चित्र बनाएं। उन्हें देखकर बच्चों से उसके दूसरे वचन का चित्र अपनी कॉपी पर बनाने को कहें।

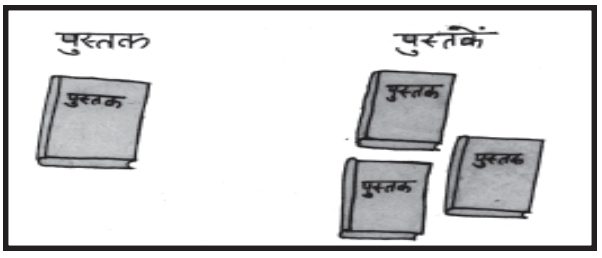

अध्याय-III

बच्चों को शब्दों के 'लिंग' की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. सर्वप्रथम बच्चों को बताएं कि शब्द के जिस रूप से पुरुष या स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं। उन्हें यह भी बताएं कि लिंग के दो भेद हैं-पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

* पुल्लिंग शब्द पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द होते हैं।

जैसे- लड़का, आदमी, बैल, आदि।

* स्त्रीलिंग शब्द स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द होते हैं।

जैसे- लड़की, औरत, गाय, आदि।

2. बच्चों को कुछ अन्य पुल्लिंग शब्द कहें तथा उनसे शब्दों का स्त्रीलिंग रूप पूछें।

जैसे-

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुरुष**	**स्त्री**
पुत्र	पुत्री	चूहा	चुहिया
बेटा	बेटी	शेर	शेरनी
नर	नारी	बालक	बालिका
पिता	माता	सेठ	सेठानी
लेखक	लेखिका	राजा	रानी

3. बच्चों को अन्य पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखवाएं तथा दोनों रूपों को याद करने को कहें।

4. बच्चों को कुछ शब्दों का पुल्लिंग रूप दें तथा स्त्रीलिंग रूप लिखने को कहें।

2. खेल-

1.पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग शब्द लिखे कार्ड्स अपने पास रखें, तथा एक-एक बच्चे को बुलाकर सही जोड़े मिलाने को कहें। जैसे-

माता-पिता, स्त्री-पुरुष, भाई-बहन

3. कलात्मक कार्य-

1. ब्लैक बोर्ड पर कुछ पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग शब्द एक साथ लिख दें तथा बच्चों को दोनों लिंगों के शब्दों को छांटकर अलग अलग लिखने को कहें। जैसे-

चूहा, बालक, चाची, लेखिका, राजा, नर, पत्नी

पुल्लिंग- चूहा, बालक, राजा, नर

स्त्रीलिंग - चाची, लेखिका, पत्नी

अध्याय-IV

बच्चों को शब्दों के विलोम रूप की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बताएं कि जो शब्द अर्थ की दृष्टि से एक-दूसरे के विरोधी होते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं। जैसे-

आशा-निराशा, आगे-पीछे, दाएँ-बाएँ, काला-सफेद

2. बच्चों को कुछ अन्य शब्दों के विलोम रूप पूछें।

3. बच्चों को कॉपी में कुछ शब्द तथा उनके विलोम रूप लिखने को कहें। जैसे -

शब्द		विलोम	शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
बड़ा	-	छोटा	मुश्किल	-	आसान	पाना	-	खोना
मोटा	-	पतला	बदबू	-	खुशबू	अंधेरा	-	उजाला
ऊपर	-	नीचे	पक्का	-	कच्चा	भीतर	-	बाहर
कठोर	-	कोमल	खरीदना	-	बेचना	ठंडा	-	गर्म
दिन	-	रात	सच्चा	-	झूठा	नया	-	पुराना
शत्रु	-	मित्र	सुबह	-	शाम	सख्त	-	नरम

4. बच्चों को कुछ अन्य शब्द दें तथा उनके विलोम रूप अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को एक गोले में बैठा दें। आप कोई शब्द कहें तथा किसी बच्चे से उसका विलोम रूप बतलाने को कहें। अगर वह सही जवाब दे दे, तो वह अगले बच्चे से किसी अन्य शब्द का विलोम रूप पूछें। जो बच्चा जवाब न दे पाए उसे बाहर कर दें। इस तरह अंत तक जो बच्चा सही जवाब देता जाए उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. अपने पास रखे शब्दों तथा उनके विलोम रूप वाले कार्ड्स का सही मिलान बच्चों से करने को कहें।

2. इन शब्दों को रंगों द्वारा अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

अध्याय-V

बच्चों को सरल वाक्य पढ़ाना व लिखना सिखाना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बोर्ड पर कुछ छोटे एवं सरल वाक्य लिखें, तथा बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर उसे पढ़ने को कहें। जैसे-

* राम एक अच्छा लड़का है।
* दिल्ली भारत की राजधानी है।
* जल ही जीवन है।

2. बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें तथा बच्चों से उन वाक्यों को अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

3. कुछ शब्द तथा सरल वाक्य बोलें तथा बच्चों से उन वाक्यों को अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को कुछ खाली पर्चियां दें तथा उन पर्चियों में बच्चों से अपने बारे में एक वाक्य लिखने को कहें। इसके पश्चात उन सभी पर्चियों को एकत्रित कर लें। फिर बच्चों को बारी-बारी बुलाकर कोई भी पर्ची उठाकर पढ़ने को कहें। इससे उन्हें पढ़ने व लिखने दोनों का ज्ञान होगा।

2. ब्लैक बोर्ड पर चित्र बनाएं, तथा उस चित्र को देखकर बच्चों को एक या दो वाक्य कॉपी में लिखने को कहें।

3. बच्चों को दो ग्रुपों में बांट दें। अब 'A ' ग्रुप के बच्चों को कोई एक शब्द बोलने को कहें तथा 'B' ग्रुप के बच्चों को उस शब्द से वाक्य बनाने को कहें। सही जवाब देने पर ' B ' ग्रुप के बच्चे 'A ' ग्रुप के बच्चों से किसी शब्द से वाक्य बनाने को कहें। इस तरह खेल आगे बढ़ाते रहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. ब्लैक बोर्ड पर कोई एक वाक्य लिख दें तथा बच्चों से उससे सम्बन्धित कोई भी चित्र अपनी कॉपी में बनाने को कहें, तथा उसमें रंग भरने को भी कहें।

अध्याय-VI

सरल कहानी पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को कोई कहानी सुनाएं तथा उस कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर अपने शब्दों में लिखने को कहें।

2. कुछ चित्र वाले कार्ड्स बच्चों को दिखाएं तथा उन पर कहानी लिखने को कहें।

2. खेल-

1. बच्चों को निबंध या गद्यांश के वाक्य क्रमानुसार ना देकर ऊपर-नीचे लिखकर दें। अब उन्हें पढ़कर सही क्रम में लगाने को कहें जिससे क्रमानुसार निबंध तैयार हो जाए। जो बच्चा सबसे कम समय में क्रमानुसार वाक्य लगा लें, उसे शाबाशी दें।

2. कुछ कार्ड्स बनायें जिनमें एक कहानी के विभिन्न वाक्य लिखें। बच्चों को उन वाक्यों को पढ़कर क्रम से कार्ड्स लगाने को कहें जिससे एक पूरी कहानी बन जाए।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को कोई भी एक कहानी सुनायें परन्तु उसका अंत न सुनायें। अब अपनी कल्पना के अनुसार कहानी का अंत अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. बच्चों को गोले में बिठाएं तथा बच्चों को किसी भी कहानी की एक लाइन दें, फिर उस लाइन में आगे की कहानी जोड़ने को कहें। इससे बच्चों की कल्पनाशक्ति का विकास होगा।

अध्याय-VII

बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखना सिखाना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

वार्तालाप-

1. बच्चों को प्रार्थना-पत्र लिखना सिखाने के लिए सर्वप्रथम बोर्ड पर प्रार्थना-पत्र लिखें, फिर बच्चों को उसे पढ़कर कॉपी में लिखने को कहें। जैसे-

प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र-

सेवा में,

माननीय प्रधानाचार्य

स्कूल का नाम

नई दिल्ली-

महोदय,

कल शाम फुटबॉल खेलते समय मेरे पैर में चोट आ गई थी। डॉक्टर ने दो दिन आराम करने को कहा है। इसलिए निवेदन है कि मुझे आज और कल का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी छात्र

नाम-

कक्षा-

दिनांक-

2. बच्चों के कोई अन्य प्रार्थना पत्र भी लिखने को कहें।

खेल-

1. कुछ पर्चियां बनायें जिनमें चिट्ठी एवं प्रार्थना पत्र लिखने के लिए कुछ विषय दें। बच्चों को बारी-बारी बुलाकर पर्ची उठाने को कहें। उसके बाद पर्ची में लिखे विषय पर लिखने को कहें।

2. कुछ पर्चियां बनाएं जिनमें चिट्ठी, प्रार्थना पत्र एवं टेलीग्राम के छोटे-छोटे संदेश लिखें। बच्चों को पर्ची उठाने को कहें तथा उसको पढ़कर सही उत्तर देने को कहें।

कलात्मक कार्य-

1. आप बच्चों से चिट्ठी या प्रार्थना पत्र आदि रखने के लिए लिफाफे बनवा सकते हैं।

अध्याय-VIII

गद्यांश पढ़कर उसके प्रश्नों का उत्तर लिखना सिखाना तथा शब्दों से वाक्य बनाना सिखाना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को एक गद्यांश दें तथा उस गद्यांश से संबंधित प्रश्न लिख कर दें। बच्चों को गद्यांश पढ़कर उत्तर देने को कहें।

2. बच्चों से कुछ शब्द बोलें तथा उनसे मौखिक वाक्य बनाने को कहें।

3. आप कुछ शब्द ब्लैक बोर्ड पर लिखें तथा बच्चों को उनसे बने वाक्य अपनी कॉपी पर लिखने को कहें। जैसे-

मेहनत- मेहनत का फल मीठा होता है।

घर- मेरे घर के पास एक स्कूल है।

भारत- भारत एक स्वतंत्र देश है।

2. खेल-

1. बच्चों को दो ग्रुपों में बांट दें। एक ग्रुप शब्द कहे तो दूसरा ग्रुप उससे वाक्य बोले। फिर दूसरा ग्रुप कोई शब्द कहे और पहला ग्रुप उससे वाक्य बनाए। वाक्य बनाने के लिए नियमिति समय दें जैसे- 6 सेकेंड, 10 सेकेंड आदि। यह खेल तब तक खेलने दें जब तक कोई ग्रुप जीत न जाए।

3. कलात्मक कार्य-

दो-दो शब्द लिखे कार्ड्स बच्चों में बांट दें। अब बच्चों को उन शब्दों से वाक्य बनाकर अपनी कॉपी पर लिखने को कहें।

गद्यांश

सावन के महीने में ही राखी का त्यौहार मनाया जाता है। बरसात कम होते ही हवा ठंडी होने लगती है। धीरे-धीरे सर्दी की ऋतु आ जाती है। दिसंबर, जनवरी तक तो बहुत ठंड पड़ने लगती हैं। सर्दी में सब लोग गरम कपड़े पहनते हैं। रात को रजाई ओढ़कर सोते हैं। सबको धूप अच्छी लगती हैं। पर उन दिनों सूरज देर से निकलता है और जल्दी अस्त हो जाता है।

प्रश्न-राखी का त्योहार कब मनाया जाता है?
प्रश्न- हवा कब ठंडी होने लगती है?
प्रश्न- सर्दी में लोग कैसे कपड़े पहनते हैं?

अध्याय-IX

बच्चों को अभी तक पढ़ाए गए पाठों का पुनरावृत्ति करवाना

समय सीमा-2 सप्ताह

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को अभी तक सिखाए गए शब्दों के 'लिंग' एवं 'वचन' बदल कर लिखने को दें।
2. सिखाए गए कुछ शब्दों के विलोम शब्द भी लिखने को कहें।
3. बच्चों को शब्दों एवं वाक्यों का इमला दें।
4. चित्र दिखाकर बच्चों से कहानी लिखने को कहें।
5. कुछ अपठित गद्यांश उन्हें दें तथा प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

2. खेल-

1. अभी तक पढ़ाए गए तथ्यों को समझाने के लिए पहले के खेलों को समय-समय पर दोहराते रहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. अभी तक कराए गए कलात्मक कार्य को दोहराते रहें।

ENGLISH

अध्याय-I

बच्चों को सरल वाक्य एवं छोटे गद्यांश पढ़ना व लिखना सिखाना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को सर्वप्रथम छोटे एवं सरल शब्दों से बने वाक्य पढ़वायें -
2. निम्नलिखित गद्यांश को बारी-बारी से बच्चों से पढ़ावायें-

A COW

A cow is a domestic animal. It eats grass. A cow has got four legs and a long tail with hair at the end of it. Cows eyes are very big. We get milk from the cow A cow is very useful to all of us.

THE POSTMAN

The postman works in the Post Office He carries a bag full of letters. He goes from door and door and give letters, parcels etc to us. The postman does a hard job. He is a great help to all of us.

THE DOG

The dog is a domestic animal. It has sharp teeth and strong claws. Meat is his favourite food. A dog is a brave animal. It has a strong sence of smell and sharp eye-sight. Dogs are very helpful to us.

THE POLICEMAN

The Policeman is seen in all the places of a town or city. A policeman maintains low and order. He is always ready to help people. He is a friend of our society.

बच्चों को पुराने अखबारों से गद्यांश पढ़ने को कहें।

2. खेल -

1. कुछ पर्चियां बनाएं जिनमें अंग्रेजी के शब्द लिखें। किसी एक बच्चे को बुलाकर पर्ची उठाकर पढ़ने को कहें तथा अन्य बच्चों से उस शब्द को अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. बच्चों को एक गोले में बिठा दें, फिर कोई भी अंग्रेजी का एक शब्द बोलें। किसी एक बच्चे से उस शब्द के अंत में आए हुए अक्षर से नया शब्द बोलने को कहें। इस प्रकार से बच्चे क्रिया दोहराते रहें। जो बच्चा

शब्द न बना पाए वो खेल से बाहर होगा। बच्चों को किसी व्यक्ति का नाम न बोलने को कहें।

हर बच्चे को एक शब्द सोचने के लिए निश्चित समय दें।

3. कलात्मक कार्य –

1. बच्चों को अंग्रेजी के अखबारों से गद्यांश काटकर कॉपी में चिपकाने को कहें। तत्पश्चात कक्षा में वो गद्यांश पढ़वाये एवं उनकी गलतियों को सुधारें।

अध्याय–II

बच्चों को 'लिंग' एवं 'वचन' की जानकारी देना

समय सीमा – 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम –

1. वार्तालाप –

1. कक्षा में उपस्थित बच्चों के द्वारा लिंग का ज्ञान दें। जैसे :- Boy-girl

2 कक्षा में उपस्थित बच्चों को वचन का ज्ञान करायें।

3. बोर्ड पर विभिन्न उदाहरणों एवं चित्रों के द्वारा वचन एवं लिंग का ज्ञान दें।

4. बच्चों को Singular से Plural बनाने में 's' एवं 'es' का प्रयोग समझाएं।

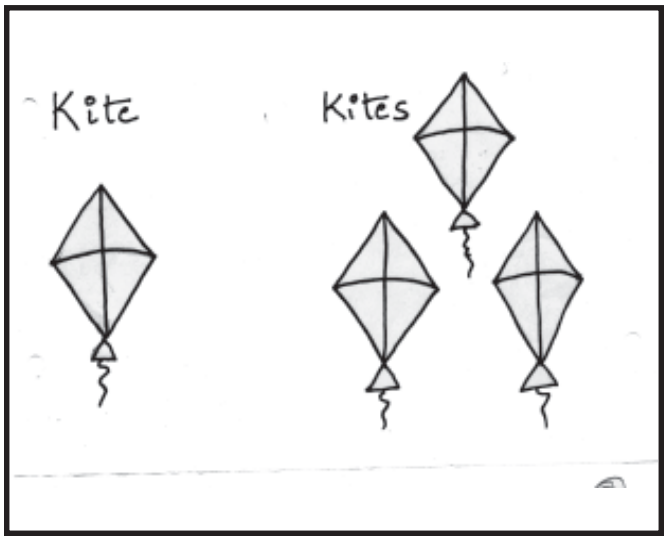

2. खेल–

1. कुछ कार्ड्स में पुल्लिंग शब्द जैसे-Man, Boy, Husband, Lion, Brother लिखें व अन्य कार्ड्स में स्त्रीलिंग शब्द जैसे Woman, Girl, Wife, Lioness, Sister लिखें तथा सही जोड़े मिलाने को कहें। जैसे-

Man	-	Woman
Boy	-	Girl
Husband	-	Wife
Lion	-	Lioness
Brother	-	Sister

2. कुछ कार्ड्स बनायें जिनमें Singular एवं Plural शब्द लिखें, बच्चों से कोई एक कार्ड उठाने को

कहें एवं उसका दूसरा वचन बनाने को कहें, जैसे-

Bus	Buses
Cats	Cat
Door	Doors
Horses	Horse

3. कलात्मक कार्य -

1. बच्चों को अखबार से चित्र काटकर कॉपी में चिपकाने को कहे। उसका नाम लिखने को कहें, तत्पश्चात इन चित्रों को देखकर उनकी बहुवचन की संख्या को दर्शाते हुए चित्र बनाने को कहें तथा रंग भी भरवाएं।

2. बच्चों से कहें कि जो वस्तुएं स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग का बोध कराती हैं उन्हें अखबार से काटकर अपनी कॉपी में अलग-अलग जगह चिपकायें।

अध्याय-III

बच्चों को 'विलोम शब्द' व Dictation सिखाना

समय सीमा- 5 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों से बातचीत द्वारा पूछें कि क्या वह विलोम शब्द (Opposite words) के बारे में जानते हैं?

2. बच्चों को बताएं कि किसी शब्द का विपरीत अर्थ उसका विलोम कहलाता है, जैसे हम दिन का उलटा रात (Day- Night), और 'हंसना' का उल्टा 'रोना' (Laughing-Crying) जानते हैं।

इसी प्रकार उन्हें अन्य उदाहरण भी दें।

जैसे:-

Big	Little	Warm	Cool
Clean	Dirty	Wet	Dry
Light	Dark	New	Old
Rich	Poor	Right	Wrong
In	Out	Good	Bad
Happy	Sad	Soft	Hard
Fast	Slow	Long	Short

बच्चो को अंग्रेजी में सुलेख लिखने को दें

Pooja is a good girl. She loves reading. She is in Class Third. She is a bright student. She respect her Teachers.

Postman, Domestic, Police, woman, brother, Doors, January, Water, Sound, Animals, Republic etc.

इसी प्रकार बच्चों को कुछ अन्य सुलेख भी दे सकते हैं।

2. खेल-

1. बच्चों को दो टीमों में बांट लें। अब हर टीम से एक-एक बच्चे को ब्लैक बोर्ड के पास बुलाएं अब बोर्ड पर एक शब्द लिखें तथा उनमें से किसी एक से उसका विलोम शब्द बताने को कहें। यदि वह सही बताए तो ठीक, वरना उस शब्द का विलोम दूसरे बच्चे से बताने को कहें। इन बच्चों को वापस भेजकर नए बच्चों को बुलाएं। इस प्रकार खेल को आगे बढ़ाएं टीम को हर सही उत्तर पर 2 अंक दें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को दो टीम में बांटे दें। अब दोनों टीम से कुछ पर्चियां बनाएं। एक टीम को कुछ-कुछ शब्द उन पर्चियों पर लिखनें को दें तथा उन्हीं शब्दों के Opposite शब्द दूसरी टीम को पर्चियों पर लिखने को दें।

जब दोनों टीम पर्चियां तैयार कर लें तो उन्हें मिलाकर शब्दों के सही विलोम ढूंढने को कहें।

अध्याय-IV

बच्चों को 'दिनों एवं महीनों के नाम' सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. कुछ कार्ड्स बनायें जिनमें बड़े एवं बोल्ड अक्षरों में दिनों (Sunday, Monday---) एवं महीनों (January, February---) के नाम अंग्रेजी में लिखें हो बच्चों को दिखाकर याद करवायें।

2. बोर्ड पर लिखकर उन्हें दिनों एवं महीनों की Spelling याद करवायें।

3. बच्चों को खाली स्थान भरने को दें।

S.....N.....AY
W.... ...NE... D....Y
JAN... ....R....

4. कॉपी में एक तरफ हिन्दी एवं दूसरी तरफ अंग्रेजी में सप्ताह के दिनों के नाम लिखें, सही से मिलान करने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स बनायें एवं उनमें दिनों एवं महीनों के नाम लिखें, हर बच्चे को क्रम से बुलाकर दिनों एवं महीनों के नाम अलग करने को कहें, साथ-ही-साथ उन्हें उनकी Spelling भी याद करवायें।

3. कलात्मक कार्य-

1. साल के कुछ विशेष महीनों में आने वाले त्यौहारों। जैसे -March-Holi) एवं राष्ट्रीय पर्व जैसे - 15 August- Independence Day, 26 January-Republic Day, 2 October-Gandhi Ji's Birthday, के चित्र बनाने तथा उनमें रंग भरने को कहें। इसी प्रकार से उन्हें महीनों के नाम भी याद करवायें।

अध्याय-V

बच्चों को 'कहानी पढ़ना', 'विराम चिन्हों का प्रयोग' करना, 'प्रार्थना पत्र' लिखना तथा अपठित गद्यांश के उत्तर लिखना सिखाना

समय सीमा- 4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को सर्वप्रथम कहानी, प्रार्थना पत्र एवं निबंध के बीच का अंतर तथा उनकी उपयोगिता सिखायें।

2. बच्चों को सभी विराम चिन्हों (Full stop . Comma , Semi colon ; Colon : Question mark?) के नाम एवं प्रयोग बतायें।

3. बोर्ड पर कोई एक प्रार्थना-पत्र लिखें फिर बच्चो को उसे पढ़ने और लिखने को कहें। इसके बाद किसी अलग विषय पर एक प्रार्थना पत्र लिखने को कहें।

4. बच्चों को कोई अपठित गद्यांश दें तथा उसे कुछ सरल प्रश्न पूछें। उनसे जवाब अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

5. बच्चों को सभी विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए प्रार्थना पत्र लिखने को कहें।

2. खेल-

1. कुछ कार्ड्स बनायें जिनमें एक कहानी के विभिन्न वाक्य लिखें। बच्चों को उन कार्डस् को पढ़कर क्रम से लगाने को कहें जिससे एक पूरी कहानी बन जाए।

2. कुछ कार्ड्स बनायें, उनमें विभिन्न वाक्य जैसे - प्रश्नवाचक वाक्य, स्वीकारत्मक वाक्य, विस्मयसूचक वाक्य बिना विराम चिन्ह के लिखें, तथा कुछ कार्डस् पर विभिन्न विराम चिन्ह बनायें। बच्चो से वाक्य तथा उससे समबन्धित चित्र मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से अंग्रेजी के अखबार में से कोई कहानी काटकर कॉपी में चिपकाने को कहें, तत्पश्चात कक्षा में वह कहानी पढ़वायें।

Ram is a good boy. He is in class Vth. He is a good student. The teachers likes him. He comes first in class.

Q 1. In which Class Ram is?

Q 2. Who Likes Ram?

अध्याय-VI

बच्चों से अभी तक पढ़ाएं गए सभी पाठों की पुनरावृत्ति कराना

समय सीमा- 2 सप्ताह

1. वार्तालाप-

1. बच्चों के सामने कोई शब्द बोलें, तथा उस शब्द को सभी बच्चों से कॉपी में लिखने को कहें।

2. एक अंग्रेज़ी की किताब लें। उसमें से एक गद्यांश किसी एक बच्चे को ज़ोर-ज़ोर से पढ़ने को कहें, इसके बाद , अन्य बच्चों से उस गद्यांश का अर्थ बताने को कहें।

3. बच्चों को फलों के चित्र दिखायें तथा उन फलों से संबंधित प्रश्न बच्चों से पूछें।

जैसे-उनका पसंदीदा फल कौन सा है?

सेब किस रंग का होता है?

इसी माध्यम से बच्चों को जानवरों, सब्जियों, फूलों तथा पक्षियों के नाम भी याद करवाएं एवं संबंधित प्रश्न पूछें।

2. खेल-

1. अभी तक कराए गए खेलों को समय-समय पर दोहराते रहें।

3. कलात्मक कार्य-

अभी तक कराई गई गतिविधियां करवायें।

अध्याय-I

बच्चों को बराबर, कम तथा ज्यादा की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को बराबर '= ', कम '< ' तथा ज्यादा ' >' के चिन्ह के बारे में बताएं।

2. कोई दो संख्याएं बोर्ड पर लिखें तथा बच्चों से बताएं कि बड़ी संख्या को दर्शाने के लिए हम इस तरह से लिखते हैं।

35 ज्यादा 20 से

या 35 > 20

3. बच्चों को बताएं कि संख्या 35 संख्या 20 से बड़ी है यानी संख्या 20 संख्या 35 से छोटी है, तो हम इस तरह से लिखेंगे 20 कम 35 से या 20 < 35

4.बच्चों को बताएं कि इस निशान ' < ' में, जिस तरफ चौड़ाई ज्यादा है, उस तरफ बड़ी संख्या लिखते हैं, तथा जिस तरफ चौड़ाई कम है, उस तरफ छोटी संख्या लिखते हैं।

5. बच्चों को बताएं कि जब समान संख्याओं की तुलना हो तो बराबर '= ' का चिन्ह लगता है। जैसे-

21 = 21

15 = 15

6. रिक्त स्थानों में बच्चों से '> ', या '< ' या '= ' का चिन्ह लगाने को कहें।

जैसे- 108.....97

25.....50

17.....17 आदि।

2. खेल -

1. बच्चों को आसपास के वातावरण से 1 मिनट में अधिक से अधिक वस्तुएं एकत्रित करने को कहें। बच्चों से ही गिन कर बताने को कहें कि किस बच्चे के पास सबसे अधिक वस्तुएं हैं तथा उस बच्चे को विजेता घोषित करे।

2. कुछ संख्या लिखें तथा '> ', ' < ', तथा '= ' के चिन्ह बने कार्ड्स अपने पास रख लें। अब एक-एक बच्चे को बुलाएं तथा संख्याओं वाले कार्ड्स में से दो कार्ड् उठाने को कहें। अब उन्हें संख्याओं के बीच सही चिन्ह लगाने को कहें।

2. कलात्मक कार्य -

3. बच्चों से ' < ', ' > ', ' = ', के चिन्हों के फ्लैश कार्डस बनवाएं।

गणित

अध्याय–II

बच्चों को स्थानीय मान की जानकारी देना

समय सीमा 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम

1.वार्तालाप–

1. कोई एक संख्या ब्लैक बोर्ड पर लिखें तथा बच्चों में उस संख्या को विस्तार से लिखना सिखाएं जैसे–

156 = 100 + 50 + 6

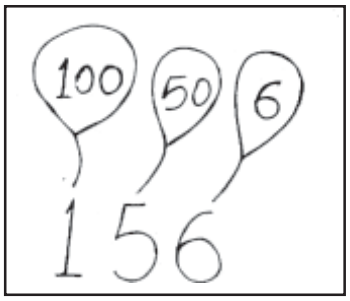

यहां पर 1 का मतलब 100 है।

5 का मतलब 50 है।

6 का मतलब 6 है।

इसे हम इन संख्याओं का स्थानीय मान भी कहते हैं।

हजार	सैकड़ा	दहाई	इकाई
1000	100	10	1

1
10
100
1000

बच्चों को बताएं कि दाई ओर से पढ़ने पर–

पहला स्थान एक का है जिसे हम इकाई का स्थान कहते हैं।

दूसरा स्थान दस का है जिसे हम दहाई का स्थान कहते हैं।

तीसरा स्थान सौ का है जिसे हम सैकड़ा का स्थान कहते हैं।

चौथा स्थान हजार का है जिसे हम हजार का स्थान कहते हैं।

3. बच्चों की कॉपी में पांच पंक्तियां बनाये। जिसमें बाँई ओर से पहली पंक्ति संख्या लिखने की बनायें,

दूसरी पंक्ति में हज़ार, तीसरी में सैकड़ा चौथी में दहाई तथा पांचवीं में इकाई लिखें। संख्या वाली पंक्ति में कुछ संख्या लिखें तथा बच्चों से कहें की बाकी पंक्तियों में उनके स्थानीय मान के अनुसार संख्या लिखें। जैसे –

संख्या	हजार	सैकड़ा	दहाई	ईकाई
2260	2	2	6	0

4. बच्चों को संख्या लिखने के लिए इस तरह के भी कुछ प्रश्न दें – जैसे –

5 सै + 4 द + 3 इ = 543,

7 सै + 2 द + 6 इ = ...

8 ह + 2 सै + 2 द + 1इ = ...

2. खेल–

1. बच्चों को 4–4 के ग्रुप में बाटे। हर ग्रुप को एक नम्बर दें जो कि चार संख्याओं का हो जैसे 3562, 7512, 5423 आदि। इसके पश्चात हर ग्रुप के बच्चों से कहें कि वो अपने ग्रुप को दिये गये नम्बर में से एक संख्या दें जैसे 3526 में एक बच्चे की संख्या 3 एक की 5, एक की 2, तथा एक की संख्या 6 होगी। बच्चों से अपनी संख्याओं का स्थानीय मान भी याद करने को कहें। इसके पश्चात बच्चों को निर्देश दें, कि आप जो भी स्थानीय मान बोलेगें, उस स्थानीय मान वाला बच्चा हर ग्रुप से बाहर आयेगा तथा एक अलग ग्रुप बनायेंगे। इसी तरह आप बाकी स्थानीय मान भी बोलें। जब आप चारों स्थानीय मान बोल दें, तो जांच लें कि हर बच्चा अपने स्थानीय मान के अनुसार खड़ा है या नहीं।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों की कॉपी पर कुछ नम्बर लिखें जैसे–

3125, 1562.....इसके पश्चात बच्चों से कहें कि नम्बर के स्थानीय मान को दर्शाते हुए विभिन्न चित्र बनाये जैसे–3125

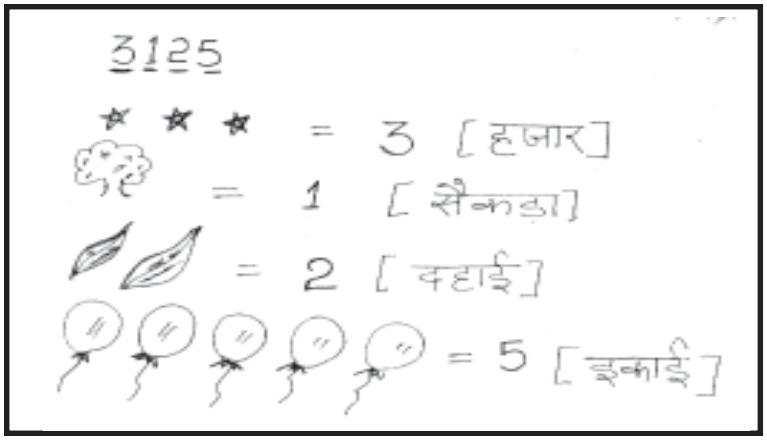

इसके पश्चात बच्चों से इन चित्रों में रंग करवायें।

अध्याय–III

बच्चों को दो, तीन एवं चार अंकों की संख्याओं का जोड़/जमा सिखाना (हासिल के साथ)

समय सीमा–2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बड़ी संख्याओं का जमा/जोड़ सिखाने से पहले बच्चों को संख्याओं को सही क्रम में लिखना सिखाएं। जैसे इकाई के नीचे इकाई, दहाई के नीचे दहाई, सैकड़ा के नीचे सैकड़ा तथा हजार के नीचे हजार।

जैसे– 2453 + 327

हम इस प्रकार लिखेंगे।

ह	सै	द	इ
2	4	5	3
+	3	2	7

2. बच्चों से बताएं कि सबसे पहले इकाई के स्थान वाले अंकों का, फिर दहाई, फिर सैकड़ा तत्पश्चात् हजार के स्थान वाले अंकों का जमा होता है।

3. अब उन्हें ऊपर दिए उदाहरण का हल निकालकर दिखाएं।

जैसे–

2 4 5 3
+ 3 2 7
2 7 8 0

1- (हासिल)

4. बच्चों को 2, 3, तथा 4 अंकों की संख्याओं का जमा करने को दें।

जैसे–

2 4 5	2 5	2 4 2 6
+ 1 5 9	+ 8 6	+ 1 3 7 9

5. बच्चों से जमा के कुछ अन्य सवाल भी पूछें। जैसे –

* आप के पास 529 रु. हैं और आपको मैंने 499 रु. दिए तो आपके पास कितने रुपए होंगे?

* रोहन के पास एक टोकरी में 325 आम हैं और दूसरी टोकरी में 229 आम हैं, तो उसके पास कुल

कितने आम हैं?

2. खेल-

1. कुछ पर्चियां बनायें तथा उनमें दो अंक वाली कुछ संख्या लिखें। फिर सब बच्चों को एक-एक करके बुलायें एवं तीन-तीन पर्चियां उठाने को कहें। जब तक सब बच्चे पर्चियां न उठा लें तब तक किसी भी बच्चे को पर्चियां न खोलने दें। इसके बाद बच्चों से कहें कि पर्चियों की संख्याओं जोड़ जल्द से जल्द करके अपनी कॉपी पर लिखें यह खेल 3 एवं 4 अंकों की संख्या का जोड़ सिखाने के लिए भी खिलायें।

2. बच्चों को दो ग्रुप में बाँट दे। इसके बाद एक ग्रुप से कहें कि वो सामने वाले ग्रुप को 4 अंकों की 2 संख्याओं का जोड़ करने को दें। जोड़ करने के लिए ग्रुप को एक निश्चित समय दें। यदि ग्रुप का जोड़ सही है तो वो सामने वाले ग्रुप को जोड़ देंगे अथवा उन्हें एक बार फिर दूसरा जोड़ करना पड़ेगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से एक वर्गसारणी बनवाएं एवं उसके खानों में दो, तीन या चार अंकों की संख्या लिखने को कहें। इसके पश्चात बच्चों से कहें कि हर पंक्ति का जोड़ उस पंक्ति के सामने लिखें।

जैसे-

1 2 5 8	2 4 1	1 4 9 9
3 2 1	2 1 2 1	2 4 4 2
1 5 7 9	2 3 6 2	

2. दो-तीन या चार अंकों की संख्या लिखी दो-दो पर्चियां बच्चों में बांट दें। अब बच्चों से उन पर्चियों को अपने कॉपी में चिपकाकर संख्याओं को जोड़ने को कहें।

अध्याय-IV

बच्चों को दो, तीन तथा चार अंकों की संख्याओं का घटा सिखाना (हासिल के साथ)

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बड़ी संख्याओं का घटा सिखाने से पहले बच्चों को सख्याओं को सही क्रम में लिखना सिखाएं।

2. बच्चों को बताएं कि सबसे पहले इकाई के स्थान वाले अंकों को, फिर दहाई, फिर सैकड़ा तत्पश्चात हजार के स्थान वाले अंकों का घटा होता है।

3. बच्चों को 'हासिल के कुछ उदाहरण बोर्ड पर करके दिखाएं। जैसे-

1 4 6 5-3 4 9

Step-1

ह	सै	द	इ
1	4	6	5
–	3	4	9

Step-2

ह	सै	द	इ
1	4	6	15
–	3	4	9
	1	1	6

4. बच्चों को दो, तीन एवं चार अंकों की संख्याओं का घटा करने को दें। जैसे–

2 4 6 1	5 2	2 2 1
– 2 4 9	– 2 1	– 3 9

5. बच्चों को घटा करने के कुछ अन्य सवाल भी पूछें। जैसे–

* अगर आपके पास 500 रुपए थे और आपने 178 रुपए खर्च कर दिए, तो आपके पास कितने रुपए बचे?
* रानी के स्कूल में कुल 395 बच्चे पढ़ते हैं। उनमें से 246 लड़कियां हैं तो लड़कों की संख्या क्या होगी?

2. खेल–

बच्चों को दो, तीन या चार अंकों वाली संख्या लिखी दो-दो पर्चियां बांट दें। अब उन्हें बड़ी संख्या लिखी पर्ची ऊपर तथा उसके नीचे छोटी संख्या लिखी पर्ची अपनी कॉपी में चिपकाकर घटाने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले हल करे, उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य –

1. कुछ पर्चियां बनायें तथा बच्चों से क्रम से दो पर्चियां उठाने को कहें इसके पश्चात बच्चों को उन पर्चियों में लिखी हुई संख्या को जोड़ने या घटाने के निर्देश दें। बच्चों से कहें कि वह उन पर्चियों को अपनी कॉपी पर चिपकायें तथा आपके निर्देश के अनुसार बीच में '+' का या ' - ' का चिन्ह लगायें एवं '=' का चिन्ह लगा कर उसका हल लिखें।

अध्याय-V

बच्चों को 6,7,8, एवं 9 के पहाड़े याद करवाना तथा दो और तीन अंकों का गुणा करना सिखाना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

वार्तालाप-

1. बच्चों को पहाड़ा सिखाने के लिए उसे ब्लैक बोर्ड पर लिखें। जैसे-

6 x 1 = 6	7 x 1 = 7	8 x 1 = 8	9 x 1 = 9
6 x 2 = 12	7 x 2 = 14	8 x 2 = 16	9 x 2 = 18
6 x 3 = 18	7 x 3 = 21	8 x 3 = 24	9 x 3 = 27
6 x 4 = 24	7 x 4 = 28	8 x 4 = 32	9 x 4 = 36
6 x 5 = 30	7 x 5 = 35	8 x 5 = 40	9 x 5 = 45
6 x 6 = 36	7 x 6 = 42	8 x 6 = 48	9 x 6 = 54
6 x 7 = 42	7 x 7 = 49	8 x 7 = 56	9 x 7 = 63
6 x 8 = 48	7 x 8 = 56	8 x 8 = 64	9 x 8 = 72
6 x 9 = 54	7 x 9 = 63	8 x 9 = 72	9 x 9 = 81
6 x 10 = 60	7 x 10 = 70	8 x 10 = 80	9 x 10 = 90

2. बच्चों को समझाएं कि 7 x 5 = 35 इसलिए होता है क्योंकि हम 7 को 5 बार जोड़ते हैं। इसी प्रकार समझाते हुए बच्चों को पहाड़ा याद करवाएं।

3. बच्चों से मौखिक पहाड़े सुनें।

4. बच्चों को कॉपी पर पहाड़ों के रिक्त स्थान भरने को दें।

5. जब बच्चों को पहाड़ा अच्छी तरह से याद हो जाये तो बच्चों से बीच-बीच में से पहाड़ा पूछें।

6. बच्चों को '2' या '3' अंकों वाली बड़ी संख्याओं का गुणा करने को दें। जैसे -

12	125
x 15	x 12

7. बच्चों को रिक्त स्थान को पूर्ति करने को दें। जैसे-

15 x 10 = ...

121 x 11= .....

8. बच्चों से कुछ अन्य सवाल भी हल करने को कहें।

जैसे- अगर एक माला में 108 मोतियां हैं तो ऐसे 9 मालाओं में कितनी मोतियां होगी।

2. खेल-

1. कुछ पर्चियों पर गुणा के सवाल लिखें। प्रत्येक बच्चे से पांच-पांच पर्चियां उठाने को कहें तथा उनका हल निकालने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले सही हल निकालेगा वो विजेता कहलाएगा।

2. कुछ कार्ड्स पर गुणा के सवाल लिखें तथा कुछ कार्ड्स पर उनके हल। प्रत्येक बच्चे से सवाल वाले पांच कार्ड्स उठाने को कहें तथा हल वाले कार्ड्स में से वो कार्ड उठाने को कहें जो उनका हल हो।

3. बच्चों को एक गोले में बिठाएं एवं उनसे एक दूसरे का हाथ पकड़ने को कहें। बच्चों से कहें कि एक से शुरू करते हुए हर अंक पर ताली मारे तथा जिस अंक का पहाड़ा आप सिखाना चाहते हैं, उस पहाड़े में आने वाली संख्या पर ताली न मारें।

3. कलात्मक कार्य-

दो या तीन अंकों की संख्या के दो-दो कार्ड्स बच्चों को दें तथा उन्हें अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें। उनके बीच में गुणा का चिन्ह लगाने को कहें। इसके बाद बच्चों को उसके सामने हल लिखने को कहें।

अध्याय-VI

बच्चों को अभी तक कराए गए पाठों की पुनरावृत्ति करवाएं

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को जमा, घटा और गुणा के कुछ सवाल ब्लैक बोर्ड पर हल करके दिखाएं।
2. जमा, घटा और गुणा के कुछ सवाल बच्चों को कॉपी पर हल करने को दें।
3. बच्चों के कॉपी पर पहाड़ों के रिक्त स्थान भरने को दें।
4. बच्चों से मौखिक पहाड़े सुनें।

2. खेल-

1. जमा, घटा और गुणा के एक-एक प्रश्न लिखे कार्ड्स बच्चों में बांट दें तथा उन्हें हल करने को कहें। जो बच्चा तीनों सवालों का सबसे पहले सही हल निकाल ले उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. संख्या लिखी कुछ पर्चियों में से दो-दो पर्चियां सभी बच्चों को उठाने को कहें। बच्चों से उन पर्चियों को अपनी कॉपी में चिपकाने को कहें तथा दोनों संख्याओं का जमा, घटा और गुणा करने का निर्देश दें।

अध्याय-VII

बच्चों को भाग करना सिखाना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर कुछ भाग के सवाल हल करके दिखाएं।

जैसे 128 ÷ 4

$$
\begin{array}{r}
32 \\
4\overline{)128} \\
12 \\
\hline
8 \\
8 \\
\hline
0
\end{array}
$$

2. बच्चों को बताएं कि उदाहरण में -

128 - भाज्य है,

4 - भाजक है,

तथा 32 -भागफल है।

3. बच्चों को कॉपी पर कुछ भाग के सवाल दें।

जैसे-

$5\overline{)55}$ $9\overline{)172}$

4. बच्चों को कुछ अन्य सवाल भी पूछें और कॉपी में हल करने को कहें।

जैसे- आपके पास 32 केले हैं। आप उसे अपने 4 मित्रों में बांटना चाहते हैं तो हर मित्र को कितने केले मिलेंगे?

5. बच्चों को भाग वाले प्रश्नों का रिक्त स्थान भरने को दें।

जैसे-

48 ÷ 8 = ...

36 ÷ 9 = ...

2. खेल-

प्रत्येक बच्चे को भाग के सवाल लिखे दो-दो कार्ड्स उठाने को कहें तथा आपके पास रखे हल वाले कार्ड्स में से सही कार्ड उठाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य-

बच्चों को दो या तीन अंकों वाले संख्याओं के दो-दो कार्ड्स दे दें। अब आप 2 से 9 के बीच कोई एक संख्या कहें तथा बच्चों से अपनी कॉपी में कार्ड में लिखी संख्याओं को भाग करने को कहें। तत्पश्चात् आप कोई दूसरी संख्या भी कहें तथा कार्ड में लिखी संख्या से भाग करने को कहें।

अध्याय-VIII

बच्चों को माप का रूपान्तरण सिखाना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

(1) बच्चों को ब्लैकबोर्ड के माध्यम से विभिन्न मापों की जानकारी दें जैसे :- मीटर, ग्राम, लीटर आदि।

(2) बच्चों को माप के बीच संबंध बतायें।

जैसे :- 1 किमी. = 1000 मी.

1 किलोग्राम = 1000 ग्राम

(3) बच्चों को माप का ज्ञान देने के लिए जोड़े मिलाने को कहें। जैसे :-

1 किलो मी.	1000 सेमी
1. मी.	1000 ग्राम
1 किलो ग्रा.	1000 मी.
	100 सेमी.

(4) बच्चों को विभिन्न मापन यंत्र दिखाये। बच्चों को बताएं की कौन सा मापन यंत्र किस माप को मापने के काम आता है।

2. खेल-

(1) पर्चियों पर माप से संबंधित कुछ प्रश्न लिखें। एक-एक बच्चे को बुलाएं और पांच पर्चियां उठाने को

कहें। इन पर्चियों में लिखे हुए प्रश्नों को उस बच्चे से पूछें। जो बच्चा पांचों प्रश्नों के सही उत्तर दे देगा वह विजेता होगा।

(2) कुछ कार्ड्स बनाएं। उनमें से एक-एक कार्ड सब बच्चों को दें। बच्चों से कहें बाकी बचे कार्ड्स में से उनका जोड़ा ढूंढ़ें।

3. कलात्मक कार्य-

(1) बच्चों से विभिन्न मापन यंत्र बनाने को कहें। उसमें रंग करवाएं एवं बच्चों से उनके सामने लिखने को कहें कि कौन सा मापन यंत्र किस वस्तु को मापता है।

अध्याय-XI

बच्चों को समय देखना सिखाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप -

1. बच्चो को घड़ी दिखाएं एवं घड़ी की तीनों सुईयों का महत्व बतायें। जैसे सबसे बड़ी सुई हमें सेकेन्ड का ज्ञान देती है। बीच वाली सुई हमें मिनट का ज्ञान देती है। सबसे छोटी सुई से हमें घंटों का पता चलता है।

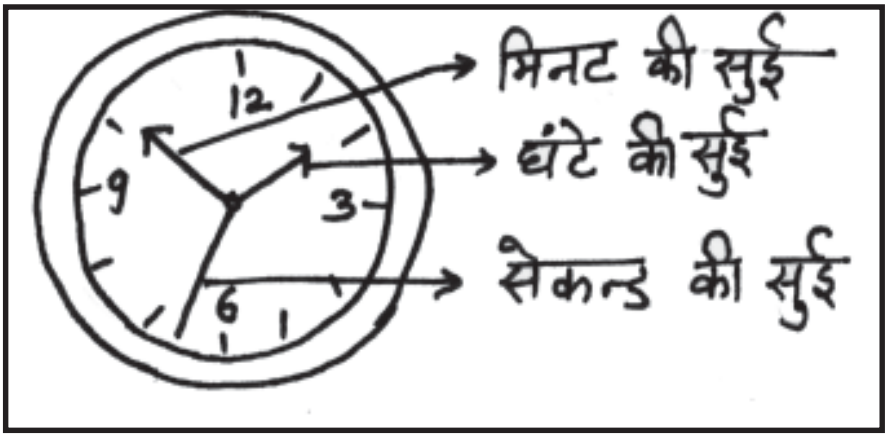

2. ब्लैक बोर्ड पर विभिन्न समय दिखाते हुए कुछ घड़ियां बनाएं तथा बच्चों को उनके द्वारा समय का ज्ञान दें।

3. बच्चों को घंटे, मिनट एवं सेकेन्ड में सम्बन्ध सिखायें। जैसे-

1 घंटा = 60 मिनट

1 मिनट = 60 सेकेन्ड

1 घंटा = 3600 सेकेन्ड

4. बच्चों को कॉपी में घड़ियां बना कर दें। एक समय बोलें तथा हर बच्चे से कॉपी में उतना समय दिखाने को कहें।

2. खेल –

1. एक ऐसी घड़ी लें जो न चलती हो। बच्चो को एक-एक करके बुलायें तथा समय बोलें। बच्चे से उस समय को घड़ी में दर्शाने को कहें।

2. कुछ कार्ड्स पर समय लिखें जैसे – 6:00 तथा कुछ कार्ड्स पर उस समय को दर्शाते हुए चित्र बनाएं और बच्चों से उन कार्ड्स के जोड़े मिलाने को कहें।

3. कलात्मक कार्य –

1. बच्चों को एक समय बोलें तथा बच्चों से कहें कि उसको दर्शाते हुए अपनी कॉपी पर चित्र बनाएं तथा उसमें रंग भी करें।

2. बच्चों से कहें कि वे अपनी दैनिक समय-सारिणी कॉपी पर लिखें।

4. कविता –

टिक टिक टिक, टिक मैं करती हूं।
हर पल मैं चलती रहती हूं
समय बताना मेरा काम।
खुद ही जानो मेरा नाम।

उत्तर- घड़ी

अध्याय-X

बच्चों को पुनरावृत्ति करवाना

समय सीमा- 2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

वार्तालाप-

1. बच्चों को जमा, घटा, गुणा और भाग के कुछ सवाल ब्लैक बोर्ड पर हल करके दिखाएं। कॉपी पर भी कुछ सवाल हल करने को दें।

2. बच्चों को गुणा और भाग के प्रश्नों का रिक्त-स्थान भरने को दें।

3. बच्चों से मौखिक पहाड़े सुनें।

4. अभी तक कराए गए मापन तथा समय के तथ्यों को दोहराएं।

2. खेल-

1. जमा, घटा, गुणा और भाग के एक-एक प्रश्न लिखे कार्ड्स बच्चों में बांट दें। बच्चों से उसे कॉपी में चिपका कर हल करने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले चारों सवालों के सही जवाब निकाल दे उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को पहले कराए गए कलात्मक कार्य करवाएं।

सामान्य ज्ञान

अध्याय-I

बच्चों को देश, राजधानी व अपने राज्य की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

वार्तालाप-

1. बच्चों को अपने देश के बारे में जानकारी दें। उन्हें बताएं कि इसे कितने नामों से पुकारा जाता है जैसे-भारत, हिन्दुस्तान, भारतवर्ष, India आदि।

2. बच्चों को भारत का मानचित्र दिखाएं व यह भी बताएं कि हमारा देश कई राज्यों में बंटा है। आप किस राज्य में हैं उसकी मानचित्र में स्थिति भी बच्चों को बताएं।

3. बच्चों को सभी राज्यों के नाम बताएं व लिखवाएं। बच्चों से पूछे कि वह कौन से राज्य से हैं जैसे-उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब आदि।

4. बच्चों को हमारे देश की राजधनी दिल्ली व राज्य की राजधानी भी बताएं।

2. खेल-

1. बच्चों को दी गई जानकारी में से एक प्रश्न प्रतियोगिता करवाएं व बच्चों को चार टीमों में बांट लें। जो टीम सबसे अधिक सही उत्तर दे उसे विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को भारत का मानचित्र बनाकर उसका कोलाज बनाने को कहें अर्थात रंग बिरंगे कागज़ के टुकड़े चिपकाने को कहें।

2. 'हमारे सपनों का भारत' विषय पर एक कला प्रतियोगिता आयोजित करें व बच्चों को इच्छानुसार चित्र बनाने दें।

4. कविताएं-

वंदनीय भारती तुझे नमन
जन्मभूमि तुम शहीदों का चमन
जीवन सुमन चढ़ा के तेरे पथ पे हम
करते हैं नमन वंदे-मातरम-2
गांधी, सुभाष, नेहरू की कहानियां
देती है प्राणदान की कुर्बानियां
हो गए शहीद मां तेरे लिए
वंदें मातरम वो तुझको कह गए
कर गए आजाद वो तेरा चमन
करते हैं नमन वन्दे-मातरम-2

अपने देश का प्यारा झंडा
तीन रंग का न्यारा झंडा,
केसरिया, सफेद व हरा
आसमान में है फहरा
देशभक्ति सिखलाता है
हम सबको यह भाता है।

अध्याय–II

बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज, पशु, पुष्प एवं पक्षी की जानकारी देना

समय सीमा–4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम–

1. वार्तालाप–

1. बच्चों को राष्ट्रीय पक्षी, फूल, पशु तथा ध्वज के बारे में बताएं। उनका चित्र दिखाकर उनकी विशेषताएं बताएं।

2. बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज की विशेषताएं बताएं इसके रंग तथा वह क्या दर्शाते हैं यह भी बच्चों को बताएं।

3. चार्ट के माध्यम से बच्चों को राष्ट्रीय पक्षी–मोर, पशु–बाघ तथा फूल–कमल का चित्र दिखाएं तथा उनके बारे में बच्चों को जानकारी दें। उनसे यह भी पूछें कि क्या उन्होंने इनमें से किसी को देखा है।

2. खेल–

1. बच्चों को एक गोले में बिठा दें। अब बच्चों को कुछ कार्ड्स दिखाएं जिस पर फूलों के चित्र हों। बच्चों से राष्ट्रीय पुष्प का चित्र पहचानने को कहें। सही उत्तर बताने पर उन्हें प्रोत्साहित करें।

2. एक कागज पर कुछ पशु, पक्षियों तथा फूलों के नाम लिखें तथा राष्ट्रीय पशु, पक्षी तथा फूल पर सही का चिन्ह लगाने को कहें। सही उत्तर देने वाले बच्चे को विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य–

1. बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज का चित्र बनाने को कहें तथा उसमें रंग भी भरने को कहें। इस प्रकार बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जानकारी दें।

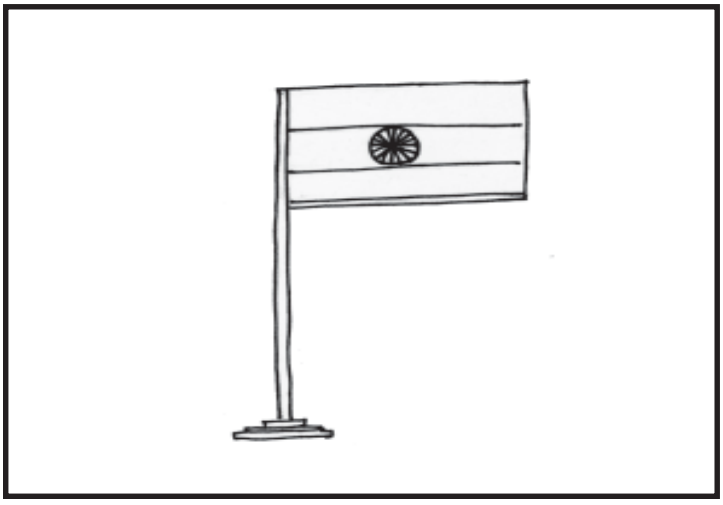

2. बच्चों को राष्ट्र ध्वज का चित्र बनाने को कहें अब उन्हें कुछ सफेद, केसरिया व हरे कागज दें। बच्चों को उनके छोटे–छोटे टुकड़े करके सही रंग के स्थान पर ही चिपकाने को कहें।

3. बच्चों को राष्ट्रीय पशु, पक्षी तथा फूल सिखाने के लिए उनके चित्र बनायें तथा रंग भरवाएं।

4. कविताएं -

1.आओ जाने राष्ट्र को अपने,
जाने क्या है इसमें खास
फूलों का राजा 'कमल' हमारा
'मोर' राष्ट्रीय पक्षी है प्यारा,
शेर है राजा सब जानवरों का
सारे वन में शासन उसका,
अपने राष्ट्र की हैं ये शान
आओ ले हम सब ये जान!!

2.अपने देश का प्यारा झंडा,
तीन रंग का न्यारा झंडा
केसरिया, सफेद व हरा,
आसमान में है फहरा
देशभक्ति सिखलाता है,
हम सबको भाता है।

बच्चों को इन गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य कार्य भी करवाएं तथा बच्चों को अधिक से अधिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। यदि पढ़ाई से सम्बन्धित कोई बच्चों को समस्या को हो तो पुनराव त्ति के समय उसका समाधान करें।

अध्याय-III

बच्चों को सजीव व निर्जीव वस्तुओं की जानकारी देना!

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1.वार्तालाप-

1. बच्चों को बताएं की सजीव वस्तुएं वह होती है जो सांस ले सकती हैं, क्रियाएं कर सकती हैं! तथा जिनमें प्राण होते हैं।

2. बच्चों को निर्जीव का अर्थ बताते हुए समझाएं कि निर्जीव वस्तुएं वह होती है, जिनमें प्राण नहीं होते तथा जो क्रियाएं नहीं करती हैं!

3. बच्चों को सजीव वस्तुओं जैसे-पशु, पक्षी, मानव, पेड़ आदि तथा निर्जीव वस्तुओं जैसे-मेज, कुर्सी, मकान आदि के बारे में बताएं।

4. बच्चों को आस-पास के वातावरण में से 4 सजीव व 4 निर्जीव वस्तुओं के नाम बताने को कहे।

2. खेल-

1. एक चार्ट जिस पर 20 सजीव व निर्जीव वस्तुओं के नाम लिखे हों बच्चों को दिखाएं व बच्चों से जल्दी-जल्दी 5 सजीव व 5 निर्जीव वस्तुओं के नाम छांटकर कागज पर लिखने को कहें। जो बच्चा सबसे पहले सही नाम छांटकर दिखाएगा वह विजेता कहलाएगा।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से सजीव व निर्जीव वस्तुओं के फ्लैशकार्ड बनवाएं!

अध्याय-IV

बच्चों को आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देना

समय सीमा-2 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों को समझाएं कि आपातकालीन सेवाएं क्या होती हैं तथा इनका प्रयोग कब और कैसे करते हैं।

2. बच्चों को आपातकालीन सेवाएं जैसे-100, 1098 आदि के विषय में बताएं जिनसे मात्र एक फोन कॉल से मदद प्राप्त की जा सकती हैं।

3. बच्चों को कोई संबंधित कहानी सुनाए जिसमें कहीं आपातकालीन सेवाओं का प्रयोग आता हो।

3. खेल-

1. बच्चों को चार ग्रुप में बांट लें तथा उनके बीच आपातकालीन सेवाओं से संबंधित दी गई जानकारी से ही, जुड़ी प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन करें। जो ग्रुप सभी उत्तर सही दे उसे विजेता घोषित करें।

2. बच्चों को किसी एक आपातकालीन सेवा के विषय में 2 मिनट तक बोलने को कहें। एक-एक करके बच्चों को बुलाएं। सबसे अच्छा बोलने वाले व जानकारी देने वाले की विजेता घोषित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों को आपातकालीन सेवाओं से संबंधित कोई चित्र बनाने को कहें तथा उसे सामने खड़े होकर अभिव्यक्ति करने को भी कहें।

अध्याय-V

बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की जानकारी देना

समय सीमा-3 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर बच्चों को कहानी सुनाकर उन्हें स्वच्छ रहकर बीमारियों से दूर रहने के तरीके बताएं।

2. बच्चों को नहाने, दांत साफ करने, नाखून काटने आदि से होने वाले लाभ से अवगत करवाएं।

2. खेल-

1. बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर 3 मिनट का भाषण देने को कहें, तथा अच्छा भाषण देने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करें।

3. कलात्मक कार्य-

1. बच्चों से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय पर एक नुक्कड़ नाटक तैयार करवाएं तथा कोशिश करें कि अधिक से अधिक बच्चे उसमें प्रतिभाग करें।

2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर एक 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन करें।

4. कविता-

कैसे होते अच्छे बच्चे
रोज सुबह जो जल्दी उठते
जल्दी उठकर रोज नहाते
हो तैयार स्कूल को जाते
सभी बड़ों का आदर करते
पढ़ाई सदा मेहनत से करते
सदा कक्षा में अव्वल आते।

अध्याय-VI

बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी देना

समय सीमा-4 सप्ताह

पढ़ाने के माध्यम-

1. वार्तालाप-

1. बच्चों के साथ बैठकर और बातों-बातों में उनसे पूछे कि क्या उनमें से कोई नशा करता है?

2. बच्चों को बताएं कि नशा क्या होता है तथा इसके सेवन से क्या हानियां है? बातों-बातों में उन्हें बताएं कि नशे से दिमाग व शरीर दोनों ही कमजोर हो जाते हैं?

3. नशे से होने वाले नुकसान से जुड़ी कोई प्रेरणादायक कहानी बच्चों को सुनाएं तथा कहानी के अंत में बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी से क्या प्रेरणा मिली।

2. खेल-

1. बच्चों को खड़ा करें व 4 समूह में बांट लें। अब हर समूह से नशे के 10 नुकसान बताने को कहें। कोई भी वाक्य दोहराया ना जाए। जो टीम सबसे सही 10 वाक्य बताएगी वह जीतेगी।

3. कलात्मक कार्य-

1. एक कपड़ा लें जिन पर सभी बच्चों की रंग लगी हुई हथेलियों की छाप यह कहकर लें कि जो भी बच्चा यहां अपने हाथों की छाप देगा उसका अर्थ यह होगा कि वह अब कभी नशा नहीं करेगा। इस कार्य के लिए पानी के रंगों को प्रयोग करें। बच्चों से नशा विरोध बैनर बनवाएं।

4. कविताएं-

रामू बोला सोनू से
एक बात कहूं मैं दोस्त मेरे
छोड़ नशे की आदत को
क्या मिलता इससे तुझको?
मुझे देख मैं छोड़ नशा अब
पैसे खूब बचाता हूं,
अच्छा-अच्छा खाना खाता
और पढ़ने भी जाता हूं
सोनू बोला मैं भी अबसे,
नशे की आदत छोडूंगा,
अच्छा बच्चा बनकर मैं भी,
पढ़ने संग स्कूल चलूंगा।

Note:-

Note:-

CHETNA

Childhood Enhancement through Training and Action (CHETNA)
40/22, Ground Floor Manohar Kunj, Gautam Nagar
Behind U.P Dairy, New Delhi-110049
Phone 91 11 30585757, fax 91 11 41644470
Email : chetna@vsnl.net, chetna@airtelmail.in
Web Page : chetna-india.org